10 सितंबर 2025
बुधवार
केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

बक्सर बन चुका है हेरोइन तस्करी का गढ़, पुलिस की कार्रवाई से खुला नेटवर्क की गहराई 3



# फर्जी बैंक गारंटी पर लिया 974 करोड़ का प्रोजेक्ट और 85 करोड़ रुपये

- सीबीआई ने जांच के बाद दो आरोपियों पर कसा शिकंजा

**एजेंसी/इंदौर**

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 183 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी के सहारे हासिल किए गए 974 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट घोटाले का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में इंदौर स्थित एक निजी कंपनी के प्रबंध निदेशक और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने जाली बैंक गारंटी के आधार पर न केवल ठेके लिए, बल्कि 85 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान भी हासिल कर लिया।सीबीआई की जांच में सामने आया कि इंदौर की कंपनी तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की फर्जी गारंटी दिखाकर तीन बड़े प्रोजेक्ट अपने नाम कर लिए। इन परियोजनाओं की कुल कीमत 974 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने गारंटी की झूठी पुष्टि के लिए पीएनबी के आधिकारिक डोमेन के नाम से नकली ईमेल भी भेजे।यह फजीर्वाड़ा मध्य प्रदेश के छतरपुर, सागर और डिंडोरी जिलों में सिंचाई परियोजनाओं से जुड़ा था। कंपनी ने 183.21 करोड़ रुपये की आठ फर्जी बैंक गारंटी जमा कराई। इन दस्तावेजों के आधार पर मध्य प्रदेश जल निगम लिमिटेड (एमपीजेएनएल) ने प्रोजेक्ट आवंटित कर दिए। कंपनी ने इन अनुबंधों के सहारे 85 करोड़ रुपये अग्रिम राशि के रूप में वसूली।

## अदालत के आदेश के बाद कार्रवाई

मामला तब उजागर हुआ जब इस पर सवाल उठे और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने जांच के आदेश दिए। इसके बाद सीबीआई ने तीन अलग-अलग केस दर्ज किए। सीबीआई ने जांच आगे बढ़ाते हुए तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेश कुंभानी और गौरव धाकड़ को गिरफ्तार किया। फर्जी ईमेल से किया भरोसा हासिल सीबीआई ने बताया कि एमपीजेएनएल को पीएनबी के नाम से भेजे गए नकली ईमेलों पर भरोसा हो गया। इन ईमेलों में कहा गया था कि बैंक गारंटी असली हैं। इस आधार पर एमपीजेएनएल ने प्रोजेक्ट कंपनी को सौंप दिए। जांच में यह पूरा मामला फर्जी निकला और इससे सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान हुआ।अदालत में पेश होंगे आरोपी गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को इंदौर न्यायालय के विशेष मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। सीबीआई ने कहा है कि इस मामले की तह तक जाने के लिए आगे की जांच जारी है। यह घोटाला न केवल वित्तीय धोखाधड़ी का मामला है, बल्कि सरकारी तंत्र की लापरवाही को भी उजागर करता है।

# नेपाल में हिंसा के चलते काठमांडू एयरपोर्ट बंद

**एजेंसी/नई दिल्ली**

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के चलते काठमांडु एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। काठमांडु एयरपोर्ट बंद होने के चलते नेपाल जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के दो विमानों को लखनऊ में उतारा गया। नेपाल के विमानन प्राधिकरण के अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि नेपाल के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे काठमांडु एयरपोर्ट को खराब दृश्यता के चलते बंद कर दिया गया है। प्रदर्शन के चलते इलाके में आग और धुआं निकल रहा है। फ्लाइट राडार 24 डॉट कॉम पर उपलब्ध ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, इंडिगो की दो उड़ानें -(दिल्ली से काठमांडू) और (मुंबई-काठमांडू) नेपाल की राजधानी त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रुकी हुई हैं और मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। भारत से नेपाल जाने वाली कई उड़ानें प्रभावित हुईं। एअर इंडिया ने दिल्ली-काठमांडू मार्ग पर चलने वाली तीन उड़ा को रद्द कर दिया। सोमवार को नेपाल के काठमांडू में युवा पीढ़ी के नेतृत्व में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। सरकार द्वारा इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और एक्स सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफ हिंसा भड़की। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के कुछ शीर्ष राजनीतिक नेताओं के आवासों में आग लगा दी, जिनमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भी शामिल हैं। ओली ने मंगलवार को पीएम पद से इस्तीफा दे दिया और सेना उन्हें अज्ञात जगह पर ले गई है।

## उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए, राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की

# सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति

**एजेंसी/नई दिल्ली**

भारत के अगले उपराष्ट्रपति का ऐलान हो गया है। एनडीए के सीपी राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को हरा दिया। एक तरह से देखा जाए तो यह सत्तासीन पार्टी और विपक्ष के बीच ज्यादा से ज्यादा संख्या बल को अपनी तरफ साबित करने की होड़ की तरह देखा जा सकता है।कुछ ऐसा ही आलम 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान देखा गया था, जब एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने इंडिया गठबंधन की तरफ से उतारी गईं मार्गरेट अल्वा को पराजित कर दिया था। अब एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और इंडिया के बी. सुदर्शन रेड्डी की जंग को भी कुछ इसी तरह देखा जा रहा है। 2002 के उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की तरफ से भाजपा नेता भैरों सिंह शेखावत को उम्मीदवार बनाया गया था। उन्होंने कांग्रेस के सुशील कुमार शिंदे को हरा दिया था। चौंकाने वाली बात यह है कि शेखावत को करीब 60 फीसदी वोट मिले थे, इसके बावजूद यह उपराष्ट्रपति पद के लिए किसी भी जीतने वाले नेता को मिला सबसे कम वोट प्रतिशत था। इस चुनाव में भी कुछ पार्टियों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इनमें तृणमूल कांग्रेस के 10 सांसद शामिल रहे थे। कुल 22 सांसदों ने इस चुनाव में वोट नहीं किया था। 2007 के उपराष्ट्रपति चुनाव में कांग्रेस की तरफ से उतरे मोहम्मद हामिद अंसारी ने भाजपा उम्मीदवार नजमा हेपतुल्ला को शिकस्त दी थी। तब चुनाव के वक्त दोनों सदनों में कुल संख्याबल 783 रहा था। हामिद अंसारी 1957 के बाद पहले उपराष्ट्रपति थे, जो कि इस पद पर लगातार दो बार चुने गए। उनसे पहले सिर्फ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ही दो बार उपराष्ट्रपति रहे थे। जहां अंसारी को यूपीए में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से लेकर द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) शामिल थीं। इसके अलावा सपा, राजद और बसपा ने भी अंसारी का ही समर्थन किया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस चुनाव में 54 सांसदों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया।एनडीए की तरफ से 2017 में वेंकैया नायडू को उतारा गया था। उन्होंने इस मुकाबले को एकतरफा तौर पर जीता था। कुल 771 वोट पड़े थे, जिनमें 11 अवैध करार दिए गए। इसके अलावा 14 सांसदों ने वोट नहीं किया था। इसके बावजूद नायडू को करीब दो-तिहाई सांसदों का समर्थन मिला। मजेदार बात यह है कि इस चुनाव में विपक्ष के 19 सांसदों के वोट भी नायडू के समर्थन में पड़े थे। उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए पिछले चुनाव में जगदीप धनखड़ को बड़ी जीत मिली थी। इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने शामिल न होने की बात कही थी, इसके बावजूद उसके दो सांसदों ने वोट किए थे। कुल 55 सांसदों ने चुनाव में वोट नहीं किया, जबकि 15 वोट अवैध हो गए थे।

## सीपी राधाकृष्णन को मिले कुल 452 वोट

एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। मतदान में सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उपराष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हालांकि परिणाम मेरे पक्ष में नहीं है, फिर भी वैचारिक लड़ाई और अधिक जोश के साथ जारी रहेगी। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद छह बजे मतगणना प्रारंभ हुई। मतगणना समाप्त होने के बाद आज देर शाम नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए। जिनमें से 752 वैध और 15 अवैध थे।

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत पर बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने लिखा, सार्वजनिक जीवन में आपके दशकों के समृद्ध अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मैं आपको एक सफल और प्रभावशाली कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देती हूं।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन की जीत पर कहा, यह अद्भुत और अकल्पनीय जीत है। जिस बड़े अंतर से उन्होंने जीत हासिल की है, उससे साबित होता है कि देश को प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए पर भरोसा है। सी.पी. राधाकृष्णन को बधाई। वे एक परिश्रमी, तपस्वी, कल्पनाशील समाजसेवी और उदार सोच वाले व्यक्ति हैं। हम सौभाग्यशाली होंगे कि हमें उनके संरक्षण में काम करने का अवसर मिलेगा क्योंकि वे राज्यसभा का संचालन करेंगे। उन्हें बहुत-बहुत बधाई।

## प्रधानमंत्री मोदी ने सीपी राधाकृष्णन को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए बधाई देते हुए कहा कि राधाकृष्णन का जीवन हमेशा समाज सेवा और गरीबों-वंचितों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन हमेशा समाज की सेवा और गरीबों व हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है। मुझे विश्वास है कि वे एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे, जो हमारे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करेंगे और संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।

## महाराष्ट्र के सीएम ने दी बधाई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपराष्ट्रपति चुनाव में राधाकृष्णन की जीत पर कहा, महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन अब देश के उपराष्ट्रपति चुने गए हैं... मैं उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूं, प्रधानमंत्री और एनडीए के सभी दलों को भी धन्यवाद देता हूं। मुझे विश्वास है कि सी.पी. राधाकृष्णन देश के उपराष्ट्रपति के रूप में इस पद की गरिमा बढ़ाएंगे

## मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए देश तैयार

# 2035 तक भारत के पास होगा अपना स्पेस स्टेशन

**एजेंसी/नई दिल्ली**

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने कहा है कि भारत 2027 तक अपनी पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि गगनयान परियोजना के तहत 7,700 ग्राउंड टेस्ट पूरे हो चुके हैं और 2,300 और परीक्षण किए जाने बाकी हैं। इसके बाद ही अंतरिक्ष में मानव मिशन को अंजाम दिया जाएगा। नारायणन ने बताया कि गगनयान परियोजना के तहत तीन बिना चालक दल वाले मिशन होंगे। इनमें से पहला मिशन इसी साल दिसंबर में प्रस्तावित है। इसके बाद दो और मानव रहित मिशन पूरे किए जाएंगे। यह सभी उड़ानें भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन को सफल बनाने के लिए अहम कदम साबित होंगी। इसरो को गगनयान परियोजना के तहत दो मानवयुक्त मिशनों की मंजूरी मिल चुकी है। इसका मतलब है कि भारत अब उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने जा रहा है, जिन्होंने अपने नागरिकों को अंतरिक्ष में भेजा है। इसरो प्रमुख ने कहा कि इन मिशनों से भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता दुनिया के सामने और मजबूत होकर उभरेगी।

**ऑपरेशन सिंदूर में इसरो का योगदान :** इसरो प्रमुख ने बताया कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 400 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने चौबीसों घंटे काम किया। मिशन में पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रहों का उपयोग किया गया। इस दौरान सभी उपग्रह पूरी तरह सक्रिय रहे और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जरूरतें पूरी की गईं। यह इस बात का सबूत है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अब रक्षा के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बड़े पैमाने पर ड्रोन और लाइटरिंग म्यूनिशन का इस्तेमाल हुआ। इस मिशन में भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश तीर की क्षमताओं का भी परीक्षण किया गया।

## पीएम मोदी ने तय किए बड़े लक्ष्य

आगे उन्होंने ये भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को 2035 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चांद पर भेजने का लक्ष्य दिया है। इन लक्ष्यों ने भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को एक नई ऊंचाई दी है। मोदी ने कहा है कि भारत को आने वाले समय में अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा होना होगा।

किशोरियों के स्वास्थ्य व स्वावलंबन पर रहा खास फोकस

# आरोग्य भारती ने बालिकाओं को किया जागरूक, विशेषज्ञों ने दिए जीवनशैली सुधारने के टिप्स

**केटी न्यूज/डुमरांव**

आरोग्य भारती डुमरांव की ओर से स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को महारानी उषा रानी बालिका उच्च विद्यालय परिसर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। छात्राओं से खचाखच भरे इस आयोजन का मकसद सिर्फ बीमारियों से बचाव का संदेश देना ही नहीं था, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में प्रेरित करना भी रहा।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें आरोग्य भारती के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य व जीडीएम कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. वेंकटेश तिवारी, प्रांतीय सचिव व राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज पटना के प्राध्यापक डॉ. गुरुशरण पाल, प्रांतीय सह सचिव डॉ. भास्कर मिश्रा, आरोग्य भारती के जिलाध्यक्ष डॉ. बी.एल. प्रवीण और विद्यालय के प्रधानाध्यापक सचिन तिवारी समेत कई गणमान्य शामिल हुए।

मुख्य अतिथि डॉ. वेंकटेश तिवारी ने अपने संबोधन में किशोरियों के शारीरिक और मानसिक बदलावों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उम्र के साथ आने वाले हार्मोनल परिवर्तनों को समझना जरूरी है ताकि छात्राएं अपने स्वास्थ्य और आत्मविश्वास दोनों को संभाल सकें। उन्होंने शारीरिक शुचिता, सामाजिक सुरक्षा और अनुशासित जीवनशैली पर जोर देते हुए कहा कि अगर किशोरियां संकल्प, साधना और संस्कार को अपने जीवन में शामिल कर लें, तो वे न सिर्फ खुद को बल्कि पूरे देश को स्वस्थ और मजबूत बना सकती हैं।

वहीं, डॉ. गुरुशरण पाल ने समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके स्वावलंबन पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को तकनीकी शिक्षा और करियर निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाने की सलाह दी। उनका कहना था कि ह्लस्वस्थ शरीर और मजबूत सोच ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. बी.एल. प्रवीण ने छात्राओं को बीमारियों से बचाव के आसान टिप्स बताए और कहा कि समय पर सावधानी और संतुलित जीवनशैली अपनाने से बड़ी से बड़ी समस्या से बचा जा सकता है। मंच संचालन डॉ. भास्कर मिश्रा ने किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सचिन तिवारी ने इस कार्यक्रम को ह्लसमय की मांगह्व बताते हुए आरोग्य भारती की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्राओं को इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों की सबसे ज्यादा जरूरत है।

इस मौके पर आरोग्य भारती के जिला सचिव व शिक्षक विमलेश कुमार सिंह, डॉ. कुमार अंगद प्रसाद सिंह, सदस्य सोनू कुमार, सुनील कुमार, कुमार विमल, पल्लवी यादव, रवि प्रभात, बृजेश कुमारी, विमलेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। विद्यालय परिसर छात्राओं की उपस्थिति से गुलजार रहा और हर कोई विशेषज्ञों की बातें ध्यान से सुनता नजर आया।

500 से अधिक छात्राओं की मौजूदगी में आयोजित यह कार्यक्रम न केवल जानकारी देने वाला साबित हुआ, बल्कि छात्राओं को अपने जीवन के प्रति सजग और जिम्मेदार बनाने का भी संकल्प दिला गया।

## एक नजर

### मुगांव के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता का असमय निधन

डुमरांव। स्थानीय प्रखंड के मुगांव गांव निवासी व इलाके के चर्चित सामजिक कार्यकर्ता छोटकानी सिंह ( उम्र 55 वर्ष ) की असमय मौत हो गई है। मंगलवार की सुबह हृदय गति रूकने से उन्होंने अपने पैतृक घर में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही मुगांव सहित आस पास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों का कहना है कि वे काफी मिलनसार व सामाजिक प्रवृति के थे तथा समाज के सभी वर्गो के प्रति स्नेह रखते थे। यही नहीं वे हमेशा जरूरतमंदों की मदद भी करते थे। उनके निधन से मुगांव तथा आस पास के गांव के लोगों को गहरी क्षति पहुंची है। ग्रामीणों का कहना है कि उनके निधन से पूरा गांव मर्माहत हो उठा है।

### डुमरांव में गहराया विद्युत संकट

**डुमरांव।** शहर में पिछले कुछ दिनों से विद्युत संकट गहरा गया है। आलम यह है कि बिजली आ कम और जा अधिक रही है। जिस कारण उमशभरी गर्मी में लोगों की परेशानियां बढ़ गई है। सबसे अधिक परेशानी बीएमपी व डुमरांव फीडरों से जुड़े उपभोक्ताओं को हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि एक तरफ सरकार निर्बाध गति से बिजली आपूर्ति की दावा कर रही है तो दूसरी तरफ विभाग द्वारा कोई सुध नहीं लिया जा रहा है। जिससे उमशभरी गर्मी में लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, लोग अब तंज भी कसने लगे है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 125 यूनिट फ्री बिजली की घोषणा कर आपूर्ति ही ठप करा दी है। इसकों लेकर सोसल मीडिया पर कई तरह के व्यंग किए जा रहे है।

### मंगराव पंचायत में लंपि का कहर, मवेशियों की मौत से हाहाकार, किसानों की चिंता बढ़ी

**राजपुर।** राजपुर प्रखंड के मंगराव पंचायत में लंपि स्किन डिजीज ने कहर बरपा दिया है। संगराव और मंगराव गांव में अब तक आधा दर्जन से ज्यादा गाय और बछड़ों की मौत हो चुकी है, जबकि दो दर्जन से अधिक पशु गंभीर रूप से बीमार हैं। लगातार हो रही मौतों ने किसानों की नींद उड़ा दी है। सबसे बड़ा संकट यह है कि घरेलू और हर्बल दवाओं के बावजूद बीमारी थमने का नाम नहीं ले रही। गांव के किसान मिथिलेश सिंह ने बताया कि सोमवार की सुबह उनकी एक बछिया की जान चली गई। वहीं रशीद अंसारी, राकेश सिंह और सोहावन सिंह के पशुओं की भी मौत हो चुकी है। मंगराव गांव के किसान पराहु राजभर, चंदन सिंह और मदन सिंह के मवेशी भी पिछले एक सप्ताह से इस बीमारी से जूझ रहे हैं। किसानों का कहना है कि बीमारी की शुरूआत तेज बुखार और पैरों की सूजन से होती है, फिर शरीर पर फोड़े जैसे घाव निकल आते हैं। धीरे-धीरे पशु खाना-पीना छोड़ देता है और अंततः दम तोड़ देता है। कई मवेशियों के पैरों में घाव बन जाने से वे चलने-फिरने में भी असमर्थ हो गए हैं। बीमारी की रोकथाम के लिए किसान होमियोपैथी दवा, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और घरेलू नुस्खों का सहारा ले रहे हैं, लेकिन यह प्रयास अब तक कारगर नहीं साबित हुए हैं। पशुपालक बताते हैं कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो उनके लिए दूध उत्पादन और जीविका दोनों पर संकट गहराएगा।

**क्या कहते हैं डॉक्टर :** भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार ने बताया कि लंपि एक खतरनाक त्वचा रोग है, जो खासकर कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले बछड़ों को तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। उन्होंने कहा कि बीमारी का लक्षण दिखते ही किसान तुरंत संपर्क करें ताकि आवश्यक दवा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा सके। मवेशी डॉक्टर ने यह भी सलाह दी कि संक्रमित पशुओं को स्वस्थ मवेशियों से अलग रखें और मच्छरों से बचाव के उपाय करें।

एनएच पर मौत बनकर खड़ी रहती है गाड़िया, ग्रामीण बोले जिम्मेदार कौन

# सड़क किनारे लापरवाही से खड़ी पिकअप से टकराई बाइक, युवक की मौके पर मौत

**केटी न्यूज/नावानगर**

राष्ट्रीय राजमार्ग-319 एक बार फिर लापरवाही से खड़ी गाड़ियों के कारण हादसे का गवाह बना। मंगलवार की शाम उसरा गांव के पास 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत ने न केवल उसके परिवार को बिखेर दिया, बल्कि सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। मृतक की पहचान सोनवर्षा थाना क्षेत्र के ब्रह्ममटोला निवासी शिवशंकर यादव उर्फ गुदानी यादव के पुत्र धर्मेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। धर्मेन्द्र मंगलवार को बाइक से जगदीशपुर से अपने गांव लौट रहा था। शाम करीब सवा चार बजे उसरा गांव के पास सड़क किनारे खड़ी एक पिकअप से उसकी बाइक जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और परिवार का इकलौता बेटा असमय काल के गाल में समा गया।

### फरार हो गया पिकअप चालक

हादसे के बाद पिकअप चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि वाहन को सड़क किनारे नियमपूर्वक खड़ा किया गया होता तो हादसा टल सकता था। कई लोगों ने बताया कि एनएच-319 पर ट्रक और पिकअप ड्राइवर अक्सर बेतरतीब ढंग से गाड़ियां खड़ी कर देते हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

### परिवार में कोहराम, गांव में मातम

धर्मेन्द्र की मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। मां-बाप बदहवास हो उठे और रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक का माहौल छा गया। ग्रामीणों का कहना है कि धर्मेन्द्र मेहनती और शांत स्वभाव का लड़का था, जिसकी मौत से पूरा गांव स्तब्ध है।

### मौके पर पहुंची पुलिस

सूचना मिलते ही सोनवर्षा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। थाना पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और पिकअप चालक की तलाश में जुट गई है।

### जिम्मेदारी तय होनी चाहिए

स्थानीय लोगों का गुस्सा सिर्फ पिकअप चालक पर नहीं, बल्कि प्रशासन पर भी है। उनका कहना है कि सड़क किनारे खड़े वाहनों पर न तो पुलिस सख्ती करती है और न ही परिवहन विभाग की ओर से कोई कार्रवाई होती है। नतीजतन इस तरह की जानलेवा घटनाएं आम हो चुकी हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोजाना हजारों गाड़ियां गुजरती हैं, तो सड़क किनारे लापरवाही से खड़े वाहनों की जांच क्यों नहीं होती।

### सुरक्षा इंतजामों की कमी

विशेषज्ञ बताते हैं कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात-दिन गाड़ियों की तेज रफ्तार आवाजाही होती है। ऐसे में सड़क किनारे बिना इंडिकेटर या सुरक्षा संकेतक लगाए वाहन खड़ा कर देना, सीधे-सीधे दुर्घटनाओं को न्योता देना है। दुर्घटना में धर्मेन्द्र की मौत प्रशासनिक लापरवाही और ड्राइवर की गैर-जिम्मेदारी दोनों का नतीजा है।

### जांच में जुटी पुलिस

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार पिकअप चालक की तलाश में दबिश तेज कर दी है। परिजनों और ग्रामीणों की मांग है कि न सिर्फ दोषी चालक पर कड़ी कार्रवाई हो, बल्कि एनएच-319 पर सड़क सुरक्षा व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाए, ताकि आगे किसी परिवार को इस तरह के हादसे का सामना न करना पड़े। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही आखिर कब तक निर्दोष लोगों की जान लेती रहेगी।

# बगैर प्राक्लन का बोर्ड लगाए धड़ल्ले से हो रहा पीसीसी रोड का निर्माण

**केटी न्यूज/डुमरांव**

नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत सैकड़ो रोड या तो बन गए हैं, या उनमें काम लगा हुआ है। सारे नियम-कानून को ताक पर रखकर काम कराया जा रहा है। ऐसा कोई रोड नहीं जिसे बनाने से पहले प्राक्कलन का बोर्ड लगाया गया हो। इसी तरह से अनुमंडल कार्यालय और अस्पताल को जोड़ने वाली सड़क चतुरशाल गंज की है। इस रोड को पीसीसी ढलाई कर बनाया जा रहा है, इस महत्वपूर्ण सड़क बनाने में पारदर्शिता का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। चतुरशाल गंज के लोगों ने बताया की इसका प्राक्कलन बोर्ड क्यों नहीं लगाया गया है, तो उसका जवाब संवेदक द्वारा नहीं दिया गया, जिससे लोगों में गुणवत्तापूर्ण कार्य होने में शक होने लगा है। इस रोड को विभागीय कराया जा रहा है, विभागीय कार्य 15 लाख से नीचे कराया जा सकता है। इस रोड को दो योजनाओं से बनाया जा रहा है, या सिंगल किसी को कुछ जानकारी नहीं है। गोशाला रोड के लोगों का कहना है कि इस सड़क पर भारी पुलिस वाहन से लेकिर आम वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। ढलाई का रोड पहले से भी बना हुआ है, लेकिन वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण इसकी चौड़ाई बढ़ानी जरूरी हो गई थी। ऐसे में रोड का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस चौड़ीकरण में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा गया है, जिससे आम लोगों में काफी आक्रोश है।

# जीविका द्वारा कोरानसराय में आयोजित आम सभा में दिखा आत्मनिर्भर बनने का जज्बा

**केटी न्यूज/डुमराव**

कोरानसराय पंचायत सरकार भवन परिसर आज महिलाओं की आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का गवाह बना। गगन जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति की दूसरी आम सभा का आयोजन यहां धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समिति की अध्यक्ष रोहिणी देवी और प्रखंड परियोजना प्रबंधक अखिलेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर समिति की सचिव निशा बेगम ने वार्षिक प्रतिवेदन और आर्थिक लेखा-जोखा विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बीते वर्ष की उपलब्धियों के साथ चुनौतियों का भी उल्लेख किया। अध्यक्ष रोहिणी देवी ने आगामी वर्ष की कार्य योजना पर चर्चा करते हुए कहा कि समिति महिलाओं को और अधिक आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समूह की हर सदस्य को योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। सभा का खास आकर्षण रहाकृउन जीविका कैडरों का सम्मान, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट कार्य से मिसाल कायम की है। पुरस्कार पाने वालों में एमआरपी पूजा कुमारी, बुक कीपर रानी व रंजीत, सीएम कल्पना देवी, ऋतुराज कुमारी, रिंकू कुमारी, अंकिता कुमारी, रीना देवी, रानी देवी, रूबी कुमारी और सुनीता देवी शामिल रहीं। इस अवसर पर जिला प्रतिनिधि एवं प्रशिक्षण अधिकारी रोहित कुमार, जीवकोपार्जन विशेषज्ञ बलबीर सिंह, एफपीसी के कार्यपालक अधिकारी नीतीश कुमार और क्षेत्रीय समन्वयक दयानंद पासवान भी मौजूद रहे। महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि अब ग्रामीण अंचल की महिलाएं केवल घर-परिवार तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक स्वावलंबन की राह पर मजबूती से कदम बढ़ा चुकी हैं।

# होल्डिंग टैक्स को लेकर चल रहा धरना प्रशासन के पहल पर दूसरे दिन हुआ समाप्त

- -26 सितंबर तक मांगे पूरी करने का आश्वासन, वरना 27 से फिर शुरू होगा धरना

**केटी न्यूज/डुमरांव**

बढ़े होल्डिंग टैक्स को लेकर दो दिनों से नगर भवन परिसर में चल रहे धरने का समापन मंगलवार को प्रशासन के पहल पर हो गया। धरना नगर के 28 ज्वलंत समस्याओं को लेकर किया जा रहा था, जिसमें नगर के समाजिक कार्यकताओं से लेकर आम नागरिक शामिल थे। समाजिक मंच के बैनर तले हुए इस धरने ने नगर परिषद और अनुमंडल प्रशासन को हिला कर रख दिया। धरना शुरू होते ही प्रशासनिक हलचल तेज हो गई और अधिकारी बातचीत कर समाधान निकालने की कोशिश करने लगे।

मंगलवार को एसडीओ राकेश कुमार के निर्देश पर बीडीओ संदीप कुमार पांडेय और सिटी मैनेजर एस. सिन्हा धरना स्थल पहुंच उसे समाप्त करने की कोशिश में लग गए। उन्होंने आंदोलनकारियों से लगभग दो घंटे तक लंबी बातचीत की। बातचीत के दौरान समाजिक मंच के संयोजक प्रदीप शरण, लल्लू खां और अमित कुमार भी शामिल रहे। बातचीत के बाद तय हुआ कि नागरिकों की जिन मांगों को लेकर आंदोलन हो रहा है, उन्हें 26 सितंबर तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। धरनास्थल पर हुई सहमति के बाद आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय सीमा के भीतर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो 27 सितंबर से धरना पुनः शुरू कर दिया जाएगा। आंदोलनकारियों और प्रशासन के बीच हुए लिखित समझौते में यह भी तय हुआ कि नागरिकों की सभी 28 सूत्री मांगों पर स्पष्ट जवाब दिया जाएगा। इसमें 2015 से 2025 तक का टैक्स खाता मिलान कर रिपोर्ट सौंपना, इलाहाबाद बैंक के पास जर्जर सड़क की मरम्मत, शहरी बस्तियों में नाला और सड़कों का निर्माण जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। समझौते की शर्तों में यह भी शामिल है कि होल्डिंग टैक्स की बढ़ोतरी की समीक्षा की जाएगी और नगर परिषद बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णयों की प्रतिलिपि उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही दैनिक वेतन कर्मियों और लेखपाल से संबंधित आदेशों की कॉपी भी मांगने वालों को दी जाएगी। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने प्रशासन के आश्वासन को देखते हुए फिलहाल आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि यह सिर्फ अस्थायी समझौता है। यदि 26 सितंबर तक कोई ठोस पहल नहीं हुई तो 27 सितंबर से आंदोलन पहले से भी व्यापक स्तर पर होगा। धरना और समझौते के इस पूरे घटनाक्रम में लाजपत सिंह, अजय प्रताप सिंह, भरत प्रसाद, दिलीप प्रसाद, अमरनाथ केसरी, ग्रामीन हजारी समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे। प्रशासन अब इस चुनौती के सामने है कि तय सीमा तक कार्यवाही कर अपनी विश्वसनीयता बचाए। शहरवासी इंतजार कर रहे हैं कि क्या 26 सितंबर तक वादे पूरे होंगे या 27 से फिर बजेगा आंदोलन का बिगुल।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

एकौनी जैसे छोटे गांव से 2.75 करोड़ की हेरोइन बरामद होने से उठ रहे कई सवाल

# बक्सर बन चुका है हेरोइन तस्करी का गढ़, पुलिस की कार्रवाई से खुला नेटवर्क की गहराई

■ जानकार बोले- जिले में गहरी जड़ें जमा चुका है नशे का कारोबार

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर दो ताबड़तोड़ कार्रवाइयों में 2 किलो 540.6 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.75 करोड़ रुपये आंकी गई है। पांच तस्कर गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें पिता-पुत्र और पति-पत्नी तक शामिल हैं। कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह महज

शुरूआत है, पूरे नेटवर्क का सफाया अभी बाकी है।

सूत्रों का कहना है कि बक्सर सदर व डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में नशे का नेटवर्क बहुत मजबूत है। एकौनी जैसे छोटे से गांव से करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी इस बात का सबूत है कि तस्करों की जड़ें गांव-गांव तक फैल चुकी हैं। पुलिस ने एकौनी निवासी कुख्यात तस्कर नारायण उपाध्याय और उसकी पत्नी को रंगे हाथ पकड़ा। यह पहला मौका है जब नारायण सीधे घर से पकड़ा गया है। लंबे समय से वह पुलिस रडार पर था, लेकिन हर बार बच निकलता था तथा पकड़ा भी गया तो रेल पुलिस के हाथों या दूसरे जगहों से।

### पुलिस की कार्रवाई और समाज की चिंता

डुमरांव व कोरानसराय थाना क्षेत्र की इन छापेमारियों में सिर्फ नशा ही नहीं, बल्कि उसका पूरा तंत्र उजागर हुआ है। पैकिंग सामग्री, तराजू, नकदी और गाड़ियां भी जब्त की गईं। फिर भी सवाल बना हुआ है कि क्या केवल पांच गिरफ्तारी से नेटवर्क खत्म हो जाएगा। जानकार मानते हैं कि कई बड़े तस्कर अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। बता दें कि नशे के इस कारोबार ने बक्सर में कई परिवारों को उजाड़ दिया है। असमय मौतें, विधवा हो चुकी महिलाएं और बर्बाद हो रहे घर इस बात के गवाह हैं कि हेरोइन का धंधा सिर्फ पुलिस-प्रशासन की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक संकट बन चुका है। यही कारण है कि स्थानीय स्तर पर इस धंधे के खिलाफ गहरा आक्रोश देखा जा रहा है।

### उम्मीदें और चुनौती

*पुलिस की इस सफलता के बाद आम लोग उम्मीद कर रहे हैं कि अब पूरे नेटवर्क पर शिकंजा कसेगा। युवाओं को नशे के जाल से बाहर निकालने और समाज को फिर से पटरी पर लाने के लिए जरूरी है कि गिरफ्तारी के साथ-साथ अदालत में पुख्ता सबूत पेश कर तस्करों को सख्त सजा दिलाई जाए। तभी बर्बाद हो रहे घरों में फिर से रौनक लौट सकती है।*

जांच रिपोर्ट ने बताया चयन नियमविरुद्ध, जिलाधिकारी के फैसले पर टिकी निगाहें

# बक्सर शिक्षा विभाग में बेंच-डेस्क घोटाले की गूंज विधानसभा तक, एजेंसियों की लूट पर उठे सवाल

■ सदर विधायक मुन्ना तिवारी के प्रतिहस्ताक्षरित याचिका के बाद जांच के मिले है निर्देश, पटना प्रमंडल के उप निदेशक ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से मांगा है जांच प्रतिवेदन, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

■ बेंच-डेस्क घोटाले पर मौन साधे है बक्सर का शिक्षा विभाग

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर शिक्षा विभाग में एजेंसियों की मिलीभगत से हुई कथित लूट-खसोट और अनियमितताओं की गूंज अब बिहार विधानसभा तक पहुंच गई है। बक्सर सदर विधानसभा के विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी के प्रतिहस्ताक्षरित याचिका जिसे बक्सर के ही गणेश यादव, मो. अकबर आदि ने इस मुद्दे को सदन में जोर-शोर से उठाते हुए कहा कि असैनिक कार्यों और बेंच-डेस्क की खरीद में विद्यालय शिक्षा समिति को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों ने चुनिंदा एजेंसियों के माध्यम से खरीद कर नियमों और मानकों को ताक पर रखकर सरकारी राशि की खुली बंदरबांट की है। विधायक तिवारी ने विधानसभा में इस गंभीर विषय को उठाते हुए कहा था कि विभागीय अधिकारियों और एजेंसियों की मिलीभगत से भारी पैमाने पर घोटाला किया गया है। उनकी आपत्ति के बाद बिहार सरकार के शिक्षा विभाग (प्राथमिक शिक्षा निदेशालय) ने पूरे मामले पर गंभीरता दिखाते हुए 11 अगस्त 2025 को पत्र जारी कर बक्सर शिक्षा विभाग से जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का आदेश दिया। इस संबंध में क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, पटना प्रमंडल ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, बक्सर से विस्तृत जवाब एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने को कहा है।

### ईटाढ़ी प्रखंड में दर्ज हुई एफआईआर

गौरतलब है कि बक्सर जिले के ईटाढ़ी प्रखंड में बेंच-डेस्क आपूर्ति में गड़बड़ी को लेकर पहले ही दो कार्य एजेंसियों पर एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। आरोप है कि एजेंसियों ने अत्यंत घटिया स्तर का बेंच-डेस्क आपूर्ति किया। इन बेंच-डेस्क की हालत इतनी खराब है कि कुछ ही महीनों में टूट-फूट शुरू हो गई, जिससे छात्रों को पढ़ाई में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

### जांच तक ही सीमित रहेगा या होगी कार्रवाई

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या यह मामला महज कागजी जांच तक ही सीमित रह जाएगा या फिर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बीते कई वर्षों से शिक्षा विभाग में विभिन्न योजनाओं और खरीद प्रक्रियाओं में गड़बड़ी की शिकायतें उठती रही हैं, लेकिन हर बार जांच के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इस बार विधानसभा से लेकर शिक्षा विभाग के शीर्ष स्तर तक मामला पहुंचा है, इसलिए लोगों को उम्मीद है कि कुछ ठोस कदम उठाए जाएंगे।

### छात्रों की परेशानी और जनता की उम्मीद

स्कूलों में घटिया बेंच-डेस्क के कारण छात्र मजबूरन जमीन पर बैठकर पढ़ने को विवश हो रहे हैं। कई जगह शिकायतें आने के बावजूद अब तक दोषियों पर कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई है। इस पूरे प्रकरण ने आम लोगों और अभिभावकों में भी नाराजगी बढ़ा दी है। लोग पूछ रहे हैं कि आखिर कब तक छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ होता रहेगा और कब तक शिक्षा विभाग आंख मूंदकर बैठा रहेगा।

### विभागीय अधिकारी मौन, छात्रों का भविष्य संकट में

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी साधे बैठे हैं। न तो दोषी एजेंसियों पर ठोस कार्रवाई की जा रही है और न ही दोषी अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जा रहा है। इससे साफ जाहिर होता है कि पूरा खेल विभागीय मिलीभगत से चल रहा है। विधायक ने आरोप लगाया कि यह सिर्फ वित्तीय अनियमितता नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है।

### एजेंसियों की मिलीभगत से मची लूट

सूत्रों के अनुसार, बक्सर में एजेंसियों को ठेका देने से लेकर भुगतान तक में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुई हैं। प्राथमिक विद्यालयों के लिए बेंच-डेस्क की खरीद में विद्यालय शिक्षा समिति की सहमति तक नहीं ली गई। जबकि नियम के मुताबिक, समिति की अनुमति और निगरानी में ही किसी भी प्रकार की सामग्री की खरीद होनी चाहिए थी। मगर विभागीय अधिकारियों ने मनमाने तरीके से एजेंसियों को फायदा पहुंचाया।

### अब निगाहें सरकार और विभाग पर

बक्सर शिक्षा विभाग का यह मामला अब सीधे बिहार विधानसभा और सचिव स्तर तक पहुंच चुका है। सचिव के निर्देश पर जांच प्रक्रिया शुरू तो हो गई है, लेकिन जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इस बार सचमुच दोषियों पर कार्रवाई होगी या फिर एक बार फिर जांच की फाइल ही सब कुछ दबा देगी। नतीजा साफ है कि बक्सर शिक्षा विभाग में एजेंसियों और अधिकारियों की मिलीभगत से जो लूट का खेल खेला गया है, उसने छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। अब देखना यह है कि बिहार सरकार इस गंभीर मामले पर क्या ठोस कदम उठाती है।

## एक नजर

### हीरो मोटोकॉर्प हरिद्वार में रोजगार का सुनहरा मौका

**बक्सर।** बक्सर जिले के युवा तकनीकी अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बक्सर के तत्वाधान में दिनांक 11 सितम्बर (गुरुवार) को एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट सेलेक्शन/नियोजन मेला आयोजित किया जा रहा है। इस नियोजन मेले में देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, हरिद्वार को आमंत्रित किया गया है। खास बात यह है कि कंपनी नियोक्ता द्वारा आयोजित यह सेलेक्शन प्रोसेस पूर्णतः निरूशुल्क रहेगा। ऐसे में आईटीआई (प्ज्प्) पास लड़के और लड़कियों दोनों के लिए यह रोजगार पाने का बड़ा अवसर साबित हो सकता है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बक्सर के प्राचार्य मो० मसूद रशीद ने बताया कि इच्छुक उम्मीदवारों को सुबह 10 बजे तक संस्थान के कैंपस में पहुंचना होगा। सभी प्रतिभागियों से यह अपेक्षा की गई है कि वे अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोडाटा और पासपोर्ट साइज फोटो लेकर उपस्थित हों। इस नियोजन मेले से जुड़कर न केवल बक्सर बल्कि आसपास के जिलों के युवाओं को भी रोजगार का प्लेटफॉर्म मिलेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं को सीधे कंपनी से जोड़ते हैं और उन्हें औद्योगिक क्षेत्र में अपने कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। गौरतलब है कि हीरो मोटोकॉर्प जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित होने का मतलब है न केवल स्थायी नौकरी, बल्कि करियर में बेहतर शुरूआत। संस्थान प्रशासन ने जिले के सभी आईटीआई पास उम्मीदवारों से अपील की है कि वे इस अवसर को हाथ से न जाने दें और समय पर पहुंचकर सेलेक्शन कैंप में भाग लें।

### बिजली विभाग की त्वरित कार्रवाई से लौटी रौशनी, उपभोक्ताओं ने जताया आभार

**डुमरांव।** पुराना भोजपुर चौक इलाके में अंधेरे से जूझ रहे लोगों को आखिरकार बड़ी राहत मिली है। रविवार की शाम अचानक खराब हुए ट्रांसफार्मर ने पूरे इलाके को अंधकार में डुबो दिया था। न सिर्फ घरों के कामकाज ठप हो गए, बल्कि दुकानदारों को भी भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। बिजली गुल होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई और घरों में पानी तक भरना मुश्किल हो गया। अचानक आई इस मुसीबत से स्थानीय लोग खासे परेशान थे और विभाग से त्वरित कदम उठाने की मांग कर रहे थे। शिकायत मिलते ही विद्युत विभाग की टीम हरकत में आ गई। नया भोजपुर प्रशाखा के कनीय विद्युत अभियंता (जेई) जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने खराब ट्रांसफार्मर को बदलने का काम तेजी से शुरू किया। सोमवार की देर शाम तक 200 केवीए का नया ट्रांसफार्मर मौके पर लाया गया और रातभर की मेहनत के बाद मंगलवार की सुबह उसे चालू कर दिया गया। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, सामान्यतः ऐसे मामलों में ट्रांसफार्मर बदलने में कई दिन लग जाते हैं। लेकिन इस बार विभाग की तत्परता ने सबको चौंका दिया। सिर्फ 24 घंटे में नई व्यवस्था चालू होने से क्षेत्र में फिर से रौनक लौट आई है। दुकानदारों ने राहत की सांस ली तो बच्चों की पढ़ाई भी पटरी पर लौट आई। लोगों ने विभाग की तेज कार्रवाई की जमकर सराहना की। व्यापारियों ने कहा कि लंबे समय तक अंधेरा रहने पर कारोबार पर सीधा असर पड़ता है, लेकिन विभाग की सक्रियता ने बड़ा नुकसान होने से बचा लिया। वहीं, उपभोक्ताओं ने भी कहा कि बिजली बहाली ने रोजमर्रा की परेशानियों से निजात दिलाई। इस मौके पर जेई जितेंद्र कुमार ने बताया कि भविष्य में ऐसी तकनीकी खामियों से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं। उनका कहना था कि विभाग कोशिश करेगा कि उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना न करना पड़े। तेज कार्रवाई से जहां चौक-चौराहों पर रौशनी लौटी, वहीं उपभोक्ताओं के चेहरे पर भी मुस्कान बिखर गई। अब इलाके में संतोष का माहौल है और लोग मान रहे हैं कि अगर विभाग इसी तरह सक्रिय रहे तो बिजली की समस्या अतीत की बात बन जाएगी।

## भाई ने ही तोड़ा रिश्ते का भरोसा, दोस्त संग मिलकर बहन का लाकेट चुराया

**केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म**

रिश्तों पर कलंक लगाने वाली घटना कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार खुर्द गांव में सामने आई है। यहां एक युवक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपनी ही बहन के सोने का लाकेट चोरी कर लिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब दोनों ने लाकेट स्थानीय ज्वेलरी दुकान में बेच दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भाई, उसके दोस्त और ज्वेलरी दुकानदार तीनों को गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिकी में पीड़िता बहन ने कहा है कि वह इस समय अपने पिता के घर रह रही है। सोमवार की शाम उसका सगा भाई बिटू कुमार अपने दोस्त बिरेंद्र कुमार (निवासी नोनियापुरा) के साथ आया और मौका देखकर सोने का लाकेट चुरा लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने छानबीन शुरू की। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि चोरी का लाकेट उन्होंने टुड़ीगंज स्टेशन रोड स्थित हिमांशु ज्वेलरी में बेच दिया है। इसके बाद पुलिस ज्वेलरी दुकान पर पहुंची और वहां से चोरी का लाकेट बरामद कर लिया। दुकानदार विनोद कुमार वर्मा (निवासी मठिला गांव) को भी चोरी की खरीद-फरोख्त में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष चंचल कुमार महंथा ने बताया कि तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि चोरी में शामिल भाई का दोस्त नशे का आदी है, जो अक्सर असामाजिक गतिविधियों में लिप्त रहता है। इस वारदात ने न सिर्फ बहन का गहना छीना बल्कि रिश्तों की पवित्रता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपितों के तार कहीं और आपराधिक नेटवर्क से जुड़े हैं या नहीं।

## रामपुर छात्रावास में जीविका दीदियों के शोषण का आरोप, बीडीओ से की शिकायत

■ बीपीएम और सुपरवाइजर पर गंभीर आरोप

**केटी न्यूज/केसठ**

प्रखंड क्षेत्र के रामपुर गांव स्थित एससी एसटी छात्रावास से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कार्यरत जीविका रसोईया एवं सफाई दीदियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी केसठ को सामूहिक आवेदन सौंपकर प्रखंड परियोजना प्रबंधक धर्मवीर कुमार गुप्ता और सुपरवाइजर अरविंद कुमार पर लगातार शोषण, अत्याचार और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। आवेदन में लिखा है कि बीपीएम धर्मवीर कुमार गुप्ता महिला कर्मियों के साथ गलत नीयत रखते हैं और

उन्हें हवस का शिकार बनाने का प्रयास करते हैं। इतना ही नहीं, रोजगार देने के नाम पर उनसे जबरन पैसा की वसूली भी की जाती है। दीदियों का आरोप है कि महिला रसोईया के स्थान पर जानबूझकर पुरुषों की नियुक्ति की जा रही है, जिससे पूरे कार्य संचालन में अव्यवस्था होती है। सुपरवाइजर पर आरोप है कि वे षड्यंत्र रचते हैं, झूठे आरोप लगाते हैं तथा छात्रावास की मेस सामग्री जबरन महिला कर्मियों के कक्ष में रखवाकर उन्हें चोरी का दोषी ठहराने की कोशिश करते हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख है कि बीपीएम उन दीदियों का रोजगार छीन लेते हैं जो एक वर्ष कार्य करने के बाद पुनः पैसा देने से इनकार कर देती हैं। इतना ही नहीं, जीविका अध्यक्ष को अपने इशारों पर कठपुतली की तरह काम करवाना, महिला कर्मियों से अभद्र भाषा का प्रयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर उन्हें अपमानित करना और यहां तक कि स्नान के समय भी सुपरवाइजर द्वारा अशोभनीय निगाह डालने जैसी गंभीर आरोप लगाया गया हैं। दीदियों का कहना है कि इन घटनाओं से वे मानसिक रूप से अत्यंत आहत हैं और आत्मग्लानि में जीने को विवश हो गई हैं। छात्रावास का वातावरण पूरी तरह दूषित हो चुका है। जीविका दीदियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से आग्रह किया है कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार का अन्याय दोबारा न हो। इस सनसनीखेज खुलासे ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है और अब सबकी निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

## डुमरांव में एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई सेक्टर पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक

■ मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन और मूलभूत सुविधाओं की होगी गहन जांच

**केटी न्यूज/डुमरांव**

आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में डुमराँव अनुमंडल कार्यालय कक्ष में सेक्टर पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव से जुड़ी तैयारियों को बिंदुवार समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। **संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान :** चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाने के लिए सेक्टर पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सामाजिक और साम्प्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील स्थलों की पहचान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इससे प्रशासन को समय रहते रणनीति बनाने में मदद मिलेगी।

**संप्रेषण योजना पर जोर**

हर मतदान केन्द्र से जुड़े कम से कम 10 स्थानीय व्यक्तियों का नाम, पता और मोबाइल नम्बर की सूची तैयार करने को कहा गया। इनमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, जीविका समूह की महिलाएं और अन्य प्रभावी लोग शामिल होंगे। इस डेटाबेस के जरिए प्रशासन को समय-समय पर सटीक सूचना मिल सकेगी। बैठक के अंत में एसडीओ राकेश कुमार ने सभी सेक्टर पदाधिकारियों को समयबद्ध तरीके से रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए कहा कि पारदर्शिता और निष्पक्षता से चुनाव संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

### मतदान केन्द्रों का होगा भौतिक सत्यापन

बैठक में एसडीओ ने स्पष्ट कहा कि सभी सेक्टर पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन करेंगे। साथ ही आस-पास की स्थिति का आकलन कर वैकल्पिक मार्ग की पहचान भी सुनिश्चित करेंगे ताकि किसी आपात स्थिति में मतदाताओं को कोई असुविधा न हो।

### रूट चार्ट और विधि-व्यवस्था पर नजर

निर्देश दिया गया कि मतदान केन्द्रों के चारों ओर विधि-व्यवस्था की स्थिति का अवलोकन करते हुए प्रत्येक मतदान केन्द्र का रूट चार्ट तैयार किया जाए। रूट चार्ट की मदद से मतदान दिवस पर अधिकारियों और सुरक्षा बलों की आवाजाही सुचारू होगी।

### पेयजल से लेकर दिव्यांग सुविधाओं तक की होगी जांच

मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर भी जोर दिया गया। इसमें पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश, बैठने की व्यवस्था जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया गया। एसडीओ ने कहा कि यह चुनाव आयोग की प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी हाल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## शिलान्यास पट्ट तोड़ने से सियासत गरमाई डुमरांव में विकास बनाम राजनीतिक रार

**केटी न्यूज/डुमरांव**

डुमरांव में सड़क निर्माण कार्य के शिलान्यास को लेकर राजनीति ने नया मोड़ ले लिया है। रविवार को एनएच-922 से महावीर मंदिर तक बनने वाली करीब 87.45 लाख रुपये की लागत वाली सड़क का शिलान्यास विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने किया था। परंपरागत नारियल फोड़ने और फीता काटने के बाद नगर परिषद उप सभापति विकास ठाकुर सहित कई लोग इस मौके पर मौजूद रहे। लेकिन कार्यक्रम के दो दिन बाद ही शिलापट्ट को अज्ञात तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे पूरे क्षेत्र की राजनीति में हलचल मच गई।घटना के बाद मंगलवार की सुबह विधायक सिंह ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला

बताते हुए सीधे भाजपा और सत्ता पक्ष के नेताओं को कठघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, यह केवल असामाजिक हरकत नहीं, बल्कि जनता के जनादेश का भी अपमान है। सत्ता पक्ष बिहार में लोकतंत्र को लाठी से हांकने पर उतारू हो चुका है। शिलापट्ट तोड़े जाने के बाद सैकड़ों समर्थक मौके पर जुट गए और प्रशासन से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। विधायक ने इसे पांच लाख जनता के विश्वास से खिलवाड़ करार देते हुए कहा कि संविधान ने हर निर्वाचित प्रतिनिधि को विकास कार्य कराने का अधिकार दिया है। ऐसे में किसी तरह की तोड़फोड़ असंवैधानिक और जनता के हितों के खिलाफ है। वहीं विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं ने इस घटना को सत्ता पक्ष की हताशा बताया है।

### राधा रमेश बालिका विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

## काराकाट विद्यालय के असहाय बेटी लवली को भाजपा नेता डॉ. मनीष ने लिया गोद

**केटी न्यूज/रोहतास**

काराकाट प्रखंड के राधा रमेश बालिका उच्च विद्यालय में मंगलवार को खेल प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम हुई आयोजित। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि काराकाट विधानसभा भाजपा नेता सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने दीप प्रज्वलित कर फीता काट किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मनीष रंजन को विद्यालय परिवार के साथ प्रभारी प्राचार्य भरत सिंह ने फूल माला पहनाते हुए अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती हुए विद्यालय की सैकड़ों छात्राओं ने विभिन्न खेलों के साथ संगीत कला में भाग लेते हुए प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त किया। जिन्हें विद्यालय प्रभारी प्राचार्य भरत सिंह और मुख्य अतिथि भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन के द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने कार्यक्रम समारोह को संबोधित करते हुए मानवता का मिसाल कायम करते हुए मंच से एक बेटी के भविष्य हित में अहम घोषणा किया। जिसके तहत उन्होंने विद्यालय के वर्ग नवम की छात्रा लवली कुमारी को नृत्य कला के क्षेत्र ऊंचे शिखर पर पहुंचे में हर संभव मदद करने का मंच से घोषणा किया। इसके प्रति जोन्ही गांव निवासी अनिल चंद्रवंशी ने अपने बेटी लवली को गोद लेने के लिए डॉ. मनीष रंजन का आभार व्यक्त किया। दूसरी तरफ डॉ. मनीष ने कहा कि छात्रों के जीवन में शिक्षा का महत्व व्यक्तिगत विकास से लेकर सामाजिक और आर्थिक समृद्धि तक फैला हुआ है। जो छात्र जीवन में ज्ञान,बेहतर सोच और आत्मविश्वास प्रदान करती है। जबकि शिक्षा गरीबी और असमानता को कम कर नैतिक मूल्यों का निर्माण करती है। जो राष्ट्र के आर्थिक व सामाजिक विकास में योगदान करती है। मौके पर सुरेश तिवारी, कामेश्वर सिंह, शिवकुमार सिंह, अंजनी सिंह, बलवंत सिंह, बबन सिंह, हरेंद्र हरियाली, सुनील सिंह, दिनेश सिंह, लल्लू सिंह, गुड़न सिंह, अजीत, विवेक, ओम प्रकाश व छात्रा सोनाली, आकांक्षा, प्रियांशु, सोनी, मंजू, गुड़िया सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मी मौजूद थे।

# अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रहे दूसरे ट्रक चालक को कुचला मौत

- **कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी मोड़ के समीप मंगलवार की सुबह घटी घटना**

**केटी न्यूज/आरा**

आरा-पटना नेशनल हाईवे पर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी मोड़ के समीप अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रहे दूसरे ट्रक चालक को रौंद दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था की ट्रक चालक का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना को लेकर आसपास की इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। वहीं स्थानीय लोगों के सहयोग से ट्रक चालक को पकड़ लिया गया। सूचना पाकर पुलिस फौरन घटनास्थल पर पहुंची और ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उक्त ट्रक को जब्त कर लिया।जानकारी के अनुसार मृतक (पूर्वी चंपारण) मोतिहारी जिला के बिजनेरी केसरिया थाना क्षेत्र के लाला छपरा गांव निवासी स्व.रामायण राय के 50 वर्षीय पुत्र कृष्णा राय हैं एवं वह ट्रक चालक थे। इधर, मृतक के बेटे धर्मेंद्र यादव ने बताया कि वह भी दूसरे ट्रक पर ट्रक खलासी का काम करता है। वे लोग सोमवार की दोपहर ट्रक पर बालू लोड करने के लिए मोतिहारी से संदेश थाना क्षेत्र अंतर्गत बालू घाट पर आए थे। ट्रक पर बालू लोड करने के बाद सोमवार की शाम वे लोग संदेश से वापस मोतिहारी लौट रहे थे। लौट के क्रम में मंगलवार की सुबह जब उसके पिता सकड्डी मोड़ पर ट्रक से उतरकर खाना खाने के लिए सड़क पार कर रहे थे। उसी दौरान अनियंत्रित दूसरे ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जब उसने अपने पिता के मोबाइल पर फोन किया तो कोईलवर थाना पुलिस द्वारा इस घटना की जानकारी उसे दी गई। जिसके बाद सूचना पाकर उसने इसकी सूचना अपने परिवार के सदस्यों को दी। जिसके बाद परिजन वहां पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व चार बहन में तीसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी उषा देवी व चार पुत्र धीरज यादव, आलोक यादव, धनंजय यादव एवं धर्मेंद्र यादव है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी उषा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को मारी टक्कर, एक की मौत

- **जख्मी युवक का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज**
- **उदवंतनगर थाना क्षेत्र के देवरिया गांव के समीप सोमवार की देर रात घटी घटना**

**आरा।** जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के देवरिया गांव के समीप सोमवार की देर रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक टाउन थाना क्षेत्र के धनुपरा मोहल्ला निवासी शत्रुघन बिंद का 20 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार है एवं वह मजदूर था। जबकि जख्मी उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव निवासी स्व. जय किशुन का 22 वर्षीय पुत्र मंजय मांझी है। इधर, जख्मी मंजय मांझी की पत्नी सोनिया ने बताया कि उसका पति ने सोमवार की रात बोला कि मैं छत पर सोने जा रहा हूं। इसी बीच वह अपने दोस्त सुनील कुमार के साथ बाइक से बिना कुछ कहे बेलाउर की तरफ निकल गया। उसी दौरान यह घटना घट गई। इसके बाद उदवंतनगर थाना पुलिस द्वारा इसकी सूचना मृतक के एवं जख्मी के परिजन को दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचेजिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने पांच बहन व दो भाई में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां मंजू देवी व पांच बहन प्रियंका, गुड़िया, चंदा, रीता , सोनी एवं एक भाई श्रवण कुमार है। इस घटना के बाद मृतक की मां मंजू देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## एनसीसी इकाई 5 बिहार बटालियन ने चलाया नामांकन कार्य

**केटी न्यूज/आरा**

महंत महादेवानंद महिला महाविद्यालय (आरा) में एनसीसी इकाई 5 बिहार बटालियन द्वारा सत्र 2025 का एनसीसी में नामांकन कार्य चला. इस नामांकन कार्य में प्राचार्य प्रो (डॉ) नरेंद्र प्रताप पालित उपस्थित रहे. 5 बिहार बटालियन की ओर से एस एम राकेश कुमार, प्रशांत कुमार, सूबेदार गुरमीत सिंह, फकीर सिंह व अन्य पदाधिकारी उपस्थिति थे. महिला कॉलेज के सीनियर कैडेट्स सिंकी कुमारी, अंतिमा कुमारी, कोमल कुमारी, ट्विंकल कुमारी, प्रीति कुमारी, आभा कुमारी, पलक कुमारी, रंभा कुमारी, सानिया परवीन तथा अन्य कैडेट्स सहयोग की. नामांकन कार्य में सर्वप्रथम छात्राओं की ऊंचाई देखा गया. छात्राओं का शारीरिक दक्षता परीक्षा तथा लिखित दक्षता परीक्षा ली गयी. एनसीसी के कमांडेंट ऑफिसर कर्नल पुनीत श्रीवास्तव स्वयं उपस्थित होकर छात्राओं का साक्षात्कार लिए तथा सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स का चुनाव किये. साक्षात्कार के दौरान खेल, गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे विविध विधाओं में निपुण छात्राओं का चुनाव किया गया. 90 छात्राओं ने एनसीसी के लिखित तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा दिये. कमांडेंट ऑफिसर कर्नल पुनीत श्रीवास्तव छात्राओं को एनसीसी के महत्व तथा आगे इसके उज्ज्वल कैरियर के बारे में दिशा निर्देश दिये. जीवन में अनुशासन के महत्व को बताये. प्राचार्य प्रो (डॉ) नरेंद्र प्रताप पालित ने कहा कि एनसीसी में भाग लेने से व्यावहारिक ज्ञान, बहुमूल्य जीवन कौशल और नेटवर्किंग के अवसर मिलते हैं. सी सर्टिफिकेट प्राप्त कैडेटों को सेना में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा में सीधे लाभ मिलता है. कई केंद्रीय और राज्य पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य सरकारी नौकरियों में एनसीसी कैडेटों को आरक्षण का लाभ मिलता है. महिला कॉलेज के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट (डॉ.) स्मिता कुमारी इस चयन प्रक्रिया में उपस्थित रहीं. साथ ही सभी छात्राओं का मनोबल बढ़ाई. इन्होंने कहा कि एनसीसी से शारीरिक तथा मानसिक विकास दोनों विकास होता है. काफी संख्या में छात्राओं ने पूरे जोश के साथ एनसीसी नामांकन परीक्षा दी तथा साक्षात्कार में शामिल हुईं।

## ई-रिक्शा चोर को लोगों दबोच पुलिस को सौंपा

**दिनारा ।** दिनारा बाजार समिति के समीप एक निजी मकान के सामने खड़े ई-रिक्शा को चोरी कर भाग रहे चोर को स्थानीय लोगों ने मौके पर ही दबोच लिया और पुलिस को सौंप दिया । घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस चिन्हित स्थल पर पहुंची और चोरी किए हुए ई-रिक्शा के साथ चोर को अपनी गिरफ्त में ले लिया । गिरफ्तार आरोपी की पहचान भानस थाना क्षेत्र के डिहरा निवासी अवध बिहारी सिंह के पुत्र श्याम नारायण कुमार के रूप में हुई है । थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार चोर के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है । जांच पूरी होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया । साथ ही चोरी का ई-रिक्शा भी पुलिस ने बरामद कर लिया है । बाजार में अचानक हुई इस कार्रवाई के बाद लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की और आमजन से भी अपील की कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें ।

## भोजपुर में महिला की पीट-पीटकर हत्या, मायके वालों ने पति एवं सास पर करने का लगाया आरोप

- **शाहपुर थाना क्षेत्र के गडडाड़ गांव में सोमवार की रात घटी घटना**

**केटी न्यूज/आरा**

जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के गडडाड़ गांव में सोमवार की रात एक महिला की हत्या कर दी गई। घटना को लेकर गांव में आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वहीं मायके वालों द्वारा उसके पति एवं सास पर उसे मारपीट कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतका शाहपुर थाना क्षेत्र के गडडाड़ गांव निवासी मुकेश भट्ट की 30 वर्षीया पत्नी पुष्पा देवी है। इधर मृतका की बहन से दूरभाष पर बात करने पर उनके द्वारा बताया गया कि उसकी शादी वर्ष 2015 में हुई थी। लेकिन उसके पति एवं सास द्वारा घरेलू विवाद को लेकर बराबर किसी न किसी बात को लेकर उसे मारपीट किया जाता था और प्रताड़ित किया जाता था। सोमवार की रात अचानक फोन से उन्हें सूचना मिली कि उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर मायके वाले वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। इसके पश्चात स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वहीं दूसरी तरफ मृतका की बहन ने उसके पति मुकेश भट्ट एवं सास गंगोजला देवी पर घरेलू विवाद को लेकर मारपीट कर उसे करने का आरोप लगाया है। वहीं शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मृतका के परिवार वालों द्वारा आवेदन देने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि मृतका अपने दो भाई व दो बहन में दूसरे स्थान पर थी। उसके परिवार में मां धर्मशिला देवी व एक पुत्र ऋतिक एवं एक पुत्री माही है। इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## नारायण वर्ल्ड स्कूल के मेजबानी में कबड्डी खिलाड़ी बिहार में मचाएंगे धमाल

**केटी न्यूज/रोहतास**

**सासाराम।** जिले के जमुहार स्थित नारायण वर्ल्ड स्कूल के अतिथि में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय खेल परिसर में आगामी 13 सितंबर से शुरू हो रहे सीबीएसई राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता को लेकर हुई बैठक। आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान के आयोजकों ने इस राष्ट्रीय आयोजन से संबंधित तैयारियों तथा विशेष बिंदुओं पर प्रेस को अवगत कराया। आयोजकों ने कहा कि पहला पंगा बिहार से ट्रेंडिंग हैशटैग और देखअ् जिगरा जमुहार के पंच लाइन पर 20 क्लस्टरों के 14,17 तथा 19 आयु वर्गों के तीन श्रेणियों में विभक्त सीबीएसई खेलों के इस राष्ट्रीय आयोजन में तीस हजार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सीबीएसई स्कूलों के 850 से अधिक कबड्डी के सितारे शिरकत करेंगे। देश केतमाम राज्यों से प्रतिभाग करने आ रहे खिलाड़ियों की मौजूदगी से नारायण वर्ल्ड स्कूल तथा गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय परिसर भारत दर्शन की अनोखी लालिमा प्रकाशित करेगा। अंतरराष्ट्रीय स्थानों में आबुधाबी तथा कुवैत की टीमों के प्रतिभाग की सरगर्मी से स्थानीय टीमें काफी उत्साहित हैं।कार्यक्रम सारिणी के अनुसार 12 सितंबर की संध्या चार बजे से प्रस्तावित स्वागत सह सांस्कृतिक कार्यक्रम में 50 से अधिक सीबीएसई द्वारा नामित रेफरी तथा लगभग 150 से अधिक कोच सह टीम मैनेजरों के साथ सभी प्रतिभागी खिलाड़ी अपनी औपचारिक उपस्थिति दर्ज करा लेंगे। जो 13 सितंबर सुबह 7 बजे से मशाल प्रज्वलन सह मार्च पास्ट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा सीबीएसई अधिकारियों की उपस्थिति में इस राष्ट्रीय खेल का औपचारिक उद्घाटन किया जाना सुनिश्चित है। इस आयोजन के उपरांत कबड्डी की प्रतियोगिता शुरू हो जाएगी। 17 सितंबर के दोपहर 3 बजे तक इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता को पूर्ण कर लिया जाएगा जिसके उपरांत संध्या 4 बजे से विजेता एवं उपविजेता टीमों को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के मंच से उन्हें पुरस्कृत कर मुख्य अतिथि द्वारा सभी का शिष्ट अभिनंदन के साथ उन्हें विदा किया जाएगा। बिहार की इस प्रथम मेजबानी को खिलाड़ियों के दृष्टिकोण से यादगार बनाने के लिए मेजबान संस्थान नारायण वर्ल्ड स्कूल ने विशेष ध्यान रखते हुए सासाराम एवं डिहरी रेलवे स्टेशन पर विद्यालय की विशेष प्रतिनिधि मंडल को 24 घंटों की तैनाती के साथ जिम्मेदारी दे रखी है। खिलाड़ियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए विद्यालय द्वारा सुरक्षित वाहन व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। प्रेस वार्ता में शामिल मेजबान संस्थान की ओरसे आशा व्यक्त करते हुए, संस्थान के सचिव गोविन्द नारायण सिंह ने सभी से इस मेजबानी को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान इस आयोजन और बिहार में इसकी प्रथम मेजबानी का एक निमित्त सहायक मात्र है और जब पूरा बिहार और विशेषकर जमुहार इसकी अगुवाई में शामिल हो जाएगा तभी ह्देखअ् जिगरा जमुहार केह्न इस भूमिका का भाव स्पष्ट होगा। वार्ता में उपस्थित विद्यालय की निदेशक डॉ मोनिका सिंह, एन एम सी एच के प्रबंध निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने संयुक्त रूप से इस मेजबानी को लेकर तैयारियों की विस्तृत रूपरेखा साझा की और इसके सफल आयोजन हेतु सभी की सहभागिता निवेदित की। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य उपांशु कुमार सिन्हा, नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के महाप्रबंधक संचालन उपेन्द्र कुमार सिंह, सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी भूपेन्द्र नारायण सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

## एक नजर

### आपसी रंजिश में हुई मारपीट में होमगार्ड की स्थिति नाजुक, एक गिरफ्तार

**संझौली ।** थाना क्षेत्र के सोनी गांव में सोमवार देर शाम को आपसी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट में महिला सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को लोगों ने उपचार के लिए पीएचसी में भर्ती कराया। वहीं सेवानिवृत्त होमगार्ड को उनके परिजन एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर उपचार के लिए घायल को वाराणस रेफर कर दिया। सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और घटना की विस्तृत जांच पड़ताल की। वहीं मारपीट को लेकर मंगलवार को सोनी गांव निवासी हरिलाल कुमार ने थाना में आवेदन देकर छ लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। और इस मामले में त्वरित करवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार भी कर लिया है। घायल व्यक्तियों में सेवानिवृत्त होमगार्ड 60 वर्षीय लोकनाथ सिंह, 35 वर्षीय अरविंद कुमार, 22 वर्षीय प्रदीप कुमार, 44 वर्षीय रामजी सिंह और 35 वर्षीय महिला प्रमिला देवी शामिल है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि आपसी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों के बीच किसी बात लेकर लेकर तू-तू मैं-मैं होते-होते दोनों पक्षों की ओर से लाठी डंडे चलने लगे और मारपीट में तब्दील हो गया। जिसमें सेवानिवृत्त होमगार्ड गंभीर रूप से घायल हो गए। इस संबंध में थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि सोनी गांव निवासी हरीलाल कुमार द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आवेदक ने महिला सहित 6 लोगों को अभियुक्त बनाया है। सभी सोनी गांव के ही निवासी है। इस मामले में अब तक एक अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई है। अन्य पांच अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

### समतामूलक संग्राम दल के प्रखंड अध्यक्ष बनें शिवराज बैठा

**नौहट्टा ।** समतामूलक संग्राम दल के नौहट्टा प्रखंड अध्यक्ष बने शिवराज बैठा। जिलाध्यक्ष परमहंस कुमार के द्वारा शिवराम बैठा को नौहट्टा प्रखंड के अध्यक्ष बनाय गया। जिस पर खुशी व्यक्त करते हुए शिवराज ने कहा कि समतामूलक संग्राम दल के संगठन को मजबूत करते हुए पार्टी को मजबूत करेंगे। साथ ही अपने पद को गरिमा में रखकर सुचारू रूप से चलने का काम करेंगे। अवसर पर इंजिनियर राहुल कुमार प्रदेश सचिव एवं रोहतास जिला एवं कैमूर जिला प्रभारी प्रेम प्रकाश चंद्रवंशी, गोरख कुमार,जय प्रकाश चंद्रवंशी, गोपाल, सत्यनारायण चंद्रवंशी, मोहित कुमार, धीरज कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने उन्हें बधाई दी।

### पूर्वजों को भूलने वाला समाज कभी नहीं होता है समृद्ध : हरिशरण

**विक्रमगंज ।** नगर के वार्ड संख्या 21 धारूपुर निवासी आचार्य हरिशरण दुबे ने पितृपक्ष पर ऐसा संदेश दिया है, जिसने नगरवासियों को झकझोर दिया। उन्होंने दो-टूक में कहा कि आज लोग दिखावे की भक्ति और आधुनिकता के नाम पर पितरों का तर्पण,श्राद्ध और पिंडदान भूल रहे हैं। यह भूल नहीं,यह आत्मघात है। पूर्वजों को भूलने वाला समाज कभी समृद्ध नहीं हो सकता। आचार्य दुबे ने कहा कि पितरों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म और सच्चा तप है। जो संतान अपने पूर्वजों का ऋण नहीं चुकाती,वह चाहे करोड़ों की संपत्ति क्यों न बना ले,उसके जीवन से चैन और परिवार से शांति छिन जाएगी उन्होंने आगे कहा कि श्राद्ध और तर्पण कोई अंधविश्वास नहीं,बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की वह कड़ी है जो पीढ़ियों को जोड़ती है। एक लोटा जल पितरों के नाम अर्पित करने से जितना पुण्य मिलता है,उतना सौ मंदिरों में आरती उतारने से भी नहीं मिलता। पितरों का आशीर्वाद ही वह शक्ति है,जो संतानों की राह के हर संकट को काटती है। युवाओं को कड़ा संदेश देते हुए आचार्य दुबे ने कहा कि नई पीढ़ी जब तक पूर्वजों का सम्मान नहीं करेगी,तब तक उसका भविष्य खोखला रहेगा। आधुनिकता की चकाचौंध में पितरों को भूलने वाले लोग वही हैं,जो अपनी जड़ों को खुद काट रहे हैं। आचार्य दुबे का यह बयान नगर में चर्चा का केंद्र बन गया है । लोग इसे केवल धार्मिक प्रवचन नहीं,बल्कि संस्कृति बचाने का बिगुल मान रहे हैं। उनके अनुसार पितृपक्ष केवल कर्मकांड नहीं बल्कि अपनी आत्मा,वंश और संस्कृति को सुरक्षित रखने का सबसे बड़ा पर्व है।

### पुत्र के लिए 14 सितंबर को मां रखेंगी जीवित्पुत्रिका व्रत

**काराकाट ।** जितिया व्रत को जीवित्पुत्रिका के नाम से भी जाना जाता है। जितिया व्रत हिंदू धर्म में बहुत खास माना जाता है। हिंदू परंपराओं के मुताबिक आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जितिया व्रत रखा जाता है। इस व्रत को पितृ पक्ष के दौरान ही महिलाएं निभाती हैं। जितिया व्रत का महत्व होता है अपने बच्चों की सुरक्षा और उनकी लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करना। ये व्रत खासकर पुत्र के साथ-साथ अपनी सारी संतानों की भलाई और लंबी उम्र के लिए भी रखा जाता है। इस बार जितिया व्रत 14 सितंबर रविवार को रखा जाएगा। माना जाता है कि इस व्रत को करने से संतान को कोई दुख-तकलीफ नहीं होती और उनकी आयु बढ़ती है । इस व्रत को पितृ पक्ष के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को ही नहीं बल्कि आश्विन शुक्ल पक्ष की अष्टमी को भी रखा जाता है। जो कि नवरात्रि काल में आती है। दोनों व्रतों का फल एक जैसा होता है। इसलिए अपनी परिवार की परंपरा के अनुसार कोई भी महिला इनमें से कोई भी व्रत रख सकती हैं । जितिया व्रत की अष्टमी तिथि 14 सितंबर को सुबह 5 बजकर 04 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 15 सितंबर को सुबह 3 बजकर 06 मिनट पर होगा । इसके साथ ही जितिया व्रत का पारण 15 सितंबर सोमवार को होगा । पंचांग के अनुसार हर साल आश्विन मास में कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पर जितिया व्रत का नहाय खाय होता है। इस बार जितिया का नहाय खाय 13 सितंबर को होगा।

### चोरों ने उड़ाया अधिवक्ता की बाइक

**विक्रमगंज ।** स्थानीय अनुमंडल कार्यालय के पास से अधिवक्ता की एक बाइक चोरी हो गई। पीड़ित अधिवक्ता सलेमपुर पोखरा निवासी संजय कुमार ने इस संबंध में स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि वे 8 सितंबर को अनुमंडल कोर्ट में कार्यालय के बाहर चहारदीवारी के पास हीरो स्प्लेंडर बाइक खड़ी करके गए थे। जब वापस लौटे तो उनकी बाइक नहीं थी।

### पुलिस ने शराब के साथ तीन बाइक किया बरामद

**नासरीगंज ।** नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पडुरी गांव स्थित सोन नदी के किनारे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाया । छापेमारी के दौरान पुलिस ने 70 लीटर देसी शराब के साथ तीन बाइक बरामद की है। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही अवैध शराब कारोबार में शामिल तस्कर मौके से भागने में सफल हो गया। थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह गुप्त सूचना के आधार पर की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई को सराहा है और उम्मीद जताई है कि ऐसी कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर रोक लगेगी।

### पुलिस ने तीन वारंटी को भेजा जेल

**विक्रमगंज ।** पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में नगर के तेंदुनी निवासी लालचंद राम,बिगनी देवी पति श्रवण पासवान एवं बलिराम राम शामिल हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध विक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से गैर-जमानती वारंट निर्गत था। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की ।

## पटना में शुक्रवार को शिक्षक अभ्यर्थियों ने एसटीइटी परीक्षा के आयोजन की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया

# TRE-4 के पहले एसटीईटी की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज, कई घायल

**एजेंसी/पटना**

पटना में शुक्रवार को शिक्षक अभ्यर्थियों ने एसटीइटी परीक्षा के आयोजन की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया, जेपी गोलंबर पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई, जिसके बाद लाठीचार्ज और भगदड़ मच गई, अभ्यर्थियों ने टीआरइ-4 से पहले एसटीइटी कराने की मांग की.ळफए-4: चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा (ळफए-4) के पहले एसटीइटी के आयोजन की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को जम कर प्रदर्शन किया. हजारों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने गांधी मैदान के जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर रोक दिया. इस दौरान कई अभ्यर्थी बैरिकेडिंग तोड़ कर आगे बढ़ने का प्रयास करने लगे. जब पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकना चाहा, तो अभ्यर्थी उनके साथ धक्का-मुक्की करने लगे. अभ्यर्थियों ने कई पुलिसकर्मियों की वर्दी पकड़ फाड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास लाठीचार्ज कर दिया. इसके बाद जेपी गोलंबर के पास भगदड़ मच गयी. प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ राहगीर भी इधर-उधर भागने लगे. कई लोग बाइक छोड़ कर साइड हो गये. लाठीचार्ज में दो अभ्यर्थियों का सिर फुट गया. वहीं, कई भगदड़ में गिर कर जख्मी हो गये. घायल साथियों को अभ्यर्थियों ने पीएमसीएच में भर्ती कराया. शिक्षक अभ्यर्थी पटना कॉलेज समेत अन्य इलाकों से सीएम हाउस का घेराव करने निकले थे. वे डाकबंगला चौराहा होते हुए सीएम हाउस जाना चाह रहे थे. पुलिस ने सभी को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर रोका. करीब एक घंटे यहां प्रदर्शन के बाद अभ्यर्थी बैरिकेडिंग तोड़ कर आगे निकले लगे. इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया. लाठीचार्ज के बाद अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे पर जुट गये. पुलिस ने यहां भी बैरिकेडिंग कर सभी को रोका. वाटर कैनन की गाड़ी बुलायी गयी. अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की होने लगी. जेपी गोलंबर पर प्रदर्शन के बीच मुख्य सचिव ने पांच अभ्यर्थियों को मिलने के लिए बुलाया. इससे पहले कुछ अधिकारी उनसे बात करने पहुंचे थे. अभ्यर्थियों के हाथ में ह्यबिहार मांगे एसटीइटीह्ल और ह्यएसटीइटी नहीं तो वोट नहींह्ल के पोस्टर थे. मुख्य सचिव से मुलाकात के बाद अभ्यर्थियों ने की मांग कि टीआरइ-4 से पहले एसटीइटी हो. इसको लेकर सीएम नीतीश ट्वीट कर जानकारी दें. अभ्यर्थियों ने कहा कि पिछले दो साल से एसटीइटी नहीं हुआ है. वहीं, सरकार ने वादा किया था कि साल में दो बार एसटीइटी होगा. एसटीइटी नहीं होने से टीआरइ में शामिल होने से दो लाख अभ्यर्थी वंचित रह जायेंगे. आचार संहिता लगने के बाद कुछ नहीं हो पायेगा. सीएम से हमारा निवेदन है कि हमारी मांग को पूरा करें. कई अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्होंने सीटीइटी और बीएड जैसे कोर्स पूरे कर लिये हैं, लेकिन एसटीइटी के बिना वे आवेदन नहीं कर सकते. एक अभ्यर्थी राहुल ने कहा कि बिहार में एसटीइटी दो साल से नहीं हुआ है. 15 सालों से लाइब्रेरियन की परीक्षा नहीं हुई है. लाठीचार्ज के दौरान एक दारोगा जमीन पर गिरे एक अभ्यर्थी को लात से पिटाई कर रहा है. वह बार-बार उठने की कोशिश करता है, जिसके बाद फिर से उसे दारोगा जूतों से उसके शरीर पर मार कर जमीन पर गिरा दे रहा है. दारोगा का यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

## टला बड़ा रेल हादसा

# तीन डब्बे ट्रैक से उतरे, लखीसराय-किऊल रेलखंड पर आवागमन प्रभावित

**एजेंसी/पटना**

बिहार के अंदर रेल हादसे से जुड़ीं खबर निकल कर सामने आ रहा है। लखीसराय में पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर डिविजन अंतर्गत किऊल जंक्शन पर एक मालगाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। इस मालगाड़ी के तीन डब्बे ट्रैक से नीच उतर गए। इस घटना के बाद अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया है। गनीमत यह है कि कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, किऊल जंक्शन पर उस समय अफरातफरी का माहौल कायम हो गया जब एक मालगाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। इस मालगाड़ी में सीमेंट लोड था। किऊल में माल खाली कराने के लिए यार्ड में गाड़ी को ले जाया जा रहा था उसी दौरान यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद लखीसराय-किऊल रेलखंड के डाउन लाइन पर आवागमन प्रभावित हो गया। एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि यह घटना तकरीबन देर रात एक बजे हुई। मालगाड़ी के तीन डिबबे का पहिया क्षतिग्रस्त होने के चलते घटना घटी है। वहीं,जानकारी मिलने पर दानापुर डिविजन से घटनास्थल पर अधिकारी अधिकारी पहुंचे हैं और मरम्मती का कार्य जारी है। पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर डिविजन से डीआरएम सहित टेक्नीशियन दुर्घटना स्थल पर मौजूद हैं। रेलवे अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी डाउन लाइन पर आ रही थी तभी ट्रेन के बीच से ही तीन बोगी ट्रैक से नीचे हो गया।

## दो वर्ष होगी फेलोशिप की अवधि, 80000 से डेढ़ लाख रुपए तक का फैलोशिप मिलेगा

# मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना को मिली मंजूरी, आईआईएम बोधगया में होगी ट्रेनिंग

**एजेंसी/पटना**

राज्य सरकार के कार्यालयों में 121 सरकारी कर्मी मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना से लाभान्वित होंगे। आईआईएम बोधगया में ट्रेनिंग होगी, प्रमाण पत्र भी आईआईएम बोधगया से ही मिलेगा मुख्यमंत्री कार्यालय, उपमुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय, विकास आयुक्त कार्यालय, सचिवालय स्थित सभी विभागीय कार्यालय, प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय और नगर आयुक्त कार्यालयों में फेलोशिप कर सकेंगे। प्रति छात्र डेढ़ लाख सवा लाख, एक लाख और 80 हजार रुपए प्रति माह मानदेय मिलेंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। आज की बैठक में कुल 25 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि सरकारी योजनाओं के लिए गांव की तर्ज पर अब शहरों में भी लीज पर जमीन लेने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने 3303 राजस्व कर्मचारी के अतिरिक्त पदों पर होगी नियुक्तियां पद सृजन का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। 280 करोड़ की लागत से 176 थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय भी आज की बैठक में लिया गया। कैबिनेट ने सीएम की घोषणा के बाद आंगनबाड़ी सेविका सहायिका मानदेय बढ़ा दिया है। पटना शहर में बनेगा जीविका मुख्यालय भवन खर्च होंगे 73 करोड़ 66 लाख।

वहीं, इस योजना का मकसद है लोक नीति के निर्माण और क्रियान्वयन में उच्च गुणवत्ता एवं अनुभव संपन्न विशेषज्ञों को जोड़ना, ताकि बिहार की प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।

### मानदेय संरचना

**चयनित फेलोज को उनके स्तर के अनुसार 80 हजार रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह तक मानदेय दिया जाएगा।**

1.5 लाख प्रति माह
1.25 लाख प्रति माह
1 लाख प्रति माह
80 हजार प्रति माह

### कहाँ होंगे तैनात?

**फेलोज को राज्य सरकार के प्रमुख कार्यालयों में काम करने का अवसर मिलेगा, जिनमें शामिल हैं।**

मुख्यमंत्री कार्यालय
उपमुख्यमंत्री कार्यालय
मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त कार्यालय
सचिवालय स्थित विभागीय कार्यालय
प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय
नगर आयुक्त कार्यालय

# पटना मेट्रो का लो विजिबिलिटी ट्रायल सफल, तकनीकी व्यवस्था की जांच पूरी

**एजेंसी/पटना**

पटना में मेट्रो परियोजना के तहत सोमवार की शाम करीब 7:30 बजे लो विजिबिलिटी यानी कम दृश्यता की स्थिति में मेट्रो ट्रेन का विशेष ट्रायल सफलतापूर्वक किया गया। इस दौरान इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने मेट्रो संचालन से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। ट्रायल का मुख्य उद्देश्य था यह सुनिश्चित करना कि धुंध, कम रोशनी और खराब मौसम जैसी परिस्थितियों में मेट्रो ट्रेन की ब्रेकिंग सिस्टम, सिग्नलिंग व्यवस्था, हेडलाइट की क्षमता, और पटरियों पर लगे सेंसर कितनी प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं। दिन के दौरान भी दो बार मेट्रो ट्रेन का धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाकर ट्रायल किया गया, जो आईएसबीटी से मलाही पकड़ी कॉरिडोर के एक हिस्से में आयोजित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शाम के समय विजिबिलिटी कम होने पर भी मेट्रो सुचारू रूप से चलती रही और ड्राइवर को कंट्रोल सेंटर से रीयल टाइम गाइडेंस मिलता रहा। साथ ही, यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए इमरजेंसी लाइटिंग, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, और अन्य सुरक्षा उपकरणों की भी टेस्टिंग की गई। पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (पीएमआरसीएल) के अधिकारियों का कहना है कि यह ट्रायल सुरक्षा मानकों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण अभ्यास था, जिसने यह साबित किया कि मौसम की किसी भी अनिश्चितता के बावजूद मेट्रो सेवा निरंतर और सुरक्षित रूप से चलायी जा सकेगी। आगामी दिनों में ऐसे और भी ट्रायल किए जाएंगे ताकि औपचारिक उद्घाटन से पहले तकनीकी कमियों को दूर किया जा सके। मेट्रो परियोजना के समय पर पूरा होने की संभावना इससे और भी मजबूत हो गई है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस ट्रायल के अनुभव से मिली जानकारी का उपयोग करते हुए ट्रेन संचालन में और सुधार किए जाएंगे। इसके अलावा, मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा कैमरों, फायर अलार्म सिस्टम, और आपातकालीन निकासी व्यवस्थाओं की भी जांच की जा रही है, ताकि यात्रियों को हर स्थिति में सुरक्षित और सहज सेवा प्रदान की जा सके। पटना मेट्रो परियोजना को शहर की बढ़ती आबादी और यातायात समस्याओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में राजधानी पटना में ट्रैफिक जाम कम होगा और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। इस परियोजना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

# पटना साहिब गुरुद्वारा को उड़ाने की धमकी लंगर हॉल में आरडीएक्स होने का दावा

**एजेंसी/पटना**

राजधानी पटना से एक और गंभीर सुरक्षा से जुड़ी खबर सामने आई है। पटना साहिब गुरुद्वारा को ई-मेल के जरिए उड़ाने की धमकी दी गई है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह धमकी तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब, जिसे सिख धर्म के पांच तख्तों में से एक माना जाता है, को मिली है। ईमेल में दावा किया गया कि गुरुद्वारा के लंगर हॉल में आरडीएक्स छिपाया गया है।धमकी मिलने के तुरंत बाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों ने पटना पुलिस को इस संदिग्ध ई-मेल की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी (पूर्वी) परिचय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुद्वारा परिसर की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है और क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस घटना ने हाल ही में हुई एक और सुरक्षा उल्लंघन की याद दिला दी है, जब पटना सिविल कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। उस मामले में भी एक ईमेल के माध्यम से सूचना दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि कोर्ट परिसर और कोर्ट रूम में चार फ्ळक्ए्ऊबम प्लांट किए गए हैं, और जज को शुक्रवार दोपहर 2 बजे से पहले बाहर निकालने की चेतावनी दी गई थी। उस समय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कोर्ट कैंपस को खाली कराया था और जजों व स्टाफ को बाहर निकाला गया था।

## खगड़िया में बिजली गिरने से महिला की मौत

**खगड़िया।** खगड़िया के बेलदौर थाना क्षेत्र में बिजली गिरने की घटना में एक महिला की मौत हो गई है जबकि उसका पति गंभीर रूप से झुलस गया है। घटना के बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार सुबह बेलदौर थाना क्षेत्र के बेला नवाद बहियार में धान के खेत में खरपतवार हटाने के दौरान एक दंपति बिजली की चपेट में आ गया। इस हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से झुलस गए। घायल पति को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, जिले में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही थी, जिसके बीच ही यह दुखद घटना हुई है। बेलदौर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## आईएमडी ने जारी की चेतावनी

# बिहार के 25 जिलों में आज बारिश की संभावना

**एजेंसी/पटना**

बिहार में मौसम ने अब करवट ले ली है और अगले 24 घंटों में पटना सहित 25 जिलों में भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और दक्षिण ओडिशा के पास बने चक्रवाती हवाओं और मानसून की सक्रिय द्रोणिका के कारण यह मौसमी बदलाव देखने को मिल रहा है। सोमवार को पटना में हल्की बारिश हुई, जिससे तापमान में कमी आई है और हाजीपुर में सबसे ज्यादा 66.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज 25 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी बारिश के साथ मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना जताई गई है। राजधानी पटना और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश हो सकती है। इस मौसमी गतिविधि के कारण जलजमाव और बिजली गिरने की घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। खासकर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। किसानों से भी अनुरोध है कि वे खेतों में काम करने से बचें। सोमवार को बिहार के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। हाजीपुर में 66.4 मिमी बारिश के साथ सबसे ज्यादा वर्षा हुई, जबकि अररिया के रानीगंज में 55.4 मिमी, मुजफ्फरपुर के कांटी में 52.6 मिमी और नालंदा के हिसुआ में 46.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। पटना में 2.0 मिमी बारिश हुई, जिससे अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28.0 डिग्री सेल्सियस रहा। राजगीर में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बारिश से उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली लेकिन अगले 24 घंटों में मौसम काफी बिगड़ सकता है।

## सुभाषितम्

किसी को अपना बनाने के लिए हमारी सारी खूबियां भी कम पड़ जाती हैं - अज्ञात

## भारत की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा टेक्स सिस्टम

भारत की कर प्रणाली देश की आर्थिक प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन चुका है। सरकार का यह तर्क कि टैक्स वसूलना देश के विकास और जनहित के लिए आवश्यक है। यह पूरी तरह सही प्रतीत नहीं होता है। असलियत यह है कि देश का टैक्स सिस्टम ना केवल जटिल है। बल्कि हर स्तर पर केन्द्र, राज्य, स्थानीय संस्थाओं एवं शुल्क के रूप में जिस तरह से टेक्स वसूल किया जा रहा है। उससे आम आदमी परेशान हो गया है। तरह-तरह के टेक्स आम नागरिक और व्यवसायी दोनों के लिए भारी बोझ बनता जा रहा है। भारत की टैक्स प्रणाली के नियम और कानून इस तरीके से बनाए गए हैं जिससे भ्रष्टाचार बढ़ता है, सरकार के उच्च पदों पर बैठे नेता और अधिकारी कर प्रणाली का उपयोग भ्रष्टाचार और नागरिकों को दबाने के लिए करते हैं। विशेषकर मध्यम वर्ग और छोटे उद्यमी इस तंत्र की चपेट में आकर सदैव मानसिक और आर्थिक दबाव में रहते हैं। जिसके कारण उनकी कार्य क्षमता प्रभावित होती है। जीएसटी ने सभी की कमर तोड़ दी है। हाल ही में भारत की कर प्रणाली के संबंध में जो तथ्य सामने आया है, उससे स्पष्ट है, भारत में एक करोड़ रूपए कमाने वाला व्यक्ति अपने व्यवसाय या कमाई का लगभग आधे से ज्यादा कमाई को टैक्स और अन्य सरकारी शुल्क में भुगतान करना पड़ता है। भारत में यदि करोड़ रूपए कमाते हैं, तो टैक्स, जीएसटी, मेंटेनेंस, रेंट, कर्मचारी वेतन व अन्य खर्चों के बाद आपके पास बड़ी मुश्किल से मात्र 35 लाख रूपए की बचत होती है। दूसरी ओर, दुबई जैसे देशों में सरकारी कर नाममात्र के है। जिसके कारण दुबई की आर्थिक प्रगति बड़ी तेजी के साथ हो रही है। इसका लाभ वहां की सरकार और आम जनता को समान रूप से मिल रहा है। दुबई जैसे देश में जो भी काम धंधा करके कमा रहा है। उसका पूरा पैसा उसके पास रहता है। वह अपनी मनमर्जी से खर्च करता है। उस खर्च पर टेक्स या सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होने से लोग बड़ी कमाई भी करते हैं, और कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च भी करते हैं। वहां पर लोगों का स्वाभिमान और आत्मविश्वास दोनों ही बना रहता है। भारत मे वर्तमान टैक्स प्रणाली के दुष्परिणाम के कारण, भारत की उच्च कमाई वाले उद्योगपति और व्यवसायी विदेश में निवेश करने लगे हैं। जिससे देश का रोजगार और निवेश लगातार कम हो रहा है। सबसे दुखद पहलू यह है कि सरकारी कर प्रणाली आम जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि कारोबारियों से अधिक धन वसूलने के लिए डिजाइन की गई है। यहां नियम कानून कारोबारियों को दबाने और उनका शोषण करने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा बनाए जा रहे हैं। सरकार की निगाह में कमाई करने वाले व्यक्ति, संस्थान पर इनकम टैक्स के छापे, फायर एनओसी, पुलिस एवं अन्य दमनकारी उपाय शुरू हो जाते हैं। जिनकी नौकरी अथवा किराए इत्यादि से कमाई है। उनसे भी तरह-तरह के टैक्स वसूल किए जाते हैं। टैक्स वसूल करने के बाद भी उन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उल्टे सरकार के अधिकारी और कर्मचारी नियमों के बल पर उनका आर्थिक शोषण समय-समय पर करते हैं। भारत में गरीब आदमी को भी सरकारी सुविधायें नहीं मिलती है। अस्पताल से लेकर सरकारी स्कूल तक में अच्छी सुविधा पाना आम नागरिकों के लिए आज भी सपना है। वर्तमान टैक्स सिस्टम से गरीब और अमीरों के बीच खाई बढ़ती जा रही है। बड़े उद्योगपति और अमीर वर्ग जहां अपने पैसे लेकर विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। भारतीय नागरिकता छोड़कर विदेश भाग रहे हैं। वहीं आम जनता करों के बोझ से दबती जा रही है। पिछले 10 वर्षों में भारत की जनता बड़ी तेजी के साथ कर्जदार हुई है। आय से ज्यादा उसे खर्च करना पड़ रहा है। खर्च के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। इस प्रणाली ने देश के अंदरूनी आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बाधित कर केवल सरकारी तंत्र को पोषित किया है।

## चिंतन-मनन

## प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समाप्त होकर शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते हैं; क्योंकि करीब होना भी दूरी है। पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओं का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओं का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है क्योंकि उसमें कुछ खोना ही है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो। और तुम्हें यह अहसास होता है, कि वस्तुएं तुम्हारे प्रति समर्पित हैं। एक तरह का अद्वैत सध जाता है। तुम हाथ में रुपया रखे हो। रुपये की सीमा और तुम्हारी सीमा मिट गई। रुपया बाधा नहीं डालता सीमा के मिटने में और तुम्हें समर्पण करने के लिए मजबूर नहीं करता। रुपया समर्पित है। तुम जो चाहो करो, रुपया ना-नुकुर नहीं करेगा। तुम चाहे नदी में फेंक दो, तुम चाहे भिखारी को दे दो, तुम चाहे कुछ सामान खरीद लो, तुम चाहे तिजोरी में संभाल कर रखो।

# बिहार में बदलाव लाएगी राहुल-तेजस्वी की जोड़ी?

- प्रभुनाथ शुक्ल

बिहार की सियासत इस समय सबसे गर्म मुद्दा बन चुकी है। भाजपा और नीतीश जहां सत्ता को खोना नहीं चाहते हैं। वहीं राहुल और तेजस्वी उन्हें नए नजरिए की राजनीति से सत्ता से बेदखल करना चाहते हैं। सत्ता और विपक्ष में सहमात का खेल जारी है। कौन किस पर भारी पड़ता है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन बिहार के मतदाताओं पर राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा का असर पड़ता दिख रहा है। अगर ऐसा न होता तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आँखों से आँसू न निकलते। अब पीएम मोदी के आंसुओं का बिहार के वोटरों पर कितना असर पड़ता है यह देखना होगा। लेकिन राहुल -गलौज की राजनीति सभ्य लोकतंत्र के लिए दुःखद है। हमें सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए। मोदी हमारे देश के पीएम हैं, किसी भी राजनैतिक मंच से इस तरह की अमर्यादित भाषा किसी के लिए हमारे राजनीति को गिराती है।

बिहार की राजनीति में एक तरफ राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा, दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावुक अपील और मां को गाली दिए जाने पर दरभंगा की रैली में चुनावी मंच से आंखें नम हो जाना। भावनात्मक पॉलिटिक्स की तरफ साफ इशारा करती है। पीएम मोदी इमोशनल पॉलिटिक्स करते हैं। विपक्ष जिस अस्त्र से हमला करता है मोदी उसे ही अपना अचूक हथियार बना कर विपक्ष पर पलटवार करते हैं। मोदी की चुनावी पॉलिटिक्स की यह सबसे बड़ी खूबी रही है। हालांकि जिस मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई उस मंच पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव मौजूद नहीं थे। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है। मोदी ने विपक्ष पर सीधा हमला करने के लिए इसे ब्रह्मास्त्र के तौर पर प्रयोग किया। अब इसका कितना असर होगा यह चुनावी परिणाम के बाद ही दिखेगा।

बिहार की पॉलिटिक्स में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कोई जोड़ नहीं है। वह मजे हुए राजनीतिज्ञ और रणनीतिकार हैं। उनके पास जाति समूह का भारी भरकम बैंक भी है। लेकिन अब उनकी उम्र राजनीति में बाधा बनती दिखती है। लम्बे वक्त से वे राज्य के मुख्यमंत्री हैं जिसकी वजह से एंटी इनकंबेंसी दिखती है। दूसरी तरफ बिहार में पलायन, बेरोजगारी और विकास के मुद्दे जैसे आम सवाल हैं। जिस पर नीतीश सरकार की पकड़ ढीली पड़ रही है। आंतरिक तौर पर भाजपा को भी उन पर उतना भरोसा नहीं है। क्योंकि बिहार चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन मजबूती से उभरता है तो भाजपा से दोस्ती फिर आसान नहीं होगी। दूसरी तरफ उनकी अवसरवादी राजनीति से भाजपा भी सतर्क है। लेकिन चुनाव पूर्व नीतिश से रिश्तों को लेकर वह कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती।

राहुल गांधी अपनी वोट अधिकार यात्रा के जरिए सीधे जनता से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए हैं। राहुल गांधी की तरफ से चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोप से भाजपा और आयोग की मुश्किल बढ़ी है। राहुल गांधी ने जिस तरह कथित वोट चोरी के मुद्दे पर प्रस्तुत किए गए दस्तावेज पर भी बौद्धिक वर्ग अपनी तरफ से चिंतन कर रहा है। विश्वसनीय संस्था चुनाव आयोग पर इस तरह से उठाए गए सवाल भी लोकतंत्र की अहमियत और उसकी गरिमा कम करते हैं। आयोग अपनी पारदर्शिता पर कुछ भी कहे, लेकिन एक बार सवाल तो उठी गए हैं। बिहार में भारी तादात में वोटरों का मतदाता सूची से नाम गायब होना बड़ा सवाल है।

राहुल गाँधी की वोट अधिकार यात्रा युवाओं, किसानों और गरीब तबके के हक को सामने रखकर उन्हें जागरूक करने का अभियान है। राहुल का फोकस यह दिखाने पर है कि केंद्र सरकार, लोकतंत्र और संविधान को कमजोर कर रही है। बिहार में उनकी यात्रा का असर खासकर युवाओं और वंचित तबकों पर देखा जा रहा है। अब आप राहुल गांधी की यह यात्रा, वोट में कितना तब्दील हो पाएगी यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन राहुल गांधी की निडर और जमीनी पॉलिटिक्स ने एक नई बहस को जन्म दिया है और हमारे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भी सवाल उठ खड़े हुए हैं। जिस पर नए सिरे से हमें विचार करने की आवश्यकता है।

बिहार बंद की राजनीति ने सियासत को और गरमा दिया। विपक्ष ने इसे जनता की आवाज बताया, तो सत्ता पक्ष ने इसे महज राजनीतिक नाटक करार दिया। बंद का असर पटना से लेकर जिला स्तर तक देखा गया। जनता खासकर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर आक्रोशित है। लेकिन इस बंद को लेकर जनता बेहद परेशान दिखी और लोगों में बेहद आक्रोश देखा गया। जनता इस तरह की राजनीति पर भी काफी नाराज है। लोग सत्ता और विपक्ष में बंटे दिखाई दिए।

बिहार की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। लाखों युवा रोजगार की तलाश में दिल्ली, मुंबई, गुजरात और पंजाब जैसे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार की गति बेहद धीमी है। विकास की घोषणाएं तो बहुत हुईं, लेकिन जमीन पर असर नगण्य दिखा। यही कारण है कि जनता में नाराजगी बढ़ रही है। बिहार की चुनावी राजनीति पर नीतीश का जादू कितना चलेगा अभी इस पर कुछ कह पाना मुश्किल है। लेकिन नीतीश कुमार राजनीति के मजे हुए खिलाड़ी हैं उन्हें कमतर आंकना भी विपक्ष की भूल होगी।

बिहार में सीधा मुकाबला इंडिया और एनडीए गठबंधन के बीच होगा। एनडीए को भरोसा है कि बिहार में फिर मोदी और नीतीश का जादू चलेगा। लेकिन नीतीश कुमार की उम्र और तमाम सियासी मुद्दे गठबंधन की राजनीति पर प्रभाव डालेंगे। दूसरी तरफ राहुल गांधी और तेजस्वी की युवा राजनीति कि अग्नि परीक्षा भी है। लेकिन इंडिया गठबंधन में सीटों का बंटवारा भी एक बड़ा मुद्दा है। राहुल गांधी और तेजस्वी यह कैसे हल करते हैं यह उनकी राजनीतिक सूझबूझ बताएगी।

बिहार की जनता भावुक जरूर होती है, लेकिन साथ ही बेहद राजनीतिक सोच समझ भी रखती है। मोदी का रोना जनता को छू सकता है, लेकिन बेरोजगारी और पलायन जैसे मुद्दे कहीं ज्यादा गहरे असर डालते हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव युवाओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार की राजनीति फिलहाल भावना और मुद्दों की जंग बन चुकी है। एक ओर मोदी आंसुओं के जरिए सहानुभूति जुटा रहे हैं, तो दूसरी ओर राहुल गांधी वोट अधिकार यात्रा से लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ रहे हैं। अब यह कितना कारगर होगी वक्त बताएगा।

# जीएसटी को कम करने से देश की प्रगति रूक सकती है

-संजय गोस्वामी

आज सभी जी एस टी को कम करने से बहुत से लोग तारीफों के पूल बांध रहें हैं लेकिन ऐ देश की प्रगति को धीमा कर सकता है टैक्स को कर कहते हैं जो राष्ट्र के निर्माण में बेहतर करने के लिए रक्षा,शिक्षा, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान व विकास, स्वच्छता पिने के पानी को उपलब्ध कराने व खाने पिने के चिजों पर सब्सिडी उपलब्ध कराने बाल कल्याण योजनाओं को चलाने व अन्य सामरिक संस्थानों को मदद करने के लिए आपदाओं से निपटने व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योजनाओं को चलाने के लिए तरह-तरह के कर लगातीं हैं। कर प्रायः धन (ङ्खल्ली८) के रूप में लगाया जाता है किन्तु यह धन के तुल्य श्रम के रूप में भी लगाया जा सकता है। कर दो तरह के हो सकते हैं - प्रत्यक्ष कर (ड्डशिञ्च३ ३७) या अप्रत्यक्ष कर (ह्ल्लड्डशिञ्च३ ३७)। प्रत्यक्ष कर वह कर यानि टैक्स है जो सीधे उन लोगों से एकत्र किया जाता है जो इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं, जैसे कि आयकर, संपत्ति कर, संपत्ति कर आदि, जबकि एक अप्रत्यक्ष कर वह होता है जिसे आप जब भी कुछ सामान खरीदते हैं या कुछ सेवाओं का उपयोग करते हैं तो आप भुगतान करते हैं। अप्रत्यक्ष करों में मूल्य वर्धित कर (वैट), बिक्री कर, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क आदि शामिल हो सकते हैंएक तरफ इसे जनता पर बोझ के रूप में देखा जा सकता है वहीं इसे सरकार को चलाने के लिये आधारभूत आवश्यकता के रूप में भी समझा जा सकता है।जीएसटी आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, सरकारी राजस्व बढ़ाता है और निमार्ताओं पर कर का बोझ कम करता है, उत्पादन क्षमता को प्रोत्साहित करता है और भारत की राजकोषीय स्थिति को लगातार मजबूत करता है और अप्रत्यक्ष कराधान को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाता है। 2024-25 में, जीएसटी ने ?22.08 लाख करोड़ का अपना अब तक का उच्चतम सकल संग्रह दर्ज किया, जो साल-दर-साल 9.4 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। औसत मासिक संग्रह ?1.84 लाख करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष (ऋ) 2025-26 के लिए भारत का रक्षा बजट ?6,81,210.27 करोड़ है, जो पिछले वर्ष से 9.5% की वृद्धि है, जिसका उद्देश्य सैन्य आधुनिकीकरण को बढ़ाना, घरेलू रक्षा उत्पादन को मजबूत करना और एक आत्मनिर्भर राष्ट्र का समर्थन करना है। इस आवंटन में पूंजी अधिग्रहण और आधुनिकीकरण के लिए महत्वपूर्ण धनराशि शामिल है, जिसमें आधुनिकीकरण बजट का 75% घरेलू खरीद के लिए निर्धारित है।अतः अतः आज जीडीपी को सुधारने व इकोनॉमी को पटरी पर लाने के जरुरी है सरकार के पास पैसा हो जो देश के विकास के लिए कारोबारियों से टैक्स के रुप में प्राप्त करती है वो देश की प्रगति हेतु लिया जाता है जिससे सेना का बजट,विज्ञान और टेक्नोलॉजी के विकास, गरीबों को राशन, स्वास्थ्य, बीमा, रोजगार और महिलाओ की आर्थिक स्थिति को सुधारने में लगाती है आज रक्षा अंतरिक्ष, विज्ञान और टेक्नोलॉजी में देश आत्मनिर्भर हो रहा है इसके लिए कर का महत्वपूर्ण योगदान है अतः जी एस टी को कम करना देशहित में नहीं है देश के प्रगति रक्षा और गरीबों के कल्याण हेतु कर को कम करना उचित नहीं है.कर करदाता द्वारा किया जाने वाला ऐसा अनिवार्य अंशदान है जो कि रक्षा व सामाजिक उद्देश्य जैसे आय व संपत्ति की असमानता को कम करके नए युवकों को रोजगार प्राप्त करने में सहायक होता है तथा आर्थिक स्थिरता व वृद्धि प्राप्त करने में भी सहायक होता है।वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर है जो 1 जुलाई 2017 से पहले भारत में प्रचलित कई अप्रत्यक्ष करों, जैसे वैट, सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मनोरंजन कर, चुंगी आदि का जोड़ है। यह एक व्यापक, बहुस्तरीय-आधारित कर हैः व्यापक इसलिए क्योंकि इसमें कुछ राज्य करों को छोड़कर लगभग सभी अप्रत्यक्ष कर समाहित हो गए हैं। बहुस्तरीय होने के कारण, जीएसटी उत्पादन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर लगाया जाता है, लेकिन इसका उद्देश्य अंतिम उपभोक्ता के अलावा उत्पादन के विभिन्न चरणों में सभी पक्षों को वापस करना है और एक गंतव्य-आधारित कर के रूप में, इसे उपभोग के बिंदु से एकत्र किया जाता है, न कि पिछले करों की तरह उत्पत्ति के बिंदु से।

कर संग्रह के लिए वस्तुओं और सेवाओं को पाँच अलग-अलग कर स्लैब में विभाजित किया गया हैः 0%, 5%, 18% और 40%। हालाँकि, पेट्रोलियम उत्पादों, मादक पेय पदार्थों और बिजली पर जीएसटी के तहत कर नहीं लगाया जाता है और इसके बजाय पिछली कर प्रणाली के अनुसार, अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा अलग से कर लगाया जाता है। कच्चे कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों पर 0.25% और सोने पर 3% की विशेष दर है। इसके अलावा 28% जीएसटी के ऊपर 22% का उपकर या अन्य दरें कई वस्तुओं जैसे वातित पेय, लक्जरी कारों और तंबाकू उत्पादों पर लागू होती हैं।जीएसटी से पहले, अधिकांश वस्तुओं के लिए वैधानिक कर की दर लगभग 26.5% थी; जीएसटी के बाद, अधिकांश वस्तुओं के 18% कर के दायरे में रहने की उम्मीद है समय के अनुसार जीएसटी को बढ़ना चाहिए क्योंकि इन्फेलुएशन के कारण समय बढ़ने से पैसा का इंट्रेस्ट यानि व्याज बढ़ता है अतः जीएसटी को स्थिर रखा जा सकता है लेकिन कम करना सरकारी खजाना में कमी होगा और देश के विकास के लिए कर बहुत जरुरी है।

## कश्मीरः पाक परस्त मानसिकता...!

- ओम प्रकाश मेहता

क्या कश्मीर में अभी भी पाक परस्त मानसिकता विद्यमान है? और वे दिल से पाक के साथ है, यह गंभीर सवाल आजादी के बाद से आज तक कई बार उठाया गया है, जिसके जवाब की छोटी सी झलक आज एक ताजी घटना के माध्यम से मिली। पिछले दिनों कश्मीर की जगत प्रसिद्ध हजरतबल दरगाह के पास स्थित भवन की दीवार पर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिन्ह कई सालों से अंकित था, उस पर किसी का ध्यान भी नहीं गया था, किंतु अचानक पिछले दिनों कुछ उन्मादी कश्मीरियों ने उसे पर हमला बोल दिया और उसे तोड़फोड़ कर वहां से हटा दिया, भारत के राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह का भारत में ही यह अपमान शायद पहली बार देखने को मिला, जिसने मुगल काल की याद दिला दी। फिर सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने भी इस पर आश्चर्यचार्यजनक रूप से तोड़-फोड़ करने वालों का ही पक्ष लिया और कहा कि एक धार्मिक स्थल में राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह की क्या जरूरत ? इस छोटी सी घटना ने यह उजागर कर दिया कि कश्मीरियों और वहां की सियासत में कितने प्रतिशत में भारतीय राष्ट्रीय भावना विद्यमान है। पिछले सालों में इस मसले पर कई बार कश्मीर में जनमत संग्रह किए जा चुके है और हर बार उनकी फाइनल रिपोर्ट निराशाजनक ही प्रप्त हुई है, हर बार ऐसा लगता है कि कश्मीरी दिल-दिमाग से अभी भी पाकिस्तान से ही जुड़े हुए हैं और मजबूरी वश भारतीयता स्वीकार रहें हैं, ऐसी घटनाएं हर बार ऐसी आशंका को बल प्रदान करती है ? यहां यह स्मरणीय है की आजादी और भारत के बंटवारे के बाद से अब तक लगभग 75 सालों से कश्मीरी विवाद का विषय बना हुआ है और नेहरू के साथ ही शेख अब्दुल्ला जो वहां अपने परिवार को कश्मीर की वसीयत सौंपा कर गए, वही वसीयत अभी तक विवाद का विषय बनी हुई है और पता नहीं भारत-पाक का यह सीमा विवाद और हमारी कितनी पीढ़ियों को झेलना पड़ेगा? क्योंकि आजादी के इतने सालों बाद भी कश्मीर तो ठीक भारत भर का मुस्लिम वर्ग शुद्ध भारतीय नहीं हो पाया है और वह अपने आप को भारतीयों से अलग ही मानता है, इसी भावना के कारण हमारे देश में राष्ट्रवाद धीरे-धीरे लोप होता जा रहा है और देश के अंदर कुछ घटनाएं घटित हो रही हैं जो हमारी राष्ट्रीय भावना की खामियों को उजागर करती हैं, जिसका ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश के खंडवा में घटित वह घटना है, जिसमें भगवा ध्वज पर गहरे काले रंग से इस्लाम जिंदाबाद अंकित कर देना है, आखिर ऐसी कट्टरवादी घटनाएं है क्या संकेत दे रही है? एक तरफ कश्मीर में हजरत बल दरगाह से राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह हटाना और दूसरी तरफ मिलादुन्नबी के जुलूस के तत्काल बाद खंडवा में भगवा ध्वज पर इस्लाम जिंदाबाद अंकित करना?

आखिर ऐसी घटनाएं हमारे किस भविष्य का संकेत दे रही है, यह तो यहां उल्लेख करने की जरूरत नहीं है, किंतु यह किसके हित या अहित में है? इस पर सोच-विचार व चिंतन बहुत जरूरी है।

## आज का राशिफल

- **मेष** आज कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।
- **तुला** विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।
- **वृषभ** आज व्यापार के मामले में कोई शुभ समाचार सुनने को भी मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।
- **वृश्चिक** आज आर्थिक मामलों में दिन उत्तम रहेगा और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।
- **मिथुन** कार्यक्षेत्र में अधिकारी के सहयोग से आपकी उत्तम संपत्ति प्राप्त करने की इच्छा पूर्ण हो सकती है।
- **धनु** साधनों में वृद्धि होगी और घर के जरूरत के सामान खरीदने पर भी आप कुछ पैसे खर्च कर सकते हैं।
- **कर्क** आज आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के योग हैं। अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है।
- **मकर** आज व्यवसाय के क्षेत्र में समय अनुकूल रहेगा और लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं।
- **सिंह** आज राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है।
- **कुंभ** सामान्य से कम अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या होने के संकेत हैं।
- **कन्या** सक्रिय रहने, मेहनत और लगन के साथ काम करने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।
- **मीन** बिजनेस के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कामधंधे उन्नति प्राप्त होने से आप खुश रहेंगे।

## विशेष

### नहीं हो पा रहा धार्मिक ध्रुवीकरण

बिहार के दरभंगा मे कांग्रेस के मंच से एक मुस्लिम युवक द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की मां को गाली दी गई थी राहुल गांधी और तेजस्वी के जाने के बाद जब मंच खाली पड़ा था उस समय वह युवक चढ़ा गाली देते हुए उसका वीडियो बनाया गया,तथा वायरल किया गया भाजपा को लगता था, इस वीडियो के माध्यम से बिहार में वोट चोरी के मामले को धार्मिक ध्रुवीकरण, हिंदू- मुस्लिम मैं बदलने में सफल होंगे यह पेंतरा बीजेपी के लिए उल्टा पड़ गया जब समय खराब होता है तब इसी तरीके से उल्टे परिणाम मिलने लगते हैं यह कहा जाने लगा है।

### मिलेनियम और साइबर सिटी चर्चाओं में

गुरुग्राम को मिलेनियम सिटी का दर्जा मिला हुआ है यहां पर आलीशान इमारतें और कार्पोरेट कार्यालय हैं बारिश ने जिस तरह से गुरुग्राम की असलियत सारी दुनिया को बताई है उसने मिलेनियम और साइबर सिटी की हकीकत को सामने ला दिया है 2 घंटे की बारिश में सारा गुरुग्राम घुटनों तक पानी में डूब गया लोग त्राहिमाम-त्राहिमाम करने लगे लोग कहने लगे, मिलेनियम सिटी से तो छोटी सिटी ही अच्छी है मिलेनियम सिटी, साइबर सिटी और स्मार्ट सिटी के हाल बेहाल देखकर लोग कहने लगे चलो अच्छा हुआ हमारी सिटी, स्मार्ट सिटी बनने से रह गई नहीं तो हम भी पानी में डूबे होते।

## कार्टून कोना

केरल के मंदिर में ऑपरेशन सिंदूर की रंगोली बनाने पर आरएसएस के 27 कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज

## आज का इतिहास

1585: पोप ने फ्रांस में नर्वोर के हेनरी को समाज से बहिष्कृत कर दिया. 1813: सान सेबस्तियान स्पेन पर विलिगंटन के ड्यूक के नेतृत्व में अंग्रेजों ने कब्जा किया था. 1835: फ्रांस में प्रेस सेंसर लागू किया गया. 1850: हिन्दी कवि और नाटककार भारतेंदु हरिशचंद्र का जन्म. 1881: मिस्त्र में राष्ट्रवादी विद्रोह शुरू हुआ. 1915: क्रांतिकारी जतीन्द्रनाथ मुखर्जी और उनके साथियों के साथ ब्रिटिश पुलिस का संघर्ष हुआ. 1920: अलीगढ़ का एंगनो ओरिएंटल कॉलेज विश्वविद्यालय बना. 1921: ग्वाटेमाला होंडुरास और सान साल्वाडोर ने मध्य अमरीकी यूनियन पर हस्ताक्षर किए थे. 1943: मद्रास क्षेत्र में भारतीय सेना में विद्रोह भड़काने के आरोप में चार युवकों को फांसी दी गयी. 1945: द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति पर दक्षिण कोरिया में अमरीकी फौजें पहुंची थी. 1949: हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया गया

## दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

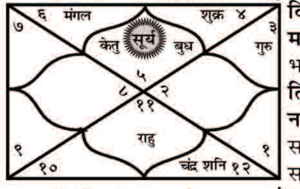


| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | सिंह में | कन्या | 06.21 बजे से |
| चंद्र | मीन में | तुला | 08.32 बजे से |
| मंगल | कन्या में | वृश्चिक | 10.47 ब.से |
| बुध | सिंह में | धनु | 13.03 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | मकर | 15.08 बजे से |
| शुक्र | कर्क में | कुंभ | 16.55 बजे से |
| शनि | मीन में | मीन | 18.27 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मेष | 19.58 बजे से |
| केतु | सिंह में | वृष | 21.38 बजे से |
| राहुकाल | | मिथुन | 23.36 बजे से |
| 3.00 से 4.30 | | कर्क | 01.50 बजे से |
| बजे तक | | सिंह | 04.06 बजे से |

2025 वर्ष का 252 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 18.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 18.07 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 23.59 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 07.53 बजे, गर 18.30 बजे तदनन्तर वणिज 05.05 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 05° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872462 **जूलियन दिन** 2460927.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 16 **विशेष** द्वितीया श्राद्ध।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 05.53 से | 07.22 बजे तक | काल | 05.42 से | 07.13 बजे तक |
| उद्वेग | 07.22 से | 08.15 बजे तक | लाभ | 07.13 से | 08.45 बजे तक |
| चर | 08.15 से | 10.19 बजे तक | उद्वेग | 08.45 से | 10.16 बजे तक |
| लाभ | 10.19 से | 11.48 बजे तक | शुभ | 10.16 से | 11.48 बजे तक |
| अमृत | 11.48 से | 01.16 बजे तक | अमृत | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| काल | 01.16 से | 02.45 बजे तक | चर | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| शुभ | 02.45 से | 04.13 बजे तक | रोग | 02.51 से | 04.22 बजे तक |
| रोग | 04.13 से | 05.42 बजे तक | काल | 04.22 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## बीएड के फर्जी प्रमाणपत्र पर शिक्षक ने की नौकरी, शिक्षा विभाग ने जारी किया नोटिस

**रांची, एजेंसी।** बीएड के फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर एक शिक्षक को नौकरी करना महंगा पड़ा है। मामला पूर्वी सिंहभूम के पोटका स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय का है। इस विद्यालय के शिक्षक बसंत कुमार गोप का बीएड का प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने के बाद जहां उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं, माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने पूर्वी सिंहभूम के डीईओ की रिपोर्ट पर उसे नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है कि क्यों नहीं सेवा मान्यता संबंधित उसके आदेश को निरस्त कर दिया जाए। इसके लिए उसे 15 दिनों का समय दिया गया है। शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण नहीं देने पर उसकी सेवा मान्यता रद की जाएगी तथा उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, 12 मार्च 2024 को कोर्ट के आदेश पर उसकी सेवा मान्यता सशर्त प्रदान की गई थी। इसके तहत उसके प्रमाणपत्रों की जांच का सत्यापन रांची विश्वविद्यालय से कराया गया, जिसमें रांची विश्वविद्यालय ने इा वर्ष तीन जून को रिपोर्ट दी कि उसका बीएड का प्रमाणपत्र रांची विश्वविद्यालय से जारी नहीं किया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय का मानना है कि उक्त शिक्षक ने फर्जी प्रमाणपत्र लेते हुए शिक्षा विभाग को गुमराह किया। यह आपराधिक कृत्य है। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में नियुक्त किए गए स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों तथा प्रयोगशाला सहायकों में कुछ अभ्यर्थी पदस्थापन के बाद भी योगदान स्कूलों में नहीं दे रहे हैं। उनके द्वारा बार-बार अवधि विस्तार करने का आवेदन माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भेजा जा रहा है, जबकि पूर्व में इनके योगदान करने की अंतिम तिथि निर्धारित कर दी गई थी। अब माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने इन्हें हर हाल में 30 सितंबर तक आवंटित स्कूलों में योगदान देने को कहा है। इन्हें अब आगे अवधि विस्तार नहीं दिया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने कहा है कि उनके द्वारा 30 सितंबर तक योगदान नहीं दिए जाने पर उनकी उम्मीदवारी रद किए जाने का निर्णय लिया जाएगा।

## आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने सीएम पर साधा निशाना, कहा-उसूल की जगह बन गई वसूली वाली सरकार

**धनबाद, एजेंसी।** आजसू पार्टी की ओर से सोमवार को गोल्फ ग्राउंड के समीप स्थित न्यू टाउन हॉल में भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया. पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो, गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो, अधिवक्ता राधेश्याम गोस्वामी जिला अध्यक्ष मंटू महतो, जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी, सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी, विनय सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे. कार्यक्रम में जिले भर से हजारों समर्थक शामिल हुए और कई नए कार्यकर्ताओं ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. जिला स्तरीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि आने वाले समय में पार्टी अपने विचारों से और अधिक समर्थकों को जोड़ने का काम करेगी. पार्टी प्रमुख सुदेश महतो ने मिलन समारोह में शामिल सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया. उन्होंने कहा कि जिला और राज्य स्तर पर कार्यकर्ताओं के योगदान से ही पार्टी मजबूत हो रही है. इस मौके पर झारखंड आंदोलन में शहीद हुए आंदोलनकारियों को याद कर मौन रखा गया और उनके संघर्षों को नमन किया गया. अपने संबोधन में सुदेश महतो ने कहा कि राज्य सरकार ऐसी है, जो कहने को तो मूल पार्टी है, जिनका इतिहास आंदोलकारी के तौर पर है. लेकिन नेतृत्व इतना खोखला कि जिसने आंदोलन के उसूल को समाप्त कर रख दिया है. उसूल की जगह वसूली वाली सरकार बना दी है. जिसके कारण एक बड़ा भटकाव झारखंडी जनमानस के अंदर दिख रहा है. एकता का घोर आभाव है. राज्य के लिए चिंतन करने का सबसे बेहतर समय है. चुनावी दौर से हम अभी कोसों दूर हैं. चुनावी दौर में लोग जालसाजी में फंस जाते हैं. जालसाजी में फंसकर अपना एक बड़ा निर्णय देकर चले जाते हैं. जिसका परिणाम लंबे समय तक लोगों को झेलना पड़ता है. वैसे लोगों को तत्काल मिलने वाली सुविधा ज़्यादा प्रभावित कर गई. दूरगामी राजनीति की समझ नहीं हो पाई.

## जनता दरबार से डीसी ने सीओ को फोन किया, तो कुछ मिनटों में ही हो गया म्यूटेशन

**रांची, एजेंसी।** दस साल पहले 'नई दिशा' के तहत नक्सली त्रिलोचन सिंह ने आत्मसमर्पण किया था। सरेंडर पालिसी के तहत सरकार ने उन्हें चार डिसिमल जमीन दी, लेकिन उनके स्वजन आजतक उस प्लाट पर कोई कार्य नहीं करा पाए थे। सोमवार को उनके भाई और उनकी पत्नी यह फरियाद लेकर जनता दरबार में पहुंचे थे। दोनों जब उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से मिलकर बाहर निकले तो उनके चेहरे खिले हुए थे। दोनों ने कहा कि डीसी साहब ने आवेदन पढ़ते ही संबंधित सीओ को फोन करके निर्देश दिया कि हमलोगों को दूसरी जगह जमीन उपलब्ध कराई जाए। यह हमारे लिए बहुत बड़ी मदद है। डीसी सहाब ने हमें मंगलवार को जनता दरबार में सीओ से मिलने को भी कहा है। इसी तरह राकेश कुमार चौधरी के मामले में डीसी ने सीओ से कहा कि सक्सेशन म्यूटेशन का मामला लेकर चौधरी आपके पास जाएंगे, फौरन इनका म्यूटेशन करिए। शिकायत मिली है कि उन्हें बार-बार अंचल कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। अपने कार्यालय की छवि मत खराब होने दीजिए। इसके कुछ मिनटों के बाद सीओ शहर ने आवेदक को फोन करके बताया कि आपका म्यूटेशन हो गया है।डीसी ने एसएसपी से पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

# आज से बदलेगा मौसम का मिजाज, वज्रपात की संभावना

**रांची, एजेंसी।** झारखंड में 10 सितंबर से मौसम में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से दोपहर बाद कई जिलों में वज्रपात, तेज हवा और हल्की-फुल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, इस बारिश से गर्मी से राहत मिलने की संभावना बहुत कम है। फिलहाल मानसून की सक्रियता कमजोर बनी हुई है।

बंगाल की खाड़ी में एक सिस्टम बन रहा है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बेहद कमजोर है और इसका असर केवल छिटपुट बारिश और गरज-चमक तक सीमित रहेगा।

गढ़वा सबसे गर्म, रांची में रातें हुई ज्यादा उमस भरी

सोमवार को राज्य का सबसे अधिक तापमान गढ़वा में 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खास बात यह रही कि रांची का न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जिससे रात के समय उमस भरी गर्मी महसूस की गई।

जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री, बोकारो में 34.3 डिग्री और दुमका में 35.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि राज्य का औसत तापमान सामान्य से करीब 2.3 डिग्री ऊपर चल रहा है।

**बंगाल की खाड़ी से बने सिस्टम पर नजर :** मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम 13 सितंबर तक सक्रिय हो सकता है, लेकिन यह बहुत कमजोर रहेगा। इसी कारण राज्य में अच्छी बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों में राज्य में औसतन एक से तीन मिलीमीटर बारिश होगी। हालांकि, गढ़वा में 11 मिलीमीटर, पलामू में सात मिलीमीटर और चतरा में 22 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज हो सकती है।

पिछले 24 घंटे में मानसून हल्के से मध्यम स्तर पर सक्रिय रहा और कई इलाकों में गरज के साथ बारिश हुई। कोडरमा के चंदवारा में सबसे अधिक 42 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

**पांच दिन तक खराब रहेगा मौसम :** भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र ने झारखंड के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। अगले पांच दिनों तक पूरे राज्य में मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान है।

इस दौरान कई जिलों में तेज हवा चलेगी, जिसकी रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा तक हो सकती है। साथ ही वज्रपात का भी खतरा बना रहेगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि इस समय मानसून टर्फ दक्षिण पाकिस्तान से लेकर पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है, जिसके असर से झारखंड में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश देखने को मिलेगी। सोमवार को सबसे अधिक तापमान 36.9 डिग्री सरायकेला में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तोरपा में दर्ज किया गया।

## सदर अस्पताल में 24 घंटे मिलेगी ये सुविधाएं, प्लान तैयार करने के निर्देश

**कोडरमा, एजेंसी।** उपायुक्त ऋतुराज ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने अस्पताल व्यवस्था को और बेहतर एवं सुचारू बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने भू-तल स्थित सभी कमरों का विस्तृत प्लान तैयार करने का निर्देश दिया।

हेल्थ मैप डायग्नोस्टिक सेंटर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने विगत छह माह में पालीवार मरीजों को दी गई सेवाओं की प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा। सदर अस्पताल का अपना अल्ट्रासाउंड सेंटर सितंबर माह में ही शुरू करने को कहा गया।

फार्मेसी एवं लैब के बीच स्थित प्रतीक्षा क्षेत्र में एक कैफेटेरिया का निर्माण कराने का निर्देश दिया गया। अस्पताल परिसर में कंट्रोल रूम का नंबर प्रदर्शित करने, इमरजेंसी वार्ड प्रवेश द्वार पर पोर्टिको एवं परिजनों के बैठने हेतु शेड का निर्माण कराने तथा अस्पताल के पीछे के क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम और बाउंड्री निर्माण कराने के निर्देश दिया।

कुपोषण उपचार केन्द्र के जर्जर भवन को दुरूस्त करने और नए कुपोषण उपचार केन्द्र भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया। शौचालयों को स्वच्छ रखने की जवाबदेही अस्पताल प्रबंधक को दी गई और प्रतिदिन साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने पैथोलॉजी एवं फार्मेसी को 24 घंटे संचालित करने का निर्देश दिया और इसे एक सप्ताह के अंदर लागू करने को कहा। इसके अतिरिक्त अस्पताल में मरीजों के लिए प्री-फैब्रिकेटेड वार्ड का निर्माण कराने का निर्देश भी दिया गया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, उपाधीक्षक डॉ. रंजीत, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार, डीपीएम महेश कुमार एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

# बगोदर में तेज रफ्तार बस ने ट्रक को मारी टक्कर, ड्राइवर और कंडक्टर घायल

**बगोदर (गिरिडीह), एजेंसी।** बगोदर थाना क्षेत्र के जीटी रोड गोपालडीह परसाटांड़ के समीप मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार बस ने अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। घटना में बस का चालक और उपचालक गंभीर रूप घायल हो गया। बताया गया कि बस गया से वापस मधुबन लौट रही थी। बस में यात्री नहीं थे। इसी दौरान 10 दिन पूर्व आग लगने की घटना में जले ट्रक से बस पीछे से टकराई। घटना से बस के परखच्चे उड़ गए।

दूसरी ओर, फेरी कर प्रतिमा बिक्री करने वाले कर्नाटक के बिदर जिला अंतर्गत मन्नाखेली थाना क्षेत्र के नागनखेला गांव निवासी लगभग 65 वर्षीय मूर्तिकार मशाकउद्दीन खवाल उर्फ मुस्ताक की मौत सोमवार रात को अज्ञात वाहन की टक्कर से हो गई। घटना गिरिडीह-टुंडी रोड पर चतरो के पास हुई।

मृतक मशाकउद्दीन के पुत्र आरिफ खवाल ने बताया कि वह लोग पीतल सिल्वर को पिघलाने के बाद सांचे में ढाल कर विभिन्न तरह की प्रतिमा व अन्य सामग्री बनाते हैं और फेरी कर बेचने का काम करते हैं। वे लोग करीब डेढ़ माह पूर्व गिरिडीह आए और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डांडीडीह में किराए के घर में रह कर कारोबार कर रहे हैं।

बताया कि सोमवार को उसके पिता फेरी कर प्रतिमा बेचने बाइक से चतरो गांव तरफ गए थे। रात को लौटते समय मुफस्सिल थाना अंतर्गत चतरो गांव के पास अज्ञात वाहन उसे टक्कर मार फरार हो गया। इस घटना में मशाकउद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया कि वह लोग भी फेरी कर लौट रहा था तो रास्ते में पिता को घायल अवस्था में सड़क पर गिरा हुआ देखा। इसके बाद उसे उठा कर इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे धनबाद रेफर कर दिया गया। धनबाद ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई।

# दक्षिण-पूर्व रेलवे में लोको पायलटों के 5163 पद रिक्त, दबाव में कर्मचारी

**जमशेदपुर, एजेंसी।** दक्षिण पूर्व रेलवे में लोको पायलटों के 5163 पद रिक्त हैं जिसके कारण कर्मचारी मानसिक व शारीरिक रूप से दबाव में काम करने को मजबूर हैं। इस संबंध में आल इंडिया रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने एक पत्र पिछले दिनों रेल महाप्रबंधक को सौंपा है जिसमें इस बात का उल्लेख है।

रेलवे भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और दक्षिण पूर्व रेलवे सहित चक्रधरपुर मंडल सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला जोन है। इसके बावजूद यहां रनिंग कर्मचारियों की स्थिति काफी चिंताजनक है जो दुर्घटनाओं को न्यौता दे रही है।

रनिंग स्टाफ एसोसिएशन का कहना है कि पूरे जोन में रनिंग स्टाफ के सभी संवर्गों में काफी रिक्तियां हैं। इसके कारण लोको व सहायक लोको पायलटों की ड्यूटी की उचित निगरानी नहीं की जा रही है। सभी मानदंडों का उल्लंघन करते हुए लंबे समय तक ड्यूटी करने के लिए उन्हें मजबूर किया जा रहा है।

जो कर्मचारी लंबी ड्यूटी में काम करने से इंकार करते हैं उनके खिलाफ गैर कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। एसोसिएशन का कहना है जोन में ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ रही है लेकिन क्रू संख्या की समीक्षा नहीं की जा रही है जिसके कारण प्रत्येक क्रू लाबी में काम का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है।

एसोसिएशन का कहना है कि रेलवे बोर्ड के निदेशक (सेफ्टी) ने रिक्त पदों पर आपत्ति जताने के बावजूद रिक्त पदों पर बहाली के लिए निर्णय नहीं लिया जा रहा है। लंबे समय तक ड्यूटी न केवल अमानवीय है बल्कि परिचालन के दृष्टिकोण से असुरक्षित व रेलवे राजस्व की हानि भी है।

एसोसिएशन का कहना है कि लोको व सहायक लोको पायलटों को उनकी छुट्टियों से वंचित रखा जा रहा है। उनकी छुट्टियां पहले से स्वीकृत नहीं की जाती है। अपनी ड्यूटी प्रकृति के कारण रनिंग स्टाफ बीमार पड़ रहे हैं। इसके अलावा प्रत्येक क्रू प्वाइंट में पर्याप्त चिकित्सा का भी अभाव है। वे निजी चिकित्सकों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। बीमार होने के बावजूद उनकी छुट्टी स्वीकृत नहीं की जा रही है, उन्हें अनुपस्थित के रूप में चिंह्रित किया जाता है जो पूरी तरह से अमानवीय व गैर कानूनी है। एसोसिएशन का कहना है कि चालक दल का मुख्य उद्देश्य ट्रेन चलाना है। अत्याधिक ड्यूटी कराने वे ट्रेन चलाते समय सो सकते हैं जो सुरक्षा के दृष्टिकोण से खतरनाक है। कई रनिंग कर्मचारियों को 12 घंटे से भी अधिक ड्यूटी करने पर मजबूर किया जाता है, जबकि सभी मंडलों में उनके ओवरटाइम की राशि दो साल से अधिक समय से लंबित है।

# इंजीनियरिंग और बिजनेस मैनेजमेंट के छात्र बने लुटेरे, कई कारोबारियों को बनाया शिकार

**धनबाद, एजेंसी।** आम तौर पर माना जाता है कि उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले लोग चोरी, डकैती नहीं करते हैं। हालांकि धनबाद में ऐसा नहीं है। यहां इंजीनियरिंग और बिजनेस मैनेजमेंट के छात्र भी चोरी और डकैती कर रही हैं। ऐसे अपराधी पुलिस ही नहीं बल्कि समाज के लिए भी चिंता का विषय हैं। दरअसल, जोड़ापोखर थाना क्षेत्र में बीते 6 अगस्त को ठगी और लूट की घटना घटी थी। मामले में पुलिस ने जिन्हें गिरफ्तार किया है, उसे जानकर हैरान होना लाजिमी है। क्योंकि आपराधिक घटना को अंजाम देने वाले में दो इंजीनियरिंग और एक एमबीए का छात्र है। इसके साथ ही एक अन्य अपराधी की भी गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से लूटी गई स्कॉर्पियो समेत कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड और फर्जी एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।

चाईबासा जिले के चक्रधरपुर निवासी दीपक मिश्रा से लूट व ठगी हुई थी। उन्हें हार्डकोक कोयला का सैंपल देने के बहाने धनबाद बुलाया गया था। बाद में उन्हें भौरा स्थित काली मेला मैदान ले जाकर डराया-धमकाया गया और

उनके मोबाइल से पांच लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। इतना ही नहीं उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी भी अपराधियों ने लूट ली।

इस संबंध में जोड़ापोखर थाना में मामला दर्ज कराया गया था। घटना के बाद एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर पुलिस की गठित विशेष टीम ने सात सितंबर की रात गोविंदपुर थाना क्षेत्र के सुभाष कॉलोनी से स्कॉर्पियो बरामद की है। साथ ही चार आरोपियों को धर दबोचा।

सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम ने बताया कि चाईबासा के दिलीप मिश्रा से पिछले दिनों हुए लुटकांड घटना में शामिल चार आरोपियों संतोष कुमार सरकार, सुरजीत गोस्वामी, दिलीप कुमार यादव उर्फ बब्लू और अखिल कुमार को गिरफ्तार किया गया हैं। इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं, जिनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

इनमें से दिलीप यादव का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उस पर पूर्व में हत्या और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। लूट कांड में शामिल अपराधी संतोष कुमार सरकार और सुरजीत गोस्वामी दोनों इंजीनियरिंग के छात्र हैं। जबकि अखिल कुमार एमबीए कर रखा है।

एसडीपीओ ने बताया कि छापेमारी के दौरान स्कॉर्पियो गाड़ी के अलावा चार मोबाइल फोन, सिम कार्ड तथा फीनो बैंक का फर्जी एटीएम कार्ड भी बरामद किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि इसी फर्जी एटीएम और सिम कार्ड से पीड़ित के खाते से पच्चीस हजार रुपये की निकासी की गई थी।

# प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है करम : सुदेश

**रांची, एजेंसी।** पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि करमा पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश भी देता है। आस्था से ओत-प्रोत इस पर्व में यह कामना की जाती है कि संसार में खुशहाली आए, कृषि उत्पादन अच्छा हो और मानव-प्रकृति का रिश्ता सुदृढ़ बना रहे। यही वजह है कि झारखंड के ग्रामीण और शहरी, दोनों ही इलाकों में करमा पर्व को बड़े उत्साह से मनाया जा रहा है। महतो रविवार को मुरी-टुंगरी के समीप आयोजित आखड़ांय करम महोत्सव में बोल रहे थे। मुरी करमा पूजा समिति के तत्वाधान में हुए इस महोत्सव का शुभारंभ अखरा में पारंपरिक नृत्य और गीत के साथ किया गया। मंच का संचालन सुनील सिंह ने किया।

## मांदर की थाप व करमा के गीत पर थिरके लोग

कार्यक्रम से पूर्व झारखंड मोड़ से मुरी-टुंगरी कार्यक्रम स्थल तक शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में महिलाओं की भारी भीड़ थी। सभी मांदर की थाप एवं करमा के गीत में नृत्य करते हुए चल रहे थे। इस मौके पर गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, आयोजन समिति के अध्यक्ष सह जिला परिषद उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक, उप प्रमुख आरती देवी, पूर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहू, समाजसेवी श्याम सुंदर महतो, अंतरराष्ट्रीय लॉन बॉल खिलाड़ी दिनेश महतो समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

# चतरा के किसान उदय कुमार ने दिखाई राह, इलेक्ट्रिक इंजीनियर की नौकरी छोड़ उपजा रहे हरी मिर्च

**चतरा, एजेंसी।** मैंने पॉलिटेक्निक में डिप्लोमा हासिल करने के बाद बीटेक की पढ़ाई पूरी की। इसी आधार पर पुणे की एक कंपनी में इलेक्ट्रिक इंजीनियर की नौकरी लगी। लेकिन मेरा मन वहां ज्यादा दिनों तक नहीं लगा। छह महीने में ही पुणे छोड़कर वापस गांव अंबाटांड लौट आया। गांव में ही खेती शुरू की। पारंपरिक खेती की जगह उन्नत कृषि तकनीक का सहारा लिया। तीन एकड़ जमीन पर मिर्च की खेती शुरू की। इसके लिए प्रधानमंत्री ड्रिप सिंचाई योजना की मदद ली।

## बीते साल जुलाई में शुरू की खेती

उन्होंने बताया मिर्च की खेती में एक से सवा लाख रुपए की पूंजी लगी, जिसमें से 90% सब्सिडी मिल गई। मैंने पिछले साल जुलाई में खेती शुरू की थी और महज दो महीने बाद ही यानी सितंबर में उत्पादन शुरू हो गया, जो अब तक जारी है।

पिछले 12 महीने में 21 टन मिर्च की पैदावारी हो चुकी है। इससे दस लाख रुपए का कारोबार हो चुका है। इससे उत्साहित होकर इस साल और बड़े पैमाने पर खेती करने की योजना बनाई है। मेरे पास पांच एकड़ अपनी

जमीन है। 10 एकड़ जमीन लीज पर ले ली है। अब मेरे पास कुल 15 एकड़ भूमि है।

## 6 एकड़ में करेंगे हरी मिर्च की खेती

बताया कि इस साल 6 एकड़ में मिर्च, 6 एकड़ में टमाटर और तीन एकड़ में मटर की खेती करने की योजना है। खेत तैयार किए जा रहे हैं। उन्नत कृषि तकनीक अपनाने से मेरी आर्थिक स्थिति तो सुदृढ़ हुई ही, नई पहचान भी मिली। गांव के मेरे साथी दिनेश कुमार ने खेती का तरीका देखकर प्रभावित हुए और उन्होंने भी मिर्च की खेती शुरू की है।

उन्होंने दो एकड़ से अधिक जमीन पर उन्नत तकनीक से काम शुरू किया है। अगले कुछ दिनों में उसकी फसलें देखने लायक होंगी। सुनील साहू मेरी खेती देख बोले-मिर्च की खेती से अच्छी आमदनी कर गांव के लोगों को जगा दिया है। अब मुझे देखकर कई युवा भी खेती करने लगे हैं। अगर सही सोच और उन्नत तकनीक का साथ हो, तो गांव की मिट्टी भी सोने की तरह चमक सकती है।

**बड़े शहरों से लोग गांव लौटे और उन्नत तकनीक से खेती शुरू की :** मेरी मेहनत और नवाचारी सोच ने उन युवाओं को प्रेरित किया, जो रोजगार की तलाश में बड़े शहरों में भटक रहे थे।

कई युवा गांव लौटे और उन्नत कृषि तकनीकों का सहारा लेकर खेती शुरू की। आज लावालौंग प्रखंड में ऐसे कई युवा हैं जो कृषि से अच्छी आमदनी कर रहे हैं और अपने गांव को एक नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने यह साबित किया कि शहरों की नौकरी ही एकमात्र रास्ता नहीं है, गांव में रहकर भी सफलता की कहानियां लिखी जा सकती हैं।

## कौन हैं उदय कुमार

उदय कुमार चतरा जिले के लावालौंग प्रखंड के अंबाटांड गांव के निवासी हैं। महज 25 साल के हैं। प्रारंभिक पढ़ाई गांव में हुई। हाई स्कूल हफुआ (चतरा) से 2015 में मैट्रिक पास करने के बाद केके पॉलिटेक्निक कॉलेज धनबाद से इलेक्ट्रिक कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। इसके बाद 2021 में केके कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट से बीटेक किया। फिर नौकरी करने मुंबई गए। लेकिन टिके नहीं। छह माह में ही वापसगांव लौट आए और खेती करने की सोची।

# दुनिया के सबसे विशालकाय मगरमच्छ, जो डायनासोर को भी मारकर खा जाते थे

**ये तो आप जानते ही होंगे कि करोड़ों साल पहले धरती पर डायनासोर और मैमथ जैसे विशालकाय जीव-जंतु रहा रहते थे। इन विशालकायों जानवरों के अवशेष जगह-जगह मिलते रहते हैं, जिससे उनकी विशालता का अंदाजा लगाया जा सकता है। लेकिन क्या आप जानते है कि मैमथ और डायनासोर के काल में विशालकाय मगरमच्छ भी रहा करते थे, जिनके बारे में कहा जाता है कि वो इतने खतरनाक थे कि डायनासोर तक को मारकर खा जाते थे।**

इस विशालकाय मगरमच्छ की प्रजाति का नाम सारकोसुकस है। ये आज के मगरमच्छों की तुलना में कई गुना अधिक भारी और बड़े थे। इनकी लंबाई 9.5 मीटर यानी 31 फीट के आसपास हुआ करती थी जबकि इनका वजन चार टन यानी 3600 किलो से भी ज्यादा हुआ करता था। इन विशालकाय मगरमच्छों की आंखें दूरबीन जैसी होती थीं और वो रात को भी अपने शिकार को आसानी से देख सकते थे। इनके ऊपर के जबड़े में 35 दांत जबकि नीचे के जबड़े में 31 दांत होते थे। माना जाता है कि अपने विशालकाय जबड़े में दबाकर वो इंसान की 100 से ज्यादा हड्डियां एक साथ तोड़ सकता था। शोधकर्ताओं के मुताबिक, सारकोसुकस कम उम्र में तो मछलियों को अपना शिकार बनाते थे, लेकिन बड़े हो जाने के बाद खतरनाक और विशालकाय डायनासोर को ही अपना शिकार बना लेते थे। शोधकर्ता बताते हैं कि पूरी तरह विकसित हो जाने के बाद ये मगरमच्छ किसी बड़े थेरोपॉड डायनासोर की भी गर्दन तोड़ने की भी क्षमता रखते थे। 1950 के दशक में इस विशालकाय मगरमच्छ के बारे में पहली बार इंसानों को तब पता चला जब अल्बर्ट फिलिक्स नाम के एक फ्रेंच शोधकर्ता को सहारा के रेगिस्तान में इसके सिर और दांत जैसे कई नमूने हाथ लगे। इसके बाद यह माना गया कि ये विशालकाय जीव उत्तरी अफ्रीका के घने जंगलों में रहा करते थे, जो अब सहारा रेगिस्तान में बदल चुका है।

# काली रेत के बीच, ज्वालामुखी और खास समुद्री जीवन के लिए मशहूर है इंडोनेशिया का बाली

**बाली दुनिया का मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन होने के साथ कई तरह खासियतें समेटे हैं. यहां के समुद्री जीवन की विविधता यहां की कुदरती खूबसूरती को अलग ही रंग देती है. यहां के ज्वालामुखी, समुद्री जीवन, और काली रेत के बीच खास आकर्षण तो होते ही हैं, यहां की संस्कृति भी कम अनोखी नहीं है.**

अपनी कुदरती खूबसूरती के लिए मशहूर इंडोनेशिया का बाली प्रांत पूरी दुनिया में जाना पहचाना नाम है. कोरल ट्राएंगल में मौजूद इंडोनेशिया का यह प्रांत कई बातों में खास जगह बन जाता है. यहां के समुद्र में मछलियों और कछुओं की विविधता कुछ ज्यादा ही खास है क्योंकि इस वजह से यह संयुक्त राष्ट्र विरासत स्थलों में शामिल है.

आपने बाली में सफेद रेत देखी होगी, लेकिन क्या आपने कभी काली रेत के बारे में सुना है? बाली इंडोनेशिया का एक ज्वालामुखीय हिस्सा है, इसलिए इनमें से बहुत से ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण रेत का रंग काला हो गया है.यही वजह है यहां आने वाले बहुत लोग यहां के काली रेत के बीच देखने में खासी रुचि दिखाते हैं.

बाली के खास और सबसे बड़े पर्यटक आकर्षणों में से एक यहां का माउंट अगुंग माउंट ज्वालामुखी है. यह पूरे द्वीप पर सबसे ऊंचा स्थान है और अभी भी एक सक्रिय ज्वालामुखी है. यह आखिरी बार 1963-64 में फटा था और इसका प्रभाव अभी भी पहाड़ी के निचले हिस्से पर देखा जा सकता है. ज्वालामुखी में एक विशाल गड्ढा है जो हर समय राख और धूल उगलता रहता है. यह ज्वालामुखी द्वीप पर एक पवित्र स्थान भी है.

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बाली सबसे बड़े पर्यटन स्थलों में से एक है. यह इस तथ्य से भी प्रमाणित होता है कि बाली की कुल आय का 80 फीसदी हिस्सा पर्यटन से आता है. इसका सबसे बड़ा आकर्षण यहां के बीच, और विविध समुद्री जीवन है. यहां मछलियों और कछुओं की बहुत ज्यादा संख्या में विविधता है. यहां मिलने वाली 3 हजार से ज्यादा मछलियों की प्रजातियों के कारण यह संयुक्त राष्ट्र धरोहर स्थलों में गिना जाता है. इसके अलावा यहां लोग डॉलफिन देखना पसंद करते हैं.

बाली मे हर साल मौसम गर्म ही रहता है. भूमध्य रेखा के पास होने की वजह से यहां वर्षावनों के जैसा मौसम होता है. लेकिन साल भर में यहां दो ही मौसम होते हैं. अप्रैल से अक्टूबर में सूखा मौसम होता है, वहीं बाकि दिनों में गीला मौसम होता है. द्वीप होने के बावजूद यहां के चार प्राकृतिक झीलें लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं.

दुनिया के कम लोग जानते हैं कि इंडोनेशिया के मुस्लिम देश होने के बावजूद, उसका प्रांत बाली हिंदू बहुल इलाका है. यहां 86 फीसदी लोग हिंदू हैं और यही कारण है कि यहां के मंदिर भी यहां की खासियत है. यह देवताओं का द्वीप अपने खूबसूरत मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है. बाली में अकेले 20,000 से ज्यादा मंदिर हैं.

बाली में अलग ही संस्कृति है जो इसे पूरी दुनिया में बहुत खास बनाती है. यहां तीन भाषाएं बोली जाती हैं. लोग पर्यटकों से बहुत ही अच्छे से पेश आते हैं. यहां शिशुओं का जमीन छूने नहीं दिया जाता है. यहां साल में एक दिन लोग मौन रहते हैं. इस त्यौहार का नाम नेपी है. लोग अपने घरों में रहते हैं. यहां तक कि इस दिन एयरपोर्ट, रेस्तरां आदी तक बंद रहते हैं.

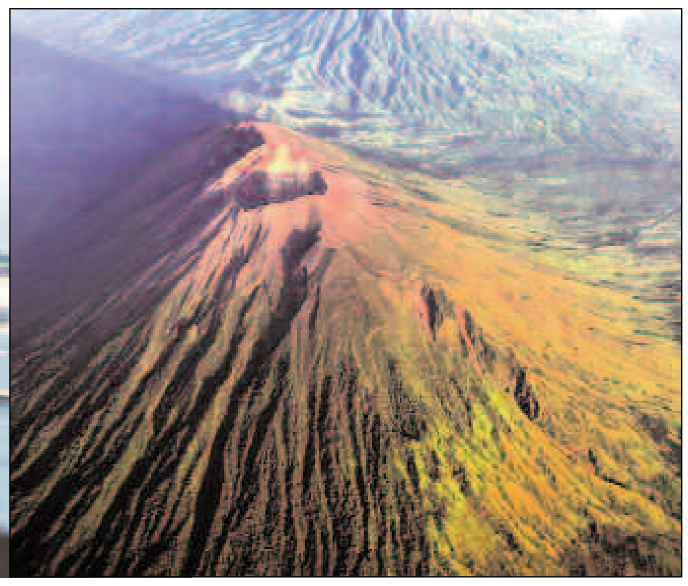

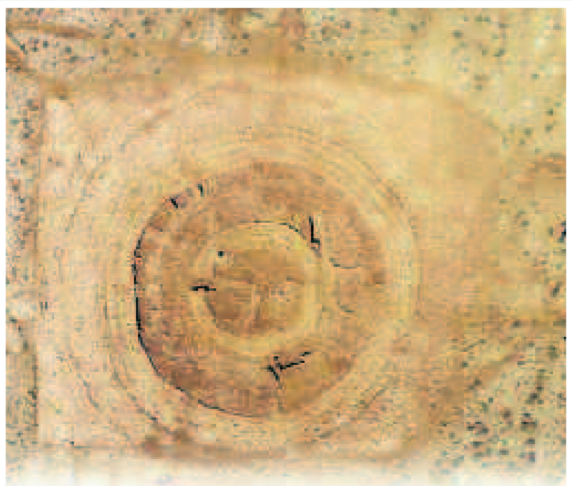

# एयरपोर्ट बनाने के लिए हो रही थी खुदाई, जमीन के नीचे दिखा 4000 साल पुराना राज

**ग्रीक आइलैंड क्रेट पर पुरातत्वविदों को एक प्राचीन ढांचा मिला है. इस ढांचे के मिलने की वजह से यहां पर बन रहे एयरपोर्ट का काम रोका जा सकता है.**

ग्रीस के एक आइलैंड पर एक एयरपोर्ट बनने की तैयारी हो रही थी. बेस बनाने के लिए जमीन की खुदाई चल रही थी, मिट्टी हटाई जा रही थी. अचानक जमीन के नीचे लोगों को एक अजीबोगरीब ढांचा नजर आया. जब उस ढांचे की जांच हुई तो सभी को होश उड़ गए. वो इसलिए क्योंकि ये 4000 साल पुराना ढांचा है जो प्राचीन काल की सभ्यता से जुड़ी कई पहेलियों को सुलझा सकता है, पर हैरानी इस बात की है कि वैज्ञानिकों को नहीं पता कि ये ढांचा किस काम आता था. इस वजह से इस 4000 साल पुराने राज़ की गुत्थी नहीं सुलझ पा रही है. रिपोर्ट के अनुसार ग्रीक आइलैंड क्रेट पर पुरातत्वविदों को एक प्राचीन ढांचा मिला है. इस ढांचे के मिलने की वजह से यहां पर बन रहे एयरपोर्ट का काम रोका जा सकता है. न्यूज एजेंसी के अनुसार ये ढांचा मिनोअन सभ्यता का हो सकता है जिसे 2000 से 1700 ईसा पूर्व इस्तेमाल किया जाता था. उसी दौरान क्रेट के मॉन्युमेंटल पैलेस को भी बनाया गया था.

## जमीन के नीचे मिला प्राचीन ढांचा

पर वैज्ञानिकों के लिए समस्या इस बात की है कि मिनोअन सभ्यता से जुड़े पहले मिले ढांचों की तरह, वैज्ञानिकों को नहीं समझ आ रहा है कि इस ढांचे का काम क्या रहा होगा. ऊपर से देखने पर ये ढांचा बड़ा कार का पहिया जैसा दिखता है. इसका कुल एरिया 19 हजार स्क्वायर फीट है. ग्रीक मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर के अनुसार इस ढांचे का व्यास 157 फीट है और इसकी बनावट और विशेषताएं मिनोअन के मकबरों जैसी हैं. इस जगह के पास प्राचीन काल के जानवरों की हड्डियों के अवशेष भी मिले हैं.

## बनने वाला है इंटरनेशनल एयरपोर्ट

माना जा रहा है कि इस जगह पर प्राचीन काल में कई तरह के अनुष्ठान समारोह किए जाते रहे होंगे. अब इस जगह की जांच आर्कियोलॉजिस्ट्स करेंगे मगर इसकी इसकी वजह से यहां बनने वाले एयरपोर्ट का काम रुक सकता है. पापुरा हिल पर मौजूद इस ढांचे की जगह पर क्रेट के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का रडार स्टेशन बनना था. 2027 तक ये एयरपोर्ट बनकर तैयार हो जाता. माना जा रहा है कि इस एयरपोर्ट को 1.8 करोड़ लोग सालाना इस्तेमाल करेंगे. ग्रीक सरकार अब रडार स्टेशन को बनाने के लिए कोई और जगह की तलाश करेगी, और इस जगह पर जांच होगी और पता लगाया जाएगा प्राचीन काल में ये जगह किस काम आती थी.

# सबसे दूर बना है ये पोस्ट ऑफिस हर साल निकलते हैं 70000 कार्ड

**यह पोस्ट ऑफिस दुनिया का सबसे दूर का पोस्ट ऑफिस माना जाता है. यह डाकघर ऐसे द्वीप पर है, जहां एक हजार से ज्यादा पेंगुइन रहते हैं, लगभग निर्जन इलाके में होने के बाद भी यहां से हर साल 100 से अधिक देशों में लगभग 70000 कार्ड भेजे जाते हैं एक कार्ड को अपने पते तक पहुंचने में कम से कम दो हफ्ते लगते हैं और कई बार इसमें महीनों का समय लग जाता है.**

एक पोस्ट ऑफिस दुनिया में सबसे दूर होगा तो कहां होगा? क्या वह ऐसी जगह हो सकता है, जहां आबादी ही ना हो. जी हां एक पोस्ट ऑफिस ऐसा भी है जो ऐसी ही जगह पर है जो किसी एक देश की नहीं है. लोग यहां केवल कुछ दिन के लिए घूमने आते हैं. फिर भी यह पोस्ट ऑफिस सक्रिय है और हर साल हजारों कार्ड दुनिया के सौ से अधिक देशों में भेजता है. इसके बनने की कहानी भी कम रोचक नहीं है. आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्रिटेन का यह पोस्ट ऑफिस अंटार्कटिका में हैं, जहां आबादी के नाम पर पेंगुइन हैं. ब्रिटेन का सबसे दक्षिणी सार्वजनिक डाकघर सुदूर गौडियर द्वीप पर पोर्ट लॉकरॉय में है. यह द्वीप, जो एक हज़ार से ज्यादा पेंगुइन का घर है, ब्रिटिश अंटार्कटिक क्षेत्र का हिस्सा है. इसकी स्थापना 11 फ़रवरी 1944 द्वितीय विश्व युद्ध के दौर में हुई थी. नवंबर 1996 से पूर्व अनुसंधान बेस की साइट को एक संग्रहालय के रूप में चलाया जा रहा है, जहा. हर मौसम में 18,000 आगंतुक आते हैं. इसी साल इस पोस्ट ऑफिस की भी स्थापना की गई जो आज दुनिया का दूरस्थ पोस्ट ऑफिस है

यह डाकघर असल में द्वीप पर काम करने वाले और कुछ पर्यटकों के लिए बना है. यही कारण है कि इस वजह से ये खासा सक्रिय है. डाकघर हर साल 100 से ज्यादा देशों में लगभग 70,000 कार्ड भेजता है. पोर्ट लॉकरॉय की भूतपूर्व कर्मचारी साराह ऑफ़्रेट ने एंड्स ऑफ़ द अर्थ से बात करते हुए इस अनोखे डाकघर के बारे में खुलकर बताया. उन्होंने कहा, पोस्टकार्ड भेजने पर एक अमेरिकी डॉलर खर्च होता है, चाहे गंतव्य कोई भी हो. टीम हाथ से ही पोस्टकार्ड भेजती है व्यस्त दिन में 1,000 से ज्यादा पोस्टकार्ड आ सकते हैं. फिर इसे बंडल में बांधा जाता है, तौला जाता है. प्रत्येक सीजन में टीम द्वारा लगभग 500 किलोग्राम डाक बैग में भरा जाता है, और मौसम और बर्फ की अनुमति मिलने पर अभियान जहाज से फ़ॉकलैंड पहुंचाया जाता है, फ़ॉकलैंड का स्टेनली पोस्ट ऑफ़िस इसे यूके जाने वाले साप्ताहिक रॉयल एयर फ़ोर्स के विमान में डाल देता है. तब जाकर यह नियमित डाक सेवा में पहुंच पाता है. पोर्ट लॉकरॉय से कैम्ब्रिज तक ही एक पोस्टकार्ड सबसे कम से कम दो सप्ताह में पहुंच पाता है.

# बीमा प्रीमियम पर जीएसटी शून्य

## ...लेकिन सस्ती नहीं होगी पॉलिसी, 5 प्रतिशत तक हो सकता है महंगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर आप सोच रहे हैं कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी शून्य होने से प्रीमियम में 18 फीसदी तक की कमी आएगी, तो शायद ऐसा संभव न हो। जीएसटी परिषद ने जीवन व स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। हालांकि, उद्योग विशेषज्ञ इसका उल्टा असर पड़ने की आशंका जता रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम के बावजूद बीमा प्रीमियम में पूरी राहत मिलना मुश्किल होगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुसार, परिषद ने व्यक्तिगत स्वास्थ्य व जीवन बीमा प्रीमियम को 18 फीसदी से हटाकर बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के साथ शून्य स्लैब में रखा है। आईटीसी के नुकसान की भरपाई के लिए कंपनियां टैरिफ पांच फीसदी तक बढ़ा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य व जीवन बीमा की लागत में उम्मीद के मुताबिक राहत नहीं मिलेगी।

**आईटीसी यानी दोहरे कराधान को रोकना–** इनपुट टैक्स क्रेडिट एक ऐसी व्यवस्था है, जो वस्तु एवं सेवा कर के तहत व्यवसायों को उनके द्वारा खरीदे गए माल या सेवाओं पर चुकाए गए कर को उनकी बिक्री पर लगने वाले जीएसटी के खिलाफ समायोजित करने की अनुमति देती है। इसका उद्देश्य दोहरे कराधान को रोकना और कर की लागत को कम करना है।

● **इनपुट टैक्स क्रेडिट खत्म होने से कितना होगा नुकसान–** वर्तमान में बीमा कंपनियां डिस्ट्रीब्यूशन कमीशन, पुनर्बीमा, और प्रचार व अन्य परिचालन खर्चों पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाती हैं! जीएसटी हटने के बाद, पुनर्बीमा सेवाएं भी जीएसटी से मुक्त हो जाएंगी, पर अन्य सेवाओं पर कंपनियों को जीएसटी चुकाना होगा। चूंकि व्यक्तिगत पॉलिसियां अब 'जीएसटी मुक्त' हैं और सरकार ने बीमा के लिए उल्टे कर ढांचे (आईडीएस) का लाभ अधिसूचित नहीं किया है, इसलिए कंपनियां इस लाभ का दावा नहीं कर पाएंगी।

### ऐसे समझें पूरा गणित

22 सितंबर से बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी पूरी तरह से हटा दिया जाएगा। अभी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। जीएसटी हटने व 3 से 5 फीसदी टैरिफ वृद्धि से स्वास्थ्य बीमा की लागत में 12 से 15 फीसदी की कमी आएगी। इसका मतलब पॉलिसीधारकों को 18 फीसदी के बजाय केवल 12 या 15 फीसदी कटौती का लाभ ही मिलेगा।

## अपने ही शेयर वापस खरीदेगी दिग्गज कंपनी इंफोसिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस के बोर्ड की बैठक 11 सितंबर 2025 को होने वाली है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि इस बैठक में पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयरों के बायबैक प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। यह घोषणा मार्केट बंद होने के बाद की गई। बता दें कि सोमवार को कंपनी का शेयर एनएसई पर 0.59 प्रतिशत गिरकर 1,436.10 पर बंद हुआ।

**साल 2022 के बाद पहली बार ऐलान–** यदि यह प्रस्ताव मंजूर होता है, तो यह 2022 के बाद कंपनी का पहला बायबैक होगा। साल 2022 में इंफोसिस ने 9,300 करोड़ के बायबैक को

मंजूरी दी थी, जिसमें न्यूनतम बायबैक मूल्य 1,850 प्रति शेयर था। उस कार्यक्रम के तहत 7 दिसंबर 2022 से 13 फरवरी 2023 के बीच कंपनी ने 50 मिलियन से अधिक शेयर ओपन मार्केट से खरीदे थे। बता दें कि इंफोसिस के शेयर हाल के महीनों में गति पकड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, पिछले 7 महीनों में से 5 महीने घाटे में रहे और अपने वैल्यू का 24 प्रतिशत खो दिया। व्यापक रूप से, सभी तकनीकी शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है।

**जून तिमाही के नतीजे–** वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में इंफोसिस का प्रदर्शन बाजार की उम्मीदों से बेहतर रहा। कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 8.7 प्रतिशत बढ़कर 6,921 करोड़ रहा, जबकि राजस्व 7.5 प्रतिशत बढ़कर 42,279 करोड़ तक पहुंचा।

## अडानी के शेयर ने बनाया रिकॉर्ड, खरीदने की जबरदस्त लूट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अडानी पावर के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गए। बीते दो दिन में इसमें 6 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर में आज 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई और यह शेयर 648.30 रुपये पर आ गया। कंपनी के

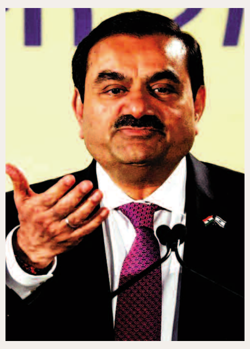

शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, कंपनी को भूटान की ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्प लिमिटेड से 570 मेगावाट हाइड्रो पावर प्लांट का ऑर्डर मिलना। इस परियोजना को अडानी पावर और डीजीपीसीमिलकर विकसित करेंगे। इसमें 49-51 के अनुपात में स्वामित्व होगा। यानी लगभग आधा हिस्सा अडानी पावर और आधा डीजीपीसीके पास रहेगा।

**52-सप्ताह का रिकॉर्ड–** वर्तमान में शेयर 9 अक्टूबर 2024 के बाद से सबसे ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसने 16 सितंबर 2024 को अपना 52-सप्ताह का उच्च स्तर 681.30 छुआ था। बता दें कि पिछले एक महीने में अडानी पावर के शेयरों में 12 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, तुलना में, बीएसई सेंसेक्स में केवल 0.56 प्रतिशत की बढ़त रही है, जबकि बीएसई पावर इंडेक्स में 1.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

**6,000 करोड़ का निवेश–** कंपनी ने बताया कि इस परियोजना में करीब 6,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इसमें हाइड्रो पावर प्लांट की स्थापना के साथ-साथ उससे जुड़ी अन्य आधारभूत संरचनाओं का भी विकास शामिल है।

## यूएसआईबीसी ने ट्रंप-मोदी की टिप्पणियों का किया स्वागत, कहा- भारत यूएस व्यापार समझौते को जल्द दें अंतिम रूप

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की सकारात्मक टिप्पणियों की सराहना की। परिषद ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के समय में मजबूत अमेरिका-भारत साझेदारी को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। यूएसआईबीसी ने कहा कि पिछले 50 वर्षों से वह दोनों देशों के बीच घनिष्ठ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। यह सहयोग नवाचार, रोजगार सृजन और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने वाले वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण रहा है।

**मतभेदों को सम्मानजनक चर्चा के माध्यम से सुलझाएं–** द्विपक्षीय संबंधों की पिछली उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए यूएसआईबीसी ने बताया कि 25 वर्षों की साझेदारी के माध्यम से अमेरिका और भारत ने दिखाया है कि मतभेदों को निजी और पारस्परिक रूप से सम्मानजनक चर्चा के माध्यम से सुलझाया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि वर्तमान गतिरोध को भी इसी भावना से निपटाया जाना चाहिए, क्योंकि बढ़ती भू-रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के वर्तमान युग में दांव बहुत ऊंचे हैं। परिषद ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों सरकारों को अब एक महत्वाकांक्षी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए जरूरी कठोर निर्णय लेने होंगे। यूएसआईबीसी के अनुसार, ऐसा समझौता न केवल निवेशकों का विश्वास बहाल करेगा, बल्कि दोनों देशों के लिए समृद्धि भी लाएगा।

पहली बार 1.10 लाख रुपये का आंकड़ा किया पार

# सोने की कीमत ने रचा इतिहास, निवेशकों में भारी उत्साह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोने की कीमतों में मंगलवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिला। घरेलू वायदा बाजार में सोना 458 रुपये चढ़कर पहली बार 1,10,047 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आई तेजी और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी के चलते आई है।

- **एमसीएक्स पर सोने का रिकॉर्ड स्तर–** मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर डिलीवरी के लिए सोने का वायदा भाव 458 रुपये या 0.41 प्रतिशत बढ़कर 1,10,047 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं, अक्तूबर डिलीवरी वाले सबसे ज्यादा कारोबार किए जाने वाले कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 482 रुपये या 0.44 प्रतिशत उछलकर 1,09,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।
- **अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में तेजी–** वहीं विदेशी बाजारों में भी सोना नए शिखर पर पहुंच गया। अमेरिकी बाजार कॉमेक्स में दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 3,694.75 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

- **क्यों बढ़ा सोने का दाम–** रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी के अनुसार, पिछले हफ्ते अमेरिका के कमजोर रोजगार आंकड़े जारी हुए। इससे यह संभावना बढ़ गई कि फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) इस साल ब्याज दरों में तीन बार कटौती कर सकता है। अगली फेडरल रिजर्व पॉलिसी बैठक में 0.25% (25 बेसिस प्वाइंट) की दर कटौती की उम्मीद की जा रही है। ब्याज दरों में कमी से सोने की मांग बढ़ती है क्योंकि सोना निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक विकल्प बन जाता है।
- **डॉलर की कमजोरी का असर–** कमजोर अमेरिकी डॉलर का सीधा फायदा सोने को मिला। जब डॉलर कमजोर होता है, तो अन्य मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो जाता है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी मांग बढ़ती है और कीमतें ऊपर जाती हैं।
- **सोने का भाव बढ़ने से निवेशकों में उत्साह–** तेजी से बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों में सोने को लेकर उत्साह बढ़ा है। कई निवेशक इसे सुरक्षित निवेश मानते हैं, खासकर आर्थिक अनिश्चितता के दौर में। निवेशकों के लिए यह सलाह है कि आने वाले दिनों में सोने में उतार-चढ़ाव और बढ़ सकता है।

### कहां क्या पड़ेगा असर

घरेलू बाजार में सोने के आभूषणों की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। वहीं आगामी त्योहारी और शादी के सीजन में ग्राहकों को महंगे सोने का सामना करना पड़ सकता है।

## 2012 से लगे प्रतिबंध में ढील, बांग्लादेश से भारत को 1200 टन हिल्सा निर्यात की मंजूर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बांग्लादेश ने दुर्गा पूजा से पहले भारत को 1,200 टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का फैसला किया है। इस मछली को स्थानीय तौर पर इलिश के रूप में जाना जाता है।बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार देर रात एक अधिसूचना में यह जानकारी दी। जुलाई 2012 से बांग्लादेश ने हिल्सा के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन 2019 से दुर्गा पूजा के दौरान भारत को निर्यात के लिए विशेष अनुमति दे दी है।

**प्रति किलोग्राम हिल्सा का न्यूनतम निर्यात मूल्य 12.50 डॉलर–** अधिसूचना में कहा गया है कि इच्छुक निर्यातकों से कार्यालय समय के दौरान 11 सितंबर, 2025 को शाम 5 बजे तक हार्ड कॉपी में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन के साथ निर्यातक कंपनी का अद्यतन व्यापार लाइसेंस, ईआरसी, आयकर प्रमाण पत्र, वैट प्रमाण पत्र, बिक्री अनुबंध, मत्स्य पालन विभाग से लाइसेंस सहित प्रासंगिक दस्तावेज संलग्न होने चाहिए। इसमें कहा गया है कि सरकार ने प्रति किलोग्राम हिल्सा का न्यूनतम निर्यात मूल्य 12.50 डॉलर निर्धारित किया है।

## बड़े शहरों में मुश्किल हुआ घर खरीदने का सपना

### ● तेजी से बढ़ती कीमतों ने घटाई आम खरीदारों की उम्मीदें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रॉपर्टी की कीमतों में कुछ वर्षों में जबरदस्त तेजी आई है। इसके कारणबड़े शहरों में घर खरीदना मुश्किल हो गया है। एनारॉक के मुताबिक, 81 फीसदी खरीदारों के लिए घरों की बढ़ती कीमत चिंता की बात है, जिनमें से 47 फीसदी लोग इसे लेकर काफी परेशान हैं। सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 21 फीसदी खरीदार ही घर खरीद सकेंगे, जबकि 71 फीसदी को देरी का सामना करना पड़ रहा है। देरी की मुख्य वजहों में घरों का किफायती नहीं रह जाना और बजट के अंदर कम विकल्प उपलब्ध होना शामिल है। जनवरी से जून के बीच ऑनलाइन सर्वे में 8,250 लोग शामिल हुए। शीर्ष-7 शहरों में घरों की औसत कीमतों में दो वर्षों में 50 फीसदी वृद्धि। 2023 की दूसरी तिमाही यानी अप्रैल-जून के दौरान इन शहरों में घरों की औसत कीमत 6,001 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 की समान तिमाही में 8,990 रुपये वर्ग फुट पहुंच गई।

**किफायती आवास से मोहभंग होने की वजहें–** किफायती घर खरीदने की चाह रखने वाले 62 फीसदी लोग उपलब्ध विकल्पों से खुश नहीं हैं। असंतुष्ट खरीदारों में 92 फीसदी प्रोजेक्ट की लोकेशन से खुश नहीं हैं। 90 फीसदी कहते हैं सस्ती परियोजनाओं की निर्माण की गुणवत्ता और

डिजाइन खराब है। 77 फीसदी को सस्ते घरों का साइज छोटा लगता है। किफायती आवास में 45 लाख रुपये तक के मकान आते हैं।

**अब महंगे और बड़े मकान बन रहे पसंद–** 36 फीसदी से अधिक संभावित खरीदारों ने 90 लाख से 1.5 करोड़ तक के घर को पहली पसंद बताया है। यह प्रीमियम और लग्जरी प्रॉपर्टी की ओर झुकाव को दिखाता है।

### दाम बढ़ने से एमएमआर के खरीदार कम बेचैन

एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, मकान खरीदने वाले अपने-अपने शहरों में बढ़ती कीमतों को लेकर चिंतित हैं। मुंबई महानगर क्षेत्र अपवाद के रूप में उभरा है। सबसे महंगे रियल एस्टेट बाजार में प्रॉपर्टी खरीदने की चाहत रखने वालों में से 39 फीसदी ने बढ़ती कीमतों को लेकर चिंता जताई है।

चमड़े के जूते व मार्बल पर नक्काशी आगरा की पहचान

# ताजनगरी के उत्पाद बन सकते हैं वैश्विक ब्रांड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की अर्थव्यवस्था माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज ानी एमएसएमई का बहुत बड़ा योगदान है। ये ोटे और मध्यम उद्यम नवाचार को बढ़ावा देने, जगार के नए अवसर सृजित करने और क्षेत्रीय कास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा हे हैं।

देश के एमएसएमई में डिजिटल ांसफॉर्मेशन, फाइनेंस तक पहुंच, सप्लाई चेन ॉडर्नाइजेशन, एक्सपोर्ट पोटेंशियल, स्किल वलपमेंट और पॉलिसी सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहराई से विचार-विमर्श के लिए अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन जल्द होने वाला है।

कॉन्क्लेव के एजेंडा में भविष्य के लिए फंडिंग, मार्केटिंग व ब्रांडिंग, एमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, इनोवेटिव फाइनेंसिंग, एआई व डिजिटल अपलिफ्टमेंट, महिलाओं की भागीदारी, भारत के एमएसएमई का वैश्विक विस्तार और ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पादन) योजना के तहत लोकल से ग्लोबल ब्रांड जैसे मुद्दों पर चर्चा शामिल है।

## 1 ही दिन में 3000 प्रतिशत चढ़ गया है आठको होल्डिंग्स इंक का स्टॉक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एक कंपनी जिसका शेयर एक ही दिन में 3000 प्रतिशत चढ़ गया। जी हां यह कोई अफवाह नहीं, सच्चाई है। वाल स्ट्रीट में लिस्टेड कंपनी आठको होल्डिंग्स इंकके शेयरों में 8 सितंबर, सोमवार को 3000 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। सोमवार को कारोबार शुरू होने से पहले कंपनी का मार्केट कैप 4.4 मिलियन डॉलर था। जोकि सोमवार को 190 मिलियन डॉलर हो गया। बता दें, आठको होल्डिंग्स इंक के शेयरों में सोमवार को दिन में 5632 प्रतिशत तक की उछाल देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद कंपनी के शेयरों में नरमी भी देखी गई। खुद को ई-कॉमर्स कंपनी बताने वाली आठको होल्डिंग्स इंक के शेयरों में इस उछाल के बाद डिजिटल टोकन, ओपनएआई और सैम ऑल्टमैन जैसे शब्दों की खूब चर्चा शुरू हो गई है।

**कंपनी 171.20 मिलियन शेयर बेचने की तैयारी में–** सोमवार को बाजार के ओपन होने से पहले आठको ने बताया कि वह 171.20 मिलियन शेयर 1.46 प्रति डॉलर के हिसाब से प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए बेचेगा। कंपनी की योजना वर्ल्डक्वाइन खरीदने की है। इस प्राइवेट प्लेसमेंट की अगुवाई मोजायक्स ने किया।

### क्या है पूरा मामला

सोमवार को बाजार के खुलने से पहले कंपनी ने एक्सचेंज को बताया को डिजिटल टोकन खरीदने की योजना पर काम कर रहे हैं। यह वह क्रिप्टोकरेंसी है जिसमें सैम अल्टमैन की अगुवाई वाले ओपनएआई का निवेश है।

इसके अलावा कंपनी ने बताया कि उसने वाल स्ट्रीट से जुड़े एनालिस्ट डैन इवेस अपना चेयरमैन बनाया है।

## 200 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक मिनी डॉयमंड्स इंडिया का होगा बंटवारा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 200 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक मिनी डॉयमंड्स इंडिया लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होगा। इस मल्टीबैगर स्टॉक ने सोमवार को बोर्ड के फैसले की जानकारी एक्सचेंज का साझा किया था। बता दें, लॉन्ग टर्म में इस कंपनी ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया है।

**5 हिस्सों में बंट जाएगा स्टॉक–** एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंपनी ने 8 सितंबर को रिकॉर्ड डेट पर कोई फैसला नहीं किया है। आने वाले समय में इसका भी ऐलान हो सकता है।

### पिछला एक साल भी अच्छा रहा है।

सोमवार को बाजार के बंद होने के समय पर यह स्टॉक 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 164.35 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की तेजी आई है। बीते एक साल से मिनी डायमंड्स इंडिया लिमिटेड के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 35 प्रतिशत का लाभ मिल चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 233 रुपये और 52 वीक लो लेवल 97.50 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 387.36 करोड़ रुपये का है।

# टोनाली ने विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में इटली को दिलाई जीत

## इस्राइल को दी शिकस्त

**डेब्रेसेन (हंगरी), एजेंसी।** इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फ़ुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इस्राइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5–4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। जून में नॉर्वे से 3–0 की हार के बाद इटली का क्वालिफिकेशन अभियान मुश्किल में पड़ गया था। उसकी मुश्किल तब और बढ़ गई थी जब तटस्थ स्थल हंगरी में खेले गए मैच में इस्राइल ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी। इटली ने मोइज कीन के दो गोल की मदद से बराबरी की। इसके बाद 59वें मिनट में माटेओ पोलिटानो ने माटेओ रेटेगुई ने इटली को बढ़त दिलाई और जियाकोमो रास्पाडोरी ने चौथा गोल किया। लेकिन इस्राइल ने दो मिनट में दो गोल करके स्कोर 4–4 से बराबर कर दिया। उसकी तरफ से डोर पेरेट्ज ने दो गोल किए।

# 10 सितंबर का ऐतिहासिक दिन, जब रियो पैरालंपिक में दो भारतीयों ने लहराया तिरंगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय खेल जगत के लिए 10 सितंबर यादगार है। इसी दिन रियो पैरालंपिक के एक ही इवेंट में भारत के दो खिलाड़ियों ने पदक जीते थे।

यह बात साल 2016 की है। मौका रियो पैरालंपिक का है। 10 सितंबर के दिन मरियप्पन थंगावेलु ने पुरुषों की ऊंची कूद के टी42 इवेंट में 1.89 मीटर की जंप के साथ नया पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए देश के लिए गोल्ड जीता। इसी के साथ मरियप्पन ऊंची कूद में पैरालंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने। 28 जून 1995 को सलेम स्थित एक छोटे से गांव में जन्मे मरियप्पन बेहद गरीब परिवार से थे। छह बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका था। ऐसे में मां दिहाड़ी मजदूरी करने के अलावा सब्जी बेचकर किसी तरह परिवार का पेट भरती।

जब मरियप्पन महज पांच साल के थे, तब एक हादसे ने उनकी जिंदगी ही बदल दी। नशे में धुत एक बस ड्राइवर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके चलते उनके दाहिने पैर का घुटना कुचल गया। इसी हादसे ने मरियप्पन को लकड़ी के सहारे चलने को मजबूर कर दिया। मरियप्पन को खेल बहुत पसंद था। एक शिक्षक ने उन्हें ऊंची कूद के लिए प्रेरित किया और स्थानीय प्रतियोगिताओं में मरियप्पन ने खुद को साबित कर दिया। साल 2015 में सत्यनारायण ने उन्हें बेंगलुरु स्थित अपने ट्रेनिंग कैंप में शामिल किया और उनके मार्गदर्शन में इस खिलाड़ी ने देश के लिए पदक जीता।

मरियप्पन को साल 2017 में पद्म श्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साल 2020 में उन्हें मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार से नावाजा गया। जिस इवेंट में मरियप्पन थंगावेलु ने गोल्ड जीता, उसी इवेंट में वरुण सिंह भाटी ने 1.86 मीटर की कूद के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह व्यक्तिगत तौर पर उनका सर्वश्रेष्ठ था। 13 फरवरी 1995 को ग्रेटर नोएडा में जन्मे वरुण भाटी का पहला प्यार बास्केटबॉल था, लेकिन पोलियो के चलते वह इस खेल में अपने करियर को आगे नहीं बढ़ा सके।

वरुण भाटी खेलों में देश का नाम रोशन करना चाहते थे। ऐसे में उन्हें कोच ने ऊंची कूद के लिए प्रेरित किया। भाटी स्कूल के दिनों में ही इस खेल के लिए घंटों प्रैक्टिस करने लगे। इस बीच परिवार भी उनका भरपूर सपोर्ट कर रहा था।

वरुण भाटी अपने शानदार खेल के साथ एक के बाद एक मेडल जीतते गए और पैरालंपिक गेम्स में अपनी जगह बनाई। उन्होंने पैरालंपिक में पदक जीतकर कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

टेबिल टेनिसः

# अनन्या और दिव्यांशी की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन

## स्टार कंटेंडर में अंडर-15 युगल खिताब जीता

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11–8, 7–11, 11–8, 6–11, 14–12 से जीत दर्ज की। अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर–15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता। कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11–8, 7–11, 11–8, 6–11, 14–12 से जीत दर्ज की। दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई। इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3–1 (11–2, 10–12, 11–3, 11–6) से हराया था। रियाना और अंकोलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने क्रमश: अंडर–19 और अंडर–15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते। अभिनंद जापान के इवैडा शुंटो के खिलाफ सीधे गेम में 0–3 (6–11, 7–11, 8–11) से हार गए जबकि ऋत्विक को भी खिताबी मुकाबले में कोरिया के ली सेयुंगसू के खिलाफ 0–3 (8–11, 5–11, 8–11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर–19 मिश्रित युगल में अभिनंद और सिंड्रेला दास की जोड़ी जबकि अंडर–15 बालक युगल में ऋत्विक और साहिल रावत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल छह पदक जीते।

# पाकिस्तानी गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान के 31 वर्षीय तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के लिए कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस क्रिकेटर ने दिसंबर 2019 में आखिरी बार पाकिस्तान की ओर से खेला था।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने साल 2013 में पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया। टी20 फॉर्मेट के डेब्यू के बाद उन्हें वनडे और टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका भी मिला। शिनवारी ने पाकिस्तान की ओर से 17 वनडे मैच खेले, जिसमें 18.61 की औसत के साथ 34 शिकार किए। वहीं, 16 टी20 मुकाबलों में इस गेंदबाज ने 13 विकेट निकाले। इस तेज गेंदबाज ने दिसंबर 2019 में इकलौता टेस्ट मैच खेला। श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी में आयोजित इस मुकाबले में शिनवारी ने 54 रन देकर सिर्फ एक ही विकेट अपने नाम किया था। इसके तुरंत बाद वह टीम से बाहर हो गए और अपना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी खो दिया।

शिनवारी एसीसी पुरुष वनडे एशिया कप 2018 में पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज को अपने छोटे से कार्यकाल में ही कई बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसने उनके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रास्ते बंद कर दिए। वनडे फॉर्मेट में शिनवारी श्रीलंका के खिलाफ दो मुकाबलों में पांच शिकार कर चुके हैं। उन्होंने साल 2017 में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 34 रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। इसके बाद साल 2019 में कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में 51 रन देकर पांच विकेट निकाले। बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज साल 2021 में रेड बॉल फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर चुका था। साल 2013 में डिपार्टमेंटल टी20 कप के फाइनल में किशोर शिनवारी ने सभी का ध्यान खींचा था। उन्होंने अपनी सीम और स्विंग के साथ 3.1 ओवरों में महज नौ रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। मिस्बाह-उल-हक की अगुवाई वाली एसएनजीपीएल टीम को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

# एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को राहत, कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौटे स्टोक्स

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को बड़ी राहत मिली है। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की टीमें पांच मुकाबलों की एशेज सीरीज 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेलेंगी। माना जा रहा था कि चोटिल होने के बाद यह अनुभवी ऑलराउंडर करीब छह या सात हफ्ते तक मैदान से दूर रह सकता है, लेकिन इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के साथ नेट्स में ट्रेनिंग पर वापसी करते हुए स्टोक्स ने तमाम आशंकाओं को दूर कर दिया। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि स्टोक्स ट्रेनिंग के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए लौट आए हैं। कैंपबेल ने बीबीसी रेडियो 5 लाइव पर कहा, स्टोक्स ट्रेनिंग पर वापस आ गए हैं। पिछले हफ्ते से उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी। उनका सेशन वाकई अच्छा रहा। उन्होंने करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी अच्छी

नजर आ रही है, लेकिन उन्हें गेंदबाजी में अभी काफी समय लगेगा। कैंपबेल के मुताबिक, इंग्लैंड की टीम एशेज तभी जीत सकती है, जब स्टोक्स पांचों टेस्ट मैच खेलें और अच्छा प्रदर्शन करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि स्टोक्स ऐसा कर पाएंगे। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत बनाते हैं। वह तीसरे या चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर एक शानदार विकल्प हैं। वह कई ओवर गेंदबाजी करते हुए आपको विकेट दिला सकते हैं। जिस तरह से वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश करते हैं, उसे देखकर मुझे हैरानी होती है। यही वजह है कि वह अब तक के सबसे महान ऑलराउंडर में से एक हैं। यही वजह है कि वह एशेज लिए तैयार हैं। वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, लेकिन क्या वह वर्कलोड के साथ लगातार पांच टेस्ट खेल सकते हैं? इसके लिए वह कोशिश करेंगे, लेकिन मुझे पूरा यकीन नहीं है। जुलाई में मैनचेस्टर में भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान कंधे में चोट लगने के बाद से स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। उन्हें भारत के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट से बाहर कर दिया गया। उनके स्थान पर ओली पोप को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया था।

# श्रीलंका 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में ODI खेलेगा

## नवंबर में खेली जाएगी सीरीज; ट्राई सीरीज की भी मेजबानी करेगा पाकिस्तान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** श्रीलंका की टीम इस साल नवंबर में वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। दोनों देशों के बीच यह तीन मैचों की सीरीज 11 से 15 नवंबर 2025 के बीच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। श्रीलंका की टीम 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में कोई वनडे सीरीज खेलेगी। पिछली बार जब श्रीलंका ने पाकिस्तान का दौरा किया था, तब तीन वनडे खेले गए थे, जिसमें पाकिस्तान ने 2–0 से सीरीज अपने नाम की थी। पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

# मोर्केल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की, कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है।

बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। मोर्केल ने कहा, मुझे लगता है कि

वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं। उन्होंने आगे कहा, और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।

कुलदीप हाल ही में दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए नजर आए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ प्लेऑफ में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों पारियों में प्रभावित करने में नाकाम रहे। 30 वर्षीय इस गेंदबाज ने मैच के दौरान 32 ओवर फेंके और कोई विकेट नहीं ले पाए।

# ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है: हेजलवुड

**सिडनी, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है।

हेजलवुड ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।

# आईएसएसएफ विश्व कप के पहले दिन भारतीय निशानेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन, जानें

**निंगबो (चीन), एजेंसी।** सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। भारत का आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में पहले दिन निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि उसकी 10 मीटर एयर पिस्टल और राइफल मिश्रित टीमें मंगलवार को यहां फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहीं। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दोनों भारतीय जोड़ियां क्वालीफिकेशन में क्रमशः 11वें और 13वें स्थान, जबकि 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में 14वें और 34वें स्थान पर रही। सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। चीन ने 585 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में चेक गणराज्य को 17-5 से हराया। ओलंपियन रिदम सांगवान और निशांत रावत की अन्य भारतीय जोड़ी 21 टीमों में 571 अंक के साथ 13वें स्थान पर रही। रिदम ने 299 अंक बनाए, जबकि 23 वर्षीय रावत 282 अंक ही बना पाए। 10 मीटर एयर राइफल में, एशियाई खेलों की व्यक्तिगत कांस्य पदक विजेता रमिता जिंदल और मदीनेनी उमामहेश की जोड़ी 628.6 अंक के साथ 14वें स्थान पर रही। रमिता ने 312.9 जबकि उमामहेश ने 315.7 अंक बनाए। पेंग शिनलू (318.5) और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेंग लिहाओ (318.4) की चीनी जोड़ी ने 636.9 का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाकर क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार (309.3) और मेघना सज्जनार (312.8) की अन्य भारतीय जोड़ी 36 टीमों में 622.1 अंक के साथ 34वें स्थान पर रही। भारत ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने के 24 खिलाड़ियों को भेजा है।

# एशिया कप से पहले सूर्यकुमार यादव की चेतावनी, संभल जाए पाकिस्तान, वरना भुगतना होगा अंजाम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टूर्नामेंट शुरू होने से पहले भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात की और उन्होंने एक बड़ा बयान दिया है। दुबई, एजेंसी। एशिया कप का आयोजन इस बार यूएई में किया जा रहा है। टीम इंडिया इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच 14 सितंबर को होगा। इस महामुकाबले से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान को हल्के अंदाज में चेतावनी दी है। उन्होंने साफ किया कि उनकी टीम मैदान पर हमेशा आक्रामक रहेगी। भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को मेजबान यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान का पहला मैच शुक्रवार को ओमान से होगा।

**एशिया कप के लिए टीम इंडिया तैयार** – एशिया कप शुरू होने से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब वे मैदान पर उतरते हैं तो आक्रामकता हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट बिना आक्रामकता के नहीं खेला जा सकता। उन्होंने अपनी टीम की तैयारियों के बारे में बताया कि भले ही टीम ने जून के बाद ज्यादा ञ20 क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और हाल ही में नेट पर बिताए गए समय से टीम पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हम चुनौती स्वीकार करते हैं। देखते हैं कि यह कैसा होता है।जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम की रणनीति में कोई बदलाव होगा, तो भारतीय कप्तान ने एक मजेदार जवाब दिया, अभी तक सब बढ़िया चल रहा है, क्यों बिना मतलब का उंगली करना है। उनका कहने का मतलब था कि अगर सब कुछ ठीक चल रहा है तो बदलाव क्यों करें।

**सूर्यकुमार की कप्तानी में पहली बड़ी परीक्षा** – रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव भारत के फुल-टाइम कप्तान बने हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 22 में से 17 मैच जीते हैं, जो एक शानदार रिकॉर्ड है। एशिया कप सूर्या की कप्तानी में भारत का पहला मल्टी-नेशन टूर्नामेंट होगा, जो उनके लिए एक बड़ी परीक्षा साबित होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया काफी मजबूत नजर आ रही है।

# दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचीं ऐश्वर्या

## AI जेनरेटेड तस्वीरों को लेकर की ये अपील

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। उनका इल्जाम है कि कई प्रोडक्ट उनकी एआई जेनरेटेड तस्वीर बिना इजाजत के इस्तेमाल कर रहे हैं। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत से अपील की है कि उनकी एआई जेनरेटेड तस्वीरों के बेजा इस्तेमाल से उन्हें सुरक्षा दी जाए। ऐश्वर्या राय का कहना है कि उनकी तस्वीरों को बिना उनकी इजाजत के व्यवसायिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने अदालत से अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है।

### ऐश्वार्या की याचिका में क्या है?

ऐश्वर्या राय ने अपनी याचिका में कहा अवास्तविक अंतरंग तस्वीरों का इस्तेमाल कॉफी, मग और अन्य सामान बेचने के लिए किया गया है। जिन स्क्रीनशॉट्स में तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई है, वे ऐश्वर्या राय की कभी नहीं थीं। ये सभी एआई जनरेटेड हैं।

लाइव ला ने ऐश्वर्या के वकील संदीप सेठी के हवाले से लिखा वे मेरे संगठन के नाम पर पैसे कमा रहे हैं। यूट्यूब पर जो स्क्रीनशॉट हैं, उनमें छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने ऐसी तस्वीरों को अधिकृत किया है। ये सभी एआई द्वारा उत्पन्न की गई हैं।

वकील ने यह भी आरोप लगाया कि एक सज्जन केवल नाम और चेहरा लगाकर पैसा इकट्ठा कर रहे हैं। उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल किसी की यौन इच्छाओं को संतुष्ट करने के लिए किया जा रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके अलावा, वकील ने यह भी बताया कि राय की तस्वीरें वॉलपेपर और टी-शर्ट पर बिना अनुमति के बेची जा रही हैं।

### हाई कोर्ट आदेश पारित करेगा

तर्कों को सुनने के बाद, दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे।

### और प्यार हो गया से बॉलीवुड में डेब्यू

ऐश्वर्या राय ने साल 1997 में फिल्म और प्यार हो गया से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। वह कई प्रोडक्ट की ब्रांड एंबेसडर भी रही हैं। फिल्मों के अलावा उन्हें विज्ञापनों से मोटी कमाई होती है। ऐसे में उनका इल्जाम है कि जिन प्रोडक्ट ने उनकी एआई जेनरेटेड तस्वीर इस्तेमाल की उन्होंने इसके लिए उनसे इजाजत भी नहीं ली।

# करियर बर्बाद करने के आरोपों पर पहली बार सलमान खान ने तोड़ी चुप्पी

**बिग बॉस** 19 के सेकंड वीकेंड का वार पर सलमान खान ने उस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी जिसे लेकर पिछले काफी सालों से उनपर आरोप लग रहे हैं. अक्सर एक्टर पर लोगों के करियर बर्बाद करने के आरोप लगते हैं, जिसपर अब सलमान ने खुद जवाब दिया है. टीवी के चर्चित और विवादित रियलिटी शो बिग बॉस के होस्ट सलमान खान अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपने दमदार अंदाज और बेबाक जवाबों की वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं. इन दिनों वह बिग बॉस 19 को होस्ट करते नजर आ रहे हैं और हर हफ्ते वीकेंड का वार पर सलमान खान घरवालों की जमकर क्लास लगाते हैं और दर्शकों को भरपूर मनोरंजन का डोज मिलता है. लेकिन बिग बॉस 19 के सेकंड वीकेंड का वार में भाईजान ने सालों से लग रहे अपने ऊपर एक आरोप को लेकर चुप्पी तोड़ी है. बिग बॉस 19 के सेकंड वीकेंड का वार काफी धमाकेदार रहा. रविवार के एपिसोड में एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शहनाज गिल मंच पर पहुंचीं. एक्ट्रेस यहां अपने भाई की बिग बॉस के घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री पर उसे सपोर्ट करने के लिए पहुंची थी. इस दौरान वह सलमान खान से हंसी-मजाक के बीच भाई का करियर बनाने की बात कहती हैं. शहनाज ने कहा कि, सलमान सर आपने इतनों के करियर बनाए हैं. सलमान खान ने शहनाज की बात का जवाब देते हुए कहा, लोगों ने मेरा मजाक भी उड़ाया है कि मैंने कितने करियर बर्बाद कर दिए हैं. लेकिन सच कहूं तो, ये मेरे बस की बात नहीं है. आजकल, ये कहना एक ट्रेंड बन गया है, अरे वो किसी का करियर खत्म कर देगा. बताओ, मैंने किसका करियर बर्बाद किया है? और अगर कभी किया भी, तो वो मेरा ही होगा. कई बार, मैं चीजों को हाथ से जाने देता हूं, लेकिन फिर मैं कड़ी मेहनत करते सब कुछ वापस अपने कंट्रोल में कर लेता हूं.

## Salman Khan का जवाब सुनकर दंग रह गए सब

सलमान खान का ये जवाब सुनकर सिर्फ वहां मौजूद लोग ही नहीं बल्कि एक बार को दर्शक भी दंग रह गए. बता दें कि, सलमान पर अक्सर कई एक्टर और एक्ट्रेसेस के करियर बर्बाद करने के आरोप लग चुके हैं. हालांकि, ये सच है या नहीं इसका जवाब अब एक्टर ने खुद ही दे दिया और सबसे ये सवाल भी पूछ लिया कि आखिर उन्होंने किसका करियर बर्बाद किया है.

शाहरुख खान ने दी खुशखबरी

# आर्यन खान की डेब्यू सीरीज की ट्रेलर डेट से उठाया पर्दा

**बॉलीवुड** के किंग शाहरुख खान इन दिनों बेटे आर्यन खान की डेब्यू वेब सीरीज The Bads Of Bollywood को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. आर्यन इस सीरीज के जरिए डायरेक्शन की दुनिया में कदम रख रहे हैं, और अब आखिरकार इसका ट्रेलर रिलीज डेट सामने आ गई है. जिसका खुलासा खुद शाहरुख खान ने अपनी इस पोस्ट से किया है. आइए जानते हैं, कब ट्रेलर रिलीज हो रहा है? शाहरुख खान सोमवार यानी आज बेटे आर्यन खान की सीरिज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का पोस्टर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयरकर कैप्शन में बेहद शानदार अंदाज में ट्रेलर की रिलीज डेट रिवील की, उन्होंने लिखा- ट्रेलर रिलीज आज ही होने वाला है. साथ में किंग खान ने लिखा- बॉलीवुड के कई रंगज आप क्या इन्हें देखने को तैयार हैं? हालांकि, उन्होंने ट्रेलर रिलीज का समय नहीं बताया है.

# सोशल मीडिया पर एक्सप्रेशन और स्टाइल से त्रिशा कर ने जीता फैंस का दिल

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री इन दिनों तेजी से लोकप्रिय हो रही है और इसके साथ ही इस इंडस्ट्री से जुड़े सितारे भी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव हैं। इनमें से एक नाम है त्रिशा कर मधु का, जो अपने बोल्ड लुक्स, बेबाक अंदाज और दमदार एक्टिंग की वजह से हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं। वे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लगातार रील्स और फोटोज पोस्ट करती रहती हैं, जिन्हें फैंस का जबरदस्त प्यार मिलता है। सोमवार को उन्होंने एक नया वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे एक भोजपुरी गाने पर लिप सिंक करती नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं। त्रिशा कर ने इस वीडियो में बेहद खूबसूरत पारंपरिक लुक अपनाया है। उन्होंने सिल्क की लाइट और डार्क पर्पल शेड की साड़ी पहनी हुई है, जो उन पर बेहद फब रही है। उनके इस पहनावे में खास बात यह है कि उन्होंने इसे बहुत आकर्षक ढंग से कैरी किया है। साड़ी के साथ उन्होंने सिल्वर ज्वेलरी पहनी है, जिसमें झुमके, चूड़ियां और एक सिंपल पेंडेंट शामिल है। बाल खुले हैं और हल्के मेकअप में उनका चेहरा दमक रहा है। उनके एक्सप्रेशन और हावभाव से लगता है कि वे न केवल इस गाने पर लिप्सिंक कर रही हैं, बल्कि उसे पूरी तरह महसूस भी कर रही हैं। उनकी एक्टिंग, आंखों के इशारे और बॉडी मूव्स वीडियो को और भी दिलचस्प बना रहे हैं। वीडियो में त्रिशा कर जवानी 4 दिन के गाने पर लिपसिंक कर रही है। इस गाने को श्रृष्टि भारती ने गाया है और इसके बोल इमरान भाई ने लिखे हैं। गाने का संगीत अंकुश कुमार ने तैयार किया है और इसे डायरेक्ट आजाद खान ने किया है।

# आशी सिंह ने उफ्फ ये लव है मुश्किल के कलाकारों के साथ शेयर किया वीडियो

**अभिनेत्री** आशी सिंह इन दिनों उफ्फज ये लव है मुश्किल के जरिए दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में शो के बाकी कलाकारों के साथ सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह शो के कलाकारों के साथ ट्रेंडिंग सॉन्ग कहीं आग लगे लग जावे पर रील बनाती नजर आ रही हैं। आशी ने व्हाइट कलर का सूट पहना हुआ है और गाने के बोल के साथ सटीक एक्सप्रेशन के साथ हुक स्टेप्स करती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, टूटे दिल की पीड़ सही न जाए।

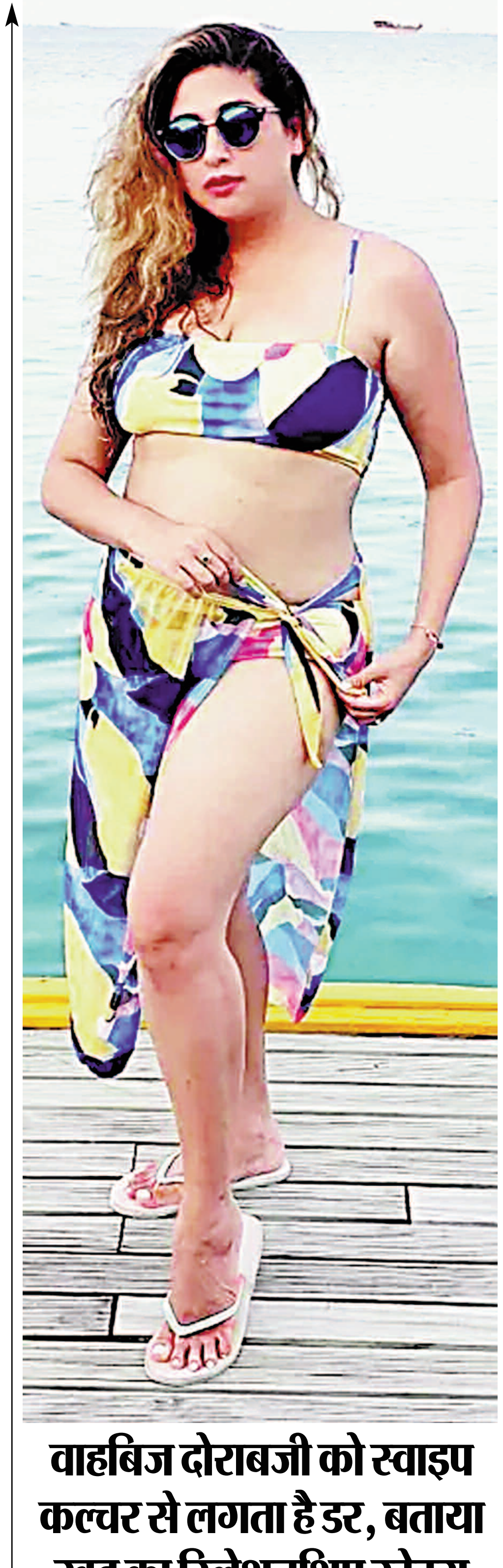

# वाहबिज दोराबजी को स्वाइप कल्चर से लगता है डर, बताया खुद का रिलेशनशिप स्टेटस

**टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी का 2021 में एक्टर विवियन डीसेना से तलाक हुआ था। विवियन तो अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए हैं, लेकिन उनकी पूर्व पत्नी वाहबिज दोराबजी का रिलेशनशिप स्टेटस क्या है, यह फैंस जानना चाहते हैं।**

**हाल** ही में अभिनेत्री वाहबिज दोराबजी ने इंटरव्यू में अपने रिलेशनशिप से लेकर करियर तक के बारे में खुलकर बातें की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें स्वाइप कल्चर से क्यों डर लगता है और वो लाइफ में अब कैसा पार्टनर चाहती हैं। जब वाहबिज दोराबजी से पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने बताया कि वह इस समय किसी को डेट नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के प्यार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है। अपने करियर के बारे में बात करते हुए वाहबिज दोराबजी ने कहा, मैंने पहली बार प्यार की एक कहानी में अभिनय किया था, मुझे ठीक से साल भी याद नहीं, शायद यह 2011 के आसपास था। एक एक्ट्रेस के तौर पर, तब से मैं काफी आगे बढ़ी हूं। मजेदार बात यह है कि मैं कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थी। मैं असल में एक मॉडल बनना चाहती थी।

## चहल से तलाक पर बोलीं धनश्री वर्मा...

# मैंने अपमान का जवाब अपमान से नहीं दिया

**कोरियोग्राफर** धनश्री वर्मा इन दिनों रियलिटी शो राइज एंड फॉल को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में पूर्व पति युजवेंद्र चहल के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी मैरिज लाइफ में बुरा व्यवहार झेलना पड़ा, लेकिन उन्होंने सोच-समझकर बदला नहीं लेने का फैसला किया। धनश्री का कहना है कि उन्होंने हमेशा से ही रिश्ते में सम्मान को प्राथमिकता दी, भले ही उन्हें अपमान का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, शादी में दोनों की इज्जत एक-दूसरे के हाथ में होती है। चाहती तो मैं भी गलत बोल सकती थी। आप सोचते हैं कि मेरे पास कुछ कहने के लिए नहीं है क्योंकि मैं औरत हूं? लेकिन वो मेरे पति थे। मैंने शादी के वक्त भी उनकी इज्जत की, और अब भी करना जरूरी है क्योंकि मैं कभी उनसे शादीशुदा थी। बता दें कि धनश्री और चहल ने 2020 में सगाई की और उसी साल दिसंबर में गुरुग्राम में शादी कर ली थी, जिसमें उनके परिवार और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के पांच साल बाद फरवरी 2025 को दोनों का तलाक हो गया। धनश्री की बात करें तो वह अपने फ्यूजन डांस परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं, जिसमें वह पारंपरिक भारतीय नृत्य शैलियों को समकालीन शैलियों के साथ मिलाती हैं। धनश्री वर्मा अब रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रही हैं। यह शो मशहूर बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। वह खुद राइज एंड फॉल शो की कास्टिंग और उसके रिजेक्शन पर नजर रख रहे हैं। शो का कॉन्सेप्ट कुछ बिग बॉस के जैसा ही है। इसमें कंटेस्टेंट को अलग-अलग टास्क में खुद को साबित करना होगा। बताया जा रहा है कि इस शो में कुछ कंटेस्टेंट राजा के रूप में एक आलीशान पेंटहाउस के अंदर दिखेंगे, जबकि कुछ मजदूरों की तरह एक साधारण बेसमेंट में रहकर पेंटहाउस तक पहुंचने के लिए खूब संघर्ष करते दिखाई देंगे।

## रंगीला के 30 साल पूरे

# उर्मिला मातोंडकर ने याद किए पुराने दिन

**बॉलीवुड** की आइकॉनिक फिल्म रंगीला ने सोमवार को 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने पोस्ट के जरिए अपने दिल की बातें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह मशहूर गाने रंगीला रे पर डांस करती नजर आ रही हैं। उर्मिला ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, रंगीलाज ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि एक एहसास थी, और आज भी रहेगी। ये खुशी, उम्मीद, सपने, महत्वाकांक्षा, सुंदरता, जोश, प्यार, प्रशंसा, संघर्ष, जीत, त्याग और सबसे बढ़कर, जिंदगी का एक शानदार जश्न था। अभिनेत्री ने बताया कि इसका हर एक सीन मासूम बच्चे जैसी चेहरे पर मुस्कान लाता है, जो कि हमें एक जादुई दुनिया में ले जाता है। इसका हर एक गाना सिर्फ संगीत ही नहीं बल्कि, नवरसों का उत्साह है। भारतीय साहित्य और कविता के नौ भाव श्रृंगार, हास्य, करुणा, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शांत। अभिनेत्री ने लिखा, इस फिल्म की कहानी मासूम लड़की की यात्रा है, जो अपनी सादगी और आकर्षण से सबके दिल जीत लेती है। वो हमें सुंदरता, कविता, जिंदगी और प्यार की एक अनमोल यात्रा पर ले जाती है। उन्होंने लिखा, तीस साल पहले आज ही के दिन रंगीला आप सबकी हो गई थी। मुझे यकीन है कि आज भी यह फिल्म आपको उस पहले पल में ले जाती है, जब आप हंसे, तालियां बजाईं और इसके जादू से प्यार कर बैठे थे। आपके प्यार, तारीफ और सराहना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी है। मुझे अपने दिलों में जगह देने के लिए, इतना प्यार देने के लिए, और मुझे उस जगह पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया, जिसका सपना बहुत कम लोग देख पाते हैं। हो जा रंगीला रे। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म में उर्मिला के अलावा, आमिर खान और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की कहानी मिली (उर्मिला) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मशहूर अभिनेत्री बनने का सपना देखती है, लेकिन उसे इस राह में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

साभार एजेंसी